वार्षिक प्रतिवेदन और वार्षिक लेखा

2020-2021

राष्ट्रीय बाल भवन
कोटला रोड, नई दिल्ली-110002

भाग क

वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चे में पहले से
विद्यमान पूर्ण प्रवीणता को प्राप्त करना है।

– स्वामी विवेकानंद

अनुक्रमणिका

भाग क – वार्षिक प्रतिवेदन

अध्यक्ष की कलम से

निदेशक की कलम से

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2021 तक

1. परिचय
2. हमारा मिशन, हमारा दृष्टिकोण
3. लक्ष्य और उद्देश्य
4. राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका
5. सदस्यता संख्या 2020-21
6. गतिविधियाँ – एक नज़र में
7. राष्ट्रीय बाल संग्रहालय
8. राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र
9. हमारे कार्यक्रम
10. विस्तृत रिपोर्ट
11. जवाहर बाल भवन, माण्डी
12. दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र
13. भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची
14. राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र
15. 31.03.2021 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची

भाग ख – वार्षिक लेखा

I. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट 81

II. राष्ट्रीय बाल भवन तुलन पत्र

1. तुलनपत्र 82
2. आय तथा व्यय खाता 83
3. प्राप्ति तथा अदायगी खाता 84

III. अनुसूचियाँ

4. अनुसूची-1 – पूंजीगत निधि 85
5. अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि 86
6. अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध 87
7. अनुसूची-4 – अचल परिसंपत्तियां (मूर्त परिसंपत्तियां) 88
9. अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश 89
10. अनुसूची-6 – निवेश अन्य 89
11. अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तिया 90
12. अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा 91
13. अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां 92
14. अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान) 93
15. अनुसूची-11 – निवेश से आय 94
16. अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज 94
17. अनुसूची-13 – अन्य आय 95
18. अनुसूची-14 – गत अवधि की आय 96
19. अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय) 96
20. अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ 97
21. अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय 98
22. अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय 99
23. अनुसूची-18 – परिवहन व्यय 100
24. अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण 100
25. अनुसूची-20 – वित्त लागत 101
26. अनुसूची-21 – अन्य व्यय 101
27. अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय 101

IV. आन्तरिक प्राप्ति खाता

34. तुलनपत्र 102
35. आय एवं व्यय खाता 103
36. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 104
37. अनुसूची 4 : स्थायी परिसंपत्ति – 31 मार्च 2021 को परिसंपत्तियों के मुल्यह्रास की सूची 106

V. भविष्य निधि – जी.पी.एफ./सी.पी.एफ.

28. तुलनपत्र 107
29. आय एवं व्यय खाता 108
30. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 109

VI. नई पेंशन योजना

31. तुलनपत्र 110
32. आय एवं व्यय खाता 111
33. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 112

VII. लेखकरण नीतियाँ एवं लेखा नोट्स

37. अनुसूची-23 – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ 113
38. अनुसूची-24 – लेखा नोट्स 115

भाग ग – लेखा रिपोर्ट

VIII. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट 119

IX. लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक 124

अध्यक्ष की कलम से

हमेशा की तरह, हमने इस वर्ष भी अपने कार्यक्रमों को कोविड-19 महामारी के बावजूद अभिनव बनाया है और सभी पहलुओं पर कड़ी मेहनत के बाद नई अवधारणाओं, बड़े सपनों को देखने की आकांक्षा को जारी रखा है। हमारा परिसर 5-16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को बहुआयामी और सहभागी तरीके से सीखने के अनूठे अनुभव हेतु आमंत्रित करता है। रा.बा.भ. अपनी नई विरासत के निर्माण के साथ-साथ गुणवत्ता और उपलब्धियों के साथ अपनी गौरवशाली विरासत का निर्माण करने के लिए अच्छी तरह से तैनात है, ताकि अपनी सभी गतिविधियों के लिए एक अनूठा परिप्रेक्ष्य लाया जा सके।

हालांकि यह वर्ष 2019 पूर्व वर्ष की भांति नहीं है फिर भी 2020 से 2021 तक का यह वर्ष कई नए आश्चर्यों एवं उपलब्धियों से भरा रहा। वैश्विक महामारी की इस अवधि में रा.बा.भ. अपने कार्यालय तथा घरों से प्रेरक वीडियो एवं शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों द्वारा बच्चों के उत्साहवर्धन के रूप में आशा की किरण बन कर सामने आया। उन वीडियों को रा.बा.भ. के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया एवं बच्चों के साथ प्रशिक्षकों ने वीडियों चैट और कॉल के जरिये संपर्क बनाए रखा। अत: इन वैकल्पिक दिनों में 50% उपस्थिति पर कर्मचारियों की रोस्टर ड्यूटी परिचालित की गई एवं उसका नियमित रूप से पालन भी किया गया। कर्मचारियों के लिए कई महत्वपूर्ण दिशानिर्देश जारी किए गए। जिनका पालन कर वे स्वयं भी सुरक्षित रहें और आसपास दूसरों को भी सुरक्षित रखा। राष्ट्रीय बाल भवन को नियमित छात्रों के साथ-साथ अनियमित छात्रों से भी अद्‌भुत प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। इस वर्ष भी बच्चे गतिविधियों में सक्रिय रहे। हजारों बच्चों ने वर्चुअल माध्यम से बाल भवन में विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया साथ ही महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती और 'स्वच्छता अभियान' से संबंधित कई अन्य गतिविधियों में भी उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। कोविड-19 से बचाव हेतु निर्दिष्ट दिशा निर्देशों का पालन करते हुए परिसर के भीतर व ऑनलाइन के माध्यम से कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जैसे: पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस एवं मातृभाषा दिवस।

राष्ट्रीय बाल भवन का उद्‌देश्य बच्चों के अपने बारे में और लगातार बदलते परिवेश के बारे में जानने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि बच्चे भारतीय मूल्यों एवं आदर्शों को संरक्षित करते हुए मात्र पुस्तकों की सीमाओं से परे खेल-खेल में सीखने का प्रयास करें। राष्ट्रीय बाल भवन ने व्यापक अवधि में बच्चों को शिक्षित करने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाया। भाषा हमेशा से ही हमारी भारतीय संस्कृति और परम्परा में एक समस्या और प्रश्न के रूप में जानी गई है परंतु हमारे (भारतीय) बच्चों द्वारा इस चुनौती को प्रतिबद्धता के रूप में स्वीकार की गई है और वे सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यकृमों के माध्यम से अपने प्राचीन और शाश्वत इतिहास की समृद्ध विरासत को विकसित व उजागर करते रहें हैं। राष्ट्रीय बाल भवन विद्या (ज्ञान), बुद्धिमत्ता (प्रज्ञा) और सच्चाई (सत्य) की खोज

पर आधारित ज्ञान को एक ऐसे सामान्य मंच पर लाने के लिए शिविरों का आयोजन करता है जहाँ बच्चे ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की भावना से प्रेरित होकर सभी का सम्मान करना सीखते है, विचारशील बनते हैं और एक-दूसरे की भावनाओं का पोषण करने के लिए माननीय मूल्यों को साझा करते हैं।

राष्ट्रीय बाल भवन ने इस साल एक शानदार शुरुआत की है, लेकिन अभी एक लंबा रास्ता तय करना है, मुझे यकीन है कि सभी हितधारकों के सक्रिय सहयोग से हम रा.बा.भ. के आदर्श उद्देश्य को पूरा कर पाएंगे।

अप्रैल, 2021
नई दिल्ली

आर. सी. मीना
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से

राष्ट्रीय बाल भवन एक ऐसी जगह है, जो रचनात्मकता और मनोरंजन से भरी है। यहाँ की गतिविधियाँ अभिव्यक्ति, रचनात्मकता और प्रयोगों की स्वतंत्रता के इर्द-गिर्द घूमती हैं। हम एक भोले-भाले बच्चे से एक समृद्ध व्यक्ति का निर्माण करते हैं, उन्हें ज्ञान प्रदान करते हैं ताकि वो जीवन के व्यापक परिप्रेक्ष्य को समझ सकें।

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य हर बच्चे की प्रतिभा का पता लगाना और राष्ट्रीय बाल श्री, राष्ट्रीय युवा पर्यावरण सम्मेलन आदि गतिविधियों, कार्यशालाओं और राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों की मदद से उन्हें अवसर प्रदान करना है ताकि वे सीखने और प्रतियोगिता युक्त जीवन में तालमेल बना सकें।

हमारे विश्वास के अनुसार, व्यक्ति का व्यक्तित्व जिस परिवेश में वह रहता है, उसके अनुरूप होता है। रा.बा.भ. बच्चों को समर्थ कर एवं उनकी क्षमताओं का पोषण करने के लिए एक अनुकूलित वातावरण देने के प्रयास के साथ अपना संपूर्ण समर्थन देने की कोशिश करता है ताकि एक मजबूत, कुशल, प्रतिभाशाली और एक रचनात्मक व्यक्तित्व का निर्माण हो सके।

राष्ट्रीय बाल भवन ने सोच समझकर एक वातावरण बनाया जहाँ सभी स्तरों पर खुले दरवाजे के साथ बच्चों का स्वागत है। वर्ष 2020-2021 के लिए इस वार्षिक रिपोर्ट में उपलब्धियों की झलक आपके सामने रखने में मुझे गर्व की अनुभूति होती है। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान ही शैक्षणिक वर्ष 2020-21 की शुरूआत हुई। ऐसी विकट परिस्थिति में राष्ट्रीय बाल भवन के समक्ष भी एक बड़ी चुनौती थी कि वह अपनी पूरी जिम्मेदारी के साथ घरों में बंद बच्चों की मन:स्थिति को समझ सकें एवं गतिविधियों द्वारा उसे संतुलित कर सकें। जहाँ प्रशासनिक कर्मचारियों को अपने-अपने घरों से कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया तो वहीं दूसरी ओर सभी कार्यकलाप प्रशिक्षकों को प्रत्येक बच्चे के साथ ऑनलाइन वीडियों व मोबाइल के माध्यम से जोड़ा गया जिससे कि उन्हें लगातार गतिविधियों में व्यस्त रखा जा सके।

वैश्विक महामारी की इस अवधि में रा.बा.भ. अपने कार्यालय तथा घरों से प्रेरक वीडियों शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों द्वारा बच्चों के उत्साहवर्धन के रूप में आशा की किरण बन कर सामने आया। इन वीडियों को रा.बा.भ. के यू-ट्यूब चैनल पर उपलोड किया गया एवं बच्चों के साथ प्रशिक्षकों ने वीडियों चैट और कॉल के जरिए संपर्क बनाए रखा। कर्मचारियों के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए जिनका पालन कर वे स्वयं भी सुरक्षित रहे और आस-पास दूसरों को भी सुरक्षित रखा। राष्ट्रीय बाल भवन को नियमित छात्रों के साथ-साथ अनियमित छात्रों ने भी अद्भुत प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई। सभी साप्ताहिक योजनाएं और वीडियों लिंक राष्ट्रीय बाल भवन की वेबसाइट दंजपवदंसइंसइींअंदण्दपबण्पद पर उपलब्ध कराए गए। प्रत्येक कार्यकलाप प्रशिक्षक द्वारा प्रस्तुत की गई साप्ताहिक योजनाओं को यू-ट्यूब, फेसबुक एवं रा.बा.भ. के वेबसाइट पर अपलोड किया गया। सदस्य बच्चों ने भी व्हाट्सएप और वर्बल कॉल की मदद से अपने प्रशिक्षकों के साथ परस्पर संपर्क बनाए रखा।

इस वर्ष रा.बा.भ. ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्वच्छता पखवाड़ा, हिन्दी पखवाड़ा, प्लास्टिक मुक्त भारत, संविधान दिवस, बंसत पंचमी, मातृभाषा दिवस राष्ट्रीय एकता दिवस आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया एवं ध्यान और योग कार्यशालाएं जहाँ पूर्व छात्र व पिछले वर्ष के सदस्य बच्चों ने एक ही मंच साझा किया, साथ ही ऑनलाईन कक्षाओं और कार्यशालाओं के आनंद भी लिया। 02 अक्टूबर को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के वी शहीदों की याद में मौन दिवस मनाया गया।

राष्ट्रीय बाल भवन विकास के आकर्षक रास्ते पर है। यह पहले से ही खुद को अनौपचारिक शिक्षा संस्थान के रूप में स्थापित कर चुका है, लेकिन यह सपना और विकास जिसके लिए संस्थान प्रयास कर रहा है अभी भी बहुत निम्न है।

दीपा

अप्रैल, 2021
नई दिल्ली

दीपा आनन्द
निदेशक

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2021 को

1. श्री आर. सी. मीना (संयुक्त सचिव) – **अध्यक्ष**
   स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

2. श्री आनन्द प्रकाश – **उपाध्यक्ष**
   आर-2/83, राज नगर
   गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

3. शोभित गुप्ता (निदेशक वित्त) – **शिक्षा मंत्रालय के आई. एफ.डी. प्रतिनिधि**
   स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

4. श्रीमती रितु अग्रवाल (निदेशक) – **शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि**
   स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

5. श्रीमती दीपा आनन्द (उप सचिव, शिक्षा मंत्रालय) – **सदस्य सचिव**
   निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन
   कोटला रोड, नई दिल्ली-110002

स्वप्न. स्वप्न.. स्वप्न...। स्वप्न विचारों में
और विचार कर्म में परिणत होते हैं।

– ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

परिचय

राष्ट्रीय बाल भवन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अन्तर्गत एक स्वायत्तशासी संस्था है। यह संस्था 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए एक गैर-औपचारिक शिक्षा का केन्द्र है। इसकी स्थापना 1956 में हुई थी। बच्चों को सोच, कल्पना तथा सृजनात्मक व आमोदपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से उन्मुक्त प्रदर्शन के स्वप्न को केन्द्र में रखकर भारत के पहले प्रधानमंत्री द्वारा इसकी नींव रखी गई। बाल भवन देश के चारों कोनों में 141 मान्यता प्राप्त बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों के साथ एक आन्दोलन का रूप ले चुका है। इसके अलावा 49 बाल भवन केन्द्र और दिल्ली के माण्डी गाँव में एक ग्रामीण जवाहर बाल भवन भी कार्यरत है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न गतिविधियां एवं अवसर उपलब्ध कराकर बच्चों की सृजनात्मक क्षमता का विकास करने, अभिव्यक्ति, प्रयोग, सृजन एवं कलाप्रदर्शन का सामूहिक मंच उपलब्ध कराता है। यह संस्था बच्चों को किसी भी प्रकार के भय अथवा तनाव से मुक्त वातावरण में, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हर प्रकार से संभावनाएं प्रदान करती है। राष्ट्रीय बाल भवन व इसकी मान्यता प्राप्त संस्थाओं में बच्चों, विशेषकर समाज के वंचित वर्गों के लिए नियमित कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

इस संस्था का उद्देश्य बच्चों को विविध गतिविधियों, अवसर, विचार-विमर्श, अनुभव, सृजन द्वारा एक सांझे मंच पर कार्य करके सृजनात्मक क्षमता का विकास करना है। बाल भवन बच्चों को सम्पूर्ण सृजन की स्वतंत्रता प्रदान करने के साथ-साथ खेल-खेल की पद्धति से भी सीखने का अवसर प्रदान करता है तथा नृत्य, नाटक, संगीत, सृजनात्मक कला, छायांकन, कम्प्यूटर आदि के माध्यम से उनकी सृजनात्मक क्षमता का विकास करता है। राष्ट्रीय बाल भवन, सभी गतिविधियों के लिए एक केन्द्र स्थल बन बच्चों को एकत्रित करके उनके चहुंमुखी व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ वसुधैव कुटुंबकम की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

प्रत्येक वर्ष हज़ारों की संख्या में बच्चे बाल भवन से जुड़ते हैं। सन् 1956 में मात्र 300 बच्चों की सदस्यता के साथ शुरू हुआ यह आन्दोलन अब लाखों बच्चों का सागर बन चुका है और बच्चे विविध अनुभवों का लाभ उठा रहे हैं। दूर-दराज़ इलाकों के बच्चों तक पहुंचने के लिए दिल्ली राज्य के कई क्षेत्रों में 49 बाल भवन केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये बाल भवन केन्द्र सभी पृष्ठ भूमि एवं परिवेश से आए बच्चों की जरूरतों को पूरा करते हैं। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन वस्तुतः राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई है, जो राष्ट्रीय बाल भवन के अधीन संचालित है तथा ग्रामीण जनसंख्या को समानांतर सेवाएं उपलब्ध कराती है। राज्य बाल भवन और बाल केन्द्र, देश के सभी भागों तथा दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में खोले गए हैं और वे सभी जगह समान सेवायें प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन सभी के लिए सृजनात्मकता, नवोन्मेष एवं अभिव्यक्ति हेतु सतत प्रक्रिया है, जो बच्चों को पूर्णरूपेण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है।

बालश्री योजना मुख्य चार विधाओं अर्थात् सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला एवं सृजनात्मक वैज्ञानिक नवीकरण में 1995 में देश भर में शुरू की गई थी, जिसके द्वारा देश के सृजनशील बच्चों का चयन किया जाता है। अक्तूबर-नवम्बर, 2015 में बालश्री योजना में संशोधन किया गया। 31 मार्च, 2021 तक देश भर में कड़ी चयन प्रक्रिया के माध्यम से 745 बच्चों को पुरस्कार हेतु चुना जा चुका है।

हमारा मिशन

प्रत्येक बच्चे को इस खुशहाल संसार में एक सृजनात्मक, मानवीय एवं नवोन्मेषी एवं अद्भुत परिवेश में पूर्ण रूप से योगदान करने और प्रयास करने के अवसर प्रदान करना।

हमारा दृष्टिकोण

जिज्ञासा एवं दृश्य कला, विज्ञान गतिविधि, शारीरिक क्रियाकलापों आदि के माध्यम से सम्भावनाओं के आनन्द का अवसर प्रदान करना। ऐसे मूल्यों का निर्माण करना जिससे आत्मविश्वास और विश्व के जिम्मेदार नागरिक की भावना विकसित हो सके।

लक्ष्य और उद्देश्य

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य हैं :-

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य है, बच्चों में विश्वास, आत्म-निर्भरता, धर्म-निरपेक्षता की प्रवृत्ति तथा मूल्यों के प्रति प्रेम जागृत करना जिससे वे राष्ट्र को शक्तिवान व सम्पन्न बनाने में योगदान दे सकें। ऐसे ही सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला, शारीरिक शिक्षा, वैज्ञानिक नवप्रयोग, छायांकन, गृह प्रबंधन तथा संग्रहालय तकनीक आदि के शिक्षण की अनौपचारिक पद्धति के माध्यम से बच्चों को अपनी सृजनात्मकता को विकसित करने के अवसर प्रदान करना है। बाल भवन इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु बाल भवन के दर्शन का प्रसार करते हुए कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की सृजनात्मकता को पहचानता है व पोषित करता है।

राष्ट्रीय बाल भवन के उद्देश्य है :-

1 बच्चों को शिक्षा और सृजनात्मकता के लिए अवसर प्रदान करना।

2 बच्चों को ऐसे अनुभव व कार्यकलाप प्रदान करना, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नहीं होते।

3 स्थानीय विद्यालयों के लिए उनके पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्येत्तर कार्यकलापों को समृद्ध बनाने हेतु कुछ शैक्षिक सेवाएं प्रदान करना।

4 कला और विज्ञान में सृजनात्मक अवधारणा के पोषण के लिए अध्यापन में नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान करना।

5 मनोविनोद गतिविधियों से जुड़े कामगारों और बाल संग्रहालय के कार्मिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना।

6 राष्ट्र के लिए प्रोटोटाईप शिशु बाल संस्थान प्रदान करना अर्थात् एक आदर्श बाल भवन स्थापित करना।

7 मनोरंजक और शारीरिक कार्यकलापों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व और उनकी प्रतिभाओं का विकास करना।

8 सभी वर्गों और समुदायों के बच्चों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक मेल-मिलाप को प्रोत्साहित करना।

9 बच्चों में ऐसे मूल्य अंतर्विष्ट करना, जो उन्हें वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ-साथ आधुनिक भारत का विकास करने में सहायक हों।

10 उपरोक्त वर्णित कार्यकलापों को एक आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका

सदस्यता संख्या 2020-21

राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन, माण्डी तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत चल रहे दिल्ली के 49 बाल भवन केन्द्रों में बच्चे वार्षिक सदस्यता प्राप्त करते हैं।

राष्ट्रीय बाल भवन का सभी क्षेत्रों के बच्चों का सृजनात्मक विकास करना ही केन्द्रीयभूत लक्ष्य है। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे अनेकानेक गतिविधियों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं और ये गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगींण विकास हेतु तैयार की जाती हैं।

व्यक्तिगत सदस्यता के अलावा दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों, दिव्यांगजन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति के बच्चों को नि:शुल्क संस्थागत सदस्यता प्रदान की जाती है।

सदस्यता संख्या इस प्रकार हैं –

क्र.सं	बाल भवन	पंजीकरण
1.	राष्ट्रीय बाल भवन	कोविड-19 के तहत वर्ष 2020-2021 के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन में पंजीकरण संख्या शून्य रही, लेकिन रा.बा.भ. अपने पूर्व सदस्य बच्चों के साथ ऑन-लाईन माध्यम से जुड़ा रहा।
2.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	कोविड-19 के तहत वर्ष 2020-2021 के दौरान ऑन लाइन प्रक्रिया द्वारा 115 पंजीकरण संख्या रही।
3.	बाल भवन केन्द्र	.....

वार्षिक संस्थागत सदस्यता संख्या –

क्र.सं.	पब्लिक स्कूल एवं गैर सरकारी संस्थान	नि:शुल्क संस्थाएँ
1	कोविड-19 के तहत वर्ष 2020-2021 के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन में पंजीकरण संख्या शून्य रही।	कोविड-19 के तहत वर्ष 2020-2021 के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन में पंजीकरण संख्या शून्य रही।

नोट :

1. **प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 5 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए सदस्यता शुल्क 200 रूपये है।**
2. **अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग बच्चों के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर सदस्यता शुल्क नि:शुल्क है।**
3. **पब्लिक स्कूल व गैर सरकारी संस्थान से सदस्यता शुल्क 1000 रूपये प्रति वर्ष लिया जाता है।**
4. **राष्ट्रीय बाल भवन में सभी सरकारी स्कूलों को नि:शुल्क सदस्यता प्राप्त है।**

गतिविधियाँ - एक नज़र में

सृजनात्मक कला

सृजनात्मक कला की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान कर उनके सौंदर्यबोध की अलग-अलग विधाओं का विकास करना तथा उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना और उनको कला तथा शिल्प की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराना है। सृजनात्मक शिल्प कला में विविध गतिविधियाँ हैं जिन्हें विभिन्न उप-भागों में विभाजित किया गया है।

मिले-जुले क्रियाकलाप

मिले-जुले अनुभाग, सभी आयु के बच्चों को समान रूप से आकर्षित करता है। अनुभाग में आने वाले विशेषत: छोटी आयुवर्ग के बच्चे आमतौर पर परम्परागत कला का काम करना बहुत पसंद करते हैं। यह एक मल्टीमीडिया अनुभाग होने के कारण बच्चे यहाँ सरलता से एक माध्यम से दूसरे माध्यम पर जा सकते हैं। इस विभाग में सृजनात्मक और जीवन-मूल्यों पर आधारित खेल भी तैयार किए जाते हैं। प्राकृतिक रूप से प्राप्त रंग और तीलियों (ब्रश की बजाय) से बनाई गई परम्परागत लोक कला इस अनुभाग की अनूठी विशेषता है। बच्चे खिलौने और पेपरमैशी व कागज़ के शिल्प की कलात्मक वस्तुओं को बनाना भी यहाँ सीखते हैं। यह विभाग बच्चों को मेहंदी कला, मधुबनी व वर्ली कलाओं से भी परिचित करवाता है।

चित्रकला

इस अनुभाग में बच्चे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को क्रेऑन, वाटर कलर, ऑयल कलर, और पेंसिल द्वारा चित्र बनाकर अभिव्यक्त करते हैं। यह कार्यकलाप बड़े बच्चों को भी उतना ही भाता है जितना कि छोटी आयु के बच्चों को। सभी बच्चे इसमें उत्साह से भाग लेते हैं। छोटे बच्चे जहाँ एक ओर अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाते हैं, वहीं बड़े बच्चे पोट्रेट बनाने, स्केच, प्राकृतिक दृश्य और विषय के आधार पर चित्र बनाने की कला का आनन्द उठाते हैं। बच्चों को बाटिक, टाई एण्ड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग इत्यादि कार्यकलापों की तकनीक भी सिखाई जाती हैं।

हस्तशिल्प

इस अनुभाग की गतिविधियाँ विशेष हैं क्योकि इसमें बच्चों को काम में न आने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं जैसे - पुरानी पत्रिकाएँ, कतरनें, बीज, तार, पत्तियाँ व पेड़ों के तनों की छाल, पुराने कागज़, प्रयोग किए हुए डिब्बे, गत्ते के खाली डिब्बे, बल्ब, बटन, उभरे हुए कागज़, थर्मोकॉल, पुराने अखबार इत्यादि से पदार्थों के साथ प्रयोग करने

की खुली छूट मिलती है। काम न आने वाली वस्तुओं से बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर कृतियाँ और उत्पाद बच्चों की कल्पना और उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का परिणाम होते हैं।

बुनाई

इस अनुभाग की बुनाई गतिविधि भी बच्चों की एक लोकप्रिय गतिविधि है, यहाँ बच्चे बुनाई की विभिन्न तकनीकों द्वारा कई प्रकार की कलात्मक कलाकृतियां जैसे – वॉल हैंगिंग, दृश्यावली, लैम्पशेड, टेपेस्ट्री, इत्यादि बनाते हैं। उन्हें सुंदर वस्तुओं के निर्माण की ओर प्रेरित किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार की बुनाई, गाँठे लगाना व बुनाई के डिज़ाइन सीखते हैं और दृश्यावली, आसन, तथा छोटी दरियाँ व कालीन स्वयं बनाते हैं।

सिलाई-कढ़ाई

सिलाई-कढ़ाई अनुभाग की गतिविधियों में मैक्रमे, क्रोशिया, सिलाई-कढ़ाई, कठपुतली बनाने, खिलौने बनाने, इत्यादि सम्मिलित हैं। बच्चे जहाँ एक ओर वस्त्रों की कटाई और सिलाई के मूल तत्वों को सीखते हैं, वहीं वे विभिन्न प्रकार के कपड़ों को डिज़ाइन करने, पैच वर्क बनाने और रचनात्मक कढ़ाई का काम भी करते हैं। रूई भर कर खिलौने बनाने की कला भी एक लोकप्रिय गतिविधि है। बच्चे तरह-तरह के हैंगिंग्स बनाने और विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएँ आदि तैयार करने का ज्ञान प्राप्त करते हैं जिससे उनकी सृजनशीलता का विकास होता है।

मिट्टी का कार्य

इस अनुभाग की गतिविधि 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के मस्तिष्क, हृदय और हाथों का समन्वय बैठाने में सहायक होती है जो बच्चों के मस्तिष्क और शरीर के स्वाभाविक विकास में भी मदद करती है। यहाँ बच्चे मुख, जानवर, चेहरे, दृश्य व मिट्टी की मानव आकृतियाँ एवं डिज़ाईन इत्यादि बनाने सीखते हैं और साथ ही मिट्टी, पेपरमैशी और प्लास्टर ऑफ पैरिस के सांचे बनाने के प्रयोग भी करते हैं। मिट्टी द्वारा कास्टिंग करते हुए यह अनुभाग बच्चों को नवप्रायोगिक कार्य करने और इस प्रकार उनकी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने के प्रयास करता है।

जिल्दसाज़ी

जिल्दसाज़ी अनुभाग की गतिविधि भी बच्चों में अत्यंत लोकप्रिय है क्योंकि इस गतिविधि के द्वारा बच्चों किताबों को सुन्दर और सुरक्षित बनाना सीखाया जाता है। इस अनुभाग में जिल्दसाज़ी की तकनीकी कुशलताओं को जानने के अतिरिक्त बच्चे कार्डबोर्ड की सुंदर वस्तुओं को निमार्ण करना भी सीखते हैं, जिनमें गत्ता काटना, चिपकाना व सिलाई करना इत्यादि शामिल हैं। बच्चों को कई अन्य सृजनात्मक गतिविधियाँ भी बताई जाती हैं और वे उसकी विभिन्न वस्तुएँ जैसे छोटी डायरी, फाइल कवर तथा कैसेट स्टैण्ड, पेन स्टैण्ड, तथा अन्य नई प्रकार की वस्तुएँ निर्माण करना यहाँ सीखते हैं।

काष्ठ शिल्प

काष्ठ शिल्प अनुभाग में बच्चों को सृजनात्मक विधि द्वारा काष्ठ कला का ज्ञान दिया जाता है। बच्चों को लकड़ी की वस्तुओं का निर्माण करने में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का ज्ञान दिया जाता है। बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ, उनकी बनावट का आधार व उनकी टिकाऊपन की पहचान करना भी सीखते हैं। बच्चों को वुडन फ्रेम पर वुड कटिंग द्वारा म्यूरल बनाने की तकनीक, सॉ-डस्ट से पेपर पर चित्रांकन करना भी सिखाया जाता है तथा बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ी से काम में आने वाली कई वस्तुओं जैसे :- पेन-स्टैण्ड, छोटे बॉक्स, खिलौने, पेन होल्डर, डिब्बे, पॉट कवर, इत्यादि निर्मित करना भी सीखते हैं। उन्हें लकड़ी में नक्काशी का काम भी सिखाया जाता है और वे नक्काशी द्वारा सुंदर वस्तुयें भी बनाना सीखते हैं। उन्हें बेकार लकड़ी के टुकड़ों व बुरादे को रचनात्मक रूप से जोड़कर सुंदर दृश्य एवं तरह-तरह की आकृतियाँ बनाना भी सिखाया जाता है।

विज्ञान कार्यकलाप

इस अनुभाग में विज्ञान, प्रयोगशाला का एक विषय न होकर एक बड़ी प्रयोगशाला का अंग है, जिसके माध्यम से बच्चा जिंदगी की दिन-प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से वैज्ञानिक सिद्धांतों को जोड़कर अपने ज्ञान को बढ़ाता है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को विभिन्न दिलचस्प गतिविधियों में शामिल करके विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को बच्चों को समझाने में विश्वास रखता है। बाल भवन की विज्ञान-शिक्षण प्रणाली का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है "एकीकृत पद्धति" जिसमें विज्ञान को अन्य गतिविधियों का अखण्ड हिस्सा बनाया गया है।

विज्ञान अनुभाग के विभिन्न उप-अनुभाग हैं जो बच्चों को विज्ञान के नियम और सिद्धांत सीखने में मदद करते हैं। बच्चों को भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान के अतिरिक्त दैनिक जीवन में विज्ञान से भी परिचित कराया जाता है। उप अनुभाग के कार्यकलापों में रेडियो-इलेक्ट्रॉनिक्स, एअॅरो मॉडलिंग, मशीन मॉडलिंग, खगोल विज्ञान, कम्प्यूटर, मछलीघर एवं छोटा चिड़ियाघर, क्यों और कैसे क्लब और पर्यावरणीय कार्यकलापों के साथ-साथ क्षेत्रीय भ्रमण और विज्ञान से संबंधित फिल्म शो आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त वे इन पर यथार्थ परीक्षण, पोस्टकार्ड पोस्ट करना तथा अन्य कई गतिविधियाँ भी कर सकते हैं। बाल भवन में विज्ञान कार्यकलापों में भाग लेने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि बच्चे स्कूल में विज्ञान के विद्यार्थी हों बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि उसमें 'क्यों' और 'कैसे' की उत्सुकता और सीखने की इच्छा हो। विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निम्न उप-अनुभाग बच्चों के लिए कार्य करते हैं। इस अनुभाग में समय-समय पर विशेष फिल्म-शो तथा शिविर भी आयोजित किए जाते हैं –

विज्ञान अनुभाग की निम्न उप अनुभाग हैं –

भौतिक एवं प्रकृति विज्ञान (कैसे और क्यों क्लब)

कैसे और क्यों क्लब अनुभाग में विज्ञान से सम्बंधित परियोजनायें लेने के इच्छुक बच्चों की जिज्ञासा का समाधान करने के लिए इस क्लब का सृजन किया गया था। शैक्षिक यात्रायें, वैज्ञानिक प्रश्नोत्तरी, सृजनात्मक वैज्ञानिक मॉडल बनाना, प्रयोग करना आदि क्यों और कैसे क्लब की कुछ गतिविधियाँ हैं जो बच्चों का ज्ञान बढ़ाती हैं और उन्हें नया सीखने को उत्साहित करती हैं। विषयक कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं। परीक्षण व वैज्ञानिक खेलों के लिए बच्चों को प्रयोगशाला उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।

अन्वेषक क्लब

अन्वेषक क्लब अनुभाग में बच्चों को प्रयोग एवं नवोन्मेषी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि वे मशीन मॉडलिंग के अवधारण से लेकर इन्हें डिज़ाइन करने तथा अन्ततः निर्माण करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं द्वारा ज्ञानवर्द्धक कार्य सीखते हैं।

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्लस अनुभाग में 10 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को सदस्यता दी जाती है। यहाँ बिजली के मूल सिद्धांत, बिजली के तार लगाना और घरेलू उपकरणों की स्वयं मरम्मत करना, सर्किट के साथ नए प्रयोग, रेडियो और टी.वी. के पुर्ज़े जोड़ना जैसे अनेक कार्यकलाप सिखाए जाते हैं। यहां बच्चे डिजिटल घड़ियों और नई ऊर्जा-युक्तियों जैसे-सौर ऊर्जा के मॉडल के जटिल सर्किट का भी ज्ञान प्राप्त करते हैं। विश्व में बढ़ती हुई विकसित संचार व्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए अधिक से अधिक लोग 'हैम रेडियो क्लब' के सदस्य बन रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन में भी रेडियो शौकीनों (एमेच्योर) के क्लब की शुरूआत की है, ताकि इस क्लब के सदस्य बच्चे अपने-अपने घरों में 'हैम स्टेशन' की स्थापना कर आपसी सम्पर्क स्थापित कर सकें।

एअॅरो मॉडलिंग

राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों हेतु एअॅरो मॉडलिंग जैसा महंगा शौक भी उपलब्ध है। यहाँ बच्चे वायुगति के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर विभिन्न प्रकार के वायुयानों के मॉडल बनाना सीखते हैं इसके साथ ही विमानों के अपने मॉडल उड़ाने का आनन्द भी उठाते हैं। इस कार्यकलाप का उद्देश्य बच्चों में विमानन और उससे संबंधित विज्ञान में रुचि पैदा कर उन्हें प्रोत्साहित करना है। इस अनुभाग द्वारा 'मॉडल रॉकेट्री' की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

कम्प्यूटर

कम्प्यूटर एक बहुत ही लोकप्रिय कार्यकलाप है जो दिन-प्रतिदिन अधिकाधिक बच्चों को आकृष्ट कर रहा है। बच्चे कम्प्यूटर की आरंभिक भाषा सीखने के साथ-साथ कार्यक्रम बनाना (प्रोग्रामिंग करना) भी सीखते हैं। बच्चों को बड़ी संख्या में यहाँ विज्ञान के विषयों पर सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर खेल उपलब्ध कराए जाते हैं। कम्प्यूटर का यह कार्यकलाप स्कूली शिक्षा का संपूरक है। राष्ट्रीय बाल भवन इंटरनेट सम्बंधी जानकारी भी उपलब्ध कराता है, ताकि बच्चे आधुनिकतम प्रणाली से अवगत हो सकें। इस अनुभाग में अनेक सार्थक एवं नई प्रणाली की कार्यशालाएँ तथा संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाती हैं। बच्चे "फोटोशाप" एवं "डिजिटल प्रिंटिंग" तकनीकें भी सीखते हैं। साइबर सुरक्षा के बारे में भी बच्चों को जागरूक किया जाता है।

पर्यावरण

हरित वाहिनी आंदोलन का आरंभ 19 नवम्बर 1986 में हुआ था। इसी मुहिम को आगे बढ़ाने हेतु पर्यावरण विभाग की स्थापना की गई थी। वनस्पति एवं जीव के अनुरक्षण के साथ-साथ संस्कृति, हस्तशिल्प, लोककला, साहित्य स्मारको आदि के बचाव के लिए भी पर्यावरण अनुभाग द्वारा जागरूकता फैलाई जाती है। वर्षा जल संरक्षण एवं सौर उर्जा संबंधी प्रोजेक्टों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। फील्ड यात्रायें, सर्वेक्षण, व्यर्थ सामान आदि की री-साइक्लिंग जैसी गतिविधियों द्वारा बच्चों को उनके आस-पास के वातावरण के प्रति जागरूक किया जाता है। अधिक से अधिक बच्चों में जागरूकता फैलाने हेतु वर्ष 1990 से अभी तक प्रति वर्ष युवा पर्यावरण वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित किया जाता है। देश के विभिन्न भागों से बच्चे देश की किसी भी एक चयनित जगह पर एकत्रित हो पर्यावरण के विभिन्न सामाजिक, भावनात्मक एवं सांस्कृतिक पहलूओं पर विचार-विमर्श करते हैं।

खगोल विज्ञान

आकाश अपने भीतर अनजान आकाशगंगाओं से संबंधित अनेकानेक अनसुलझे रहस्यों को समेटे हैं। यह मानना है कि अतिप्राचीन काल से मनुष्य इन रहस्यों को समझने में लगा हुआ है। राष्ट्रीय बाल भवन में कम लागत के एक तारामंडलीय एकक की स्थापना की गई है। बच्चे इस कार्यकलाप में आनंद लेते हैं। वे आकाश के ग्रहों और तारों आदि के बारे में अधिक जानकारी लेने के लिए उत्सुक रहते हैं। कुछ वर्ष पहले विभाग द्वारा दिल्ली के बच्चे हेतु एवं सार्क (SAARC) देशों के बच्चों हेतु "दूरबीन बनाने की कार्यशाला" भी आयोजित की गई।

मछली घर तथा जीव-जन्तु कार्नर

इस अनुभाग में बच्चे जीव विज्ञान की मूलभूत जानकारी हासिल करते हैं। अनुभाग द्वारा अपना मछलीघर बनाएं, जीवजन्तुओं से सम्बंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। बच्चे मछली के अंगीकरण, अनुपालन, समुद्री जीवन, समुद्री वनस्पतियों आदि की अवधारणाओं को सीखने का ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा वे जीव-जन्तुओं और पालतू जानवरों की आदतों, खानपान व रहन-सहन की परिस्थिति अनुकूलन का ज्ञान प्राप्त करते हैं। इससे बच्चों में जीव जन्तुओं के प्रति अनुपालन की इच्छा पैदा होती है।

पुस्तकालय

राष्ट्रीय बाल भवन के पुस्तकालय में बच्चों के लिए ढेर सारी मनोरंजक पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें कला, शिल्प, संस्कृति, साहित्य, विज्ञान, गणित, पत्रकारिता व कंप्यूटर, कहानियों और कविताओं आदि विषयों पर हैं। यहाँ एक संदर्भ अनुभाग भी है। पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल व बंगला आदि अनेक भाषाओं की पुस्तकें भी हैं। बच्चों के लिए विभिन्न पत्रिकाएँ भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग द्वारा सृजनात्मक लेखन की गतिविधि भी आयोजित की जाती है जिसमें बच्चे विभिन्न विषयों पर लिखते हैं।

बच्चों के लिए साहित्यिक कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं के दौरान बच्चे विभिन्न लेखकों व कवियों आदि से परिचर्चा द्वारा अपनी लेखन क्षमता और कौशल को विकसित करते हैं। यहाँ पर कहानी सुनाने के सत्रो का आयोजन भी होता है। इस विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, पुस्तकों पर परिचर्चा, आशु-भाषण, विभिन्न सामाजिक एवं प्रासंगिक वाद-विवाद आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अनुभाग में हर उम्र के बच्चे आनंद लेते हैं और उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता भी निखरती है। राष्ट्रीय बाल भवन बाल रचनाकारों को एक सामूहिक मंच प्रदान करता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्ननुसार हैं –

- वाचन प्रतियोगिता
- प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम
- सृजनात्मक लेखन
- कविता-रचना, काव्य-पाठ
- नवीन पुस्तकों की समीक्षा एवं परिचर्चा
- कहानी लेखन, आशुभाषण
- स्लोगन लेखन, आलेख लेखन

छायांकन (फोटोग्राफी)

राष्ट्रीय बाल भवन में छायांकन गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को छायांकन से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे- छायांकन का इतिहास, व डिज़िटल कैमरे, साधारण कैमरे के विभिन्न अंग, उन्हें व्यवहार में प्रयोग करने की तकनीक आदि से परिचित कराने के साथ-साथ अभिनव तरीकों का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। छायांकन के द्वारा बच्चे विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों, पशु-पक्षियों, उनकी आदतों, तरह-तरह की इमारतों, विभिन्न भौगोलिक स्थानों और वहाँ रहने वाले लोगों की जीवन शैली आदि की फोटो खींचने के साथ-साथ उनके विषय में जानकारी भी प्राप्त करते हैं। बच्चे रोचक दृश्यों को चित्रों द्वारा संजोने व आधुनिक तरीकों का प्रयोग कर छायांकन की दक्षता में निखार लाना भी सीखते हैं। बच्चे फोटोशाप की सहायता से काफी टेबल पुस्तक बनाना भी सीखते हैं।

इस विभाग द्वारा वीडियोग्राफी की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं, जहाँ बच्चों द्वारा वीडियो कार्यक्रम निर्मित किए जाते हैं। स्क्रिप्ट लेखन, कैमरा संचालन, संवाद व ध्वनि रिकार्डिंग से लेकर फिल्म निर्माण तक सभी कार्य बच्चों की टीम द्वारा प्रशिक्षकों की देख-रेख में किए जाते हैं। इस विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर फोटोग्राफी प्रदर्शनियाँ भी लगाई जाती हैं जिनमें बच्चों द्वारा किए गए कार्य को प्रदर्शित किया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- डिज़िटल फोटोग्राफी
- फोटोशॉप तकनीक द्वारा डिज़िटल एनहेंसमेंट
- प्रकृति, स्मारक आदि की तस्वीरें लेने हेतु भ्रमण यात्रा एवं विरासत वाक
- फोटो प्रदर्शनी
- फोटोग्राफी ट्रेनिंग
- व्यस्कों हेतु कार्यक्रम

प्रदर्शन कला

प्रदर्शन कला अनुभाग की विभिन्न गतिविधियाँ बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के द्वारा अपनी कल्पना का विकास करने तथा उसे साकार रूप देने और अपनी प्रतिभा को पहचानने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस विभाग में बच्चे नाटक, नृत्य, संगीत, वाद्य संगीत आदि कई प्रकार की सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखते हैं। बच्चे अपने परंपरागत लोक संगीत एवं नृत्य की विभिन्न शैलियों के विषय में जानकारी व ज्ञान भी इस अनुभाग में प्राप्त करते हैं।

प्रदर्शन कला गतिविधि विभाग में निम्न उप-अनुभाग हैं –

- कंठ संगीत (शास्त्रीय एवं लोक)
- वाद्य संगीत - सितार (तबला एवं हारमोनियम में)
- शास्त्रीय नृत्य (कत्थक, भरतनाट्यम)
- लोकनृत्य
- नाट्यकला

शारीरिक शिक्षा

खेल और शारीरिक गतिविधियाँ सभी आयु के बच्चों को प्रिय हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के शारीरिक शिक्षा अनुभाग बच्चों के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध कराता है जैसे :- टेबल-टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल व जूडो और स्केटिंग सिखाई जाती हैं। व्यायाम एवं शरीर को सुडौल बनाने के लिए इस विभाग के पास अपना जिम्नेज़ियम भी है। बच्चे प्रशिक्षकों की देखरेख में न केवल विभिन्न प्रकार के खेलों की जानकारी प्राप्त करते हैं, बल्कि उन्हें अपनी रचनात्मकता बढ़ाने और रचनात्मक खेलों को बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इस विभाग द्वारा आयोजित जूडो एक ऐसी गतिविधि है जिसके कारण इस संस्थान को बहुत सम्मान मिला है। राष्ट्रीय बाल भवन को ऐसे बच्चों को प्रशिक्षित करने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता पाई है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंर्तविद्यालय जूडो टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं के बच्चे भाग लेते हैं और उसका आनन्द उठाते हैं।

स्केटिंग रिंक भी बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय है और संभवत: यह दिल्ली की सर्वोत्तम स्केटिंग रिंकों में से एक है। शारीरिक शिक्षा विभाग, अंतरविद्यालयी क्रिकेट और फुटबॉल प्रतियोगितायें भी यहां आयोजित करता है, जिनमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेते हैं और इसका आनंद लेते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के खेल के मैदान और शारीरिक शिक्षा विभाग की अन्य सुविधाएँ बाल भवन के सदस्य विद्यालयों को भी उपलब्ध कराई जाती हैं। यह विभाग विभिन्न प्रकार की साहसिक यात्राएँ ट्रैक और फील्ड ट्रिप आदि भी आयोजित करता है। हाल में ही निशानेबाजी एवं कैरम की गतिविधि भी आरंभ की गई है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- इन्डोर व आउटडोर खेल (टेबल टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट, बॉस्केट बॉल, निशानेबाजी, चैस, कैरम)
- जूडो
- स्केटिंग
- व्यायामशाला (आंतरिक एवं बाह्य)

गृह प्रबंधन

गृह प्रबंधन विभाग में बच्चों को अच्छी और सुचारू गृह व्यवस्था के विभिन्न आयामों/पक्षों से परिचित कराया जाता है। यहाँ बच्चे विभिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थों की नई-नई विधियाँ बनाना सीखते हैं। स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और लाभकारी भोजन बनाना सीखते हैं और बनाते हैं जिससे बच्चे खाना बनाने में आत्मनिर्भर बनते हैं। बच्चों को रसोई का बजट बनाना और उसमें आने वाले खर्च का आंकलन करना भी सिखाया जाता है। बच्चों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, साफ़-सफ़ाई के बारे में नियमित रूप से चर्चाएँ की जाती हैं। उनके लिए भोजन अनुरक्षण की प्रयोगात्मक कक्षाएँ भी आयोजित की जाती हैं जो उनके लिए लाभकारी होती हैं। गृह-प्रबंध अनुभाग द्वारा पुष्पसज्जा (इकेबाना), बेकरी आदि की विभिन्न कार्यशालाएँ भी संचालित की जाती हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार है –

- गृह-प्रबंधन
- पाक-कला, बेकिंग
- भोजन-परिरक्षण
- पुष्प-सज्जा

संग्रहालय तकनीक

राष्ट्रीय बाल भवन का राष्ट्रीय बाल संग्रहालय विभिन्न अवसरों पर थीम आधारित प्रदर्शनियाँ लगाकर बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करता है। इस बाल संग्रहालय में कुछ स्थायी प्रदर्शनी की दीर्घाएं हैं, जिन्हें देखने के लिए प्रतिदिन हज़ारों बच्चे आते हैं और ये प्रदर्शनियाँ स्कूली शिक्षण पद्धति की अनुपूरक और प्रतिपूरक भी हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की एक गतिविधि है "संग्रहालय तकनीक क्लब", जिसमें मिट्टी के मोल्ड से सांचा बनाने तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा "कास्ट" (प्रतिकृति) बनाने की साधारण तकनीक से लेकर "पीस मोल्ड" बनाने जैसे जटिल कार्य भी सिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग में बच्चों को माउंटिंग, आलेख-लेखन एवं प्रदर्शनी लगाने की तकनीक इत्यादि से भी अवगत कराया जाता है। बच्चों को यहाँ इस प्रकार के अनुभव कराए जाते हैं, जिनसे उनके प्रकृति, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान का विस्तार होता है।

विषयगत और पाठ्यक्रम पर आधारित कार्यशालाओं द्वारा बच्चों को अपने देश की प्राचीन सभ्यता, अपने इतिहास, उसकी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से अवगत कराया जाता है, जिनमें बच्चों को उत्खनन-स्थलों पर ले जाकर प्रत्यक्ष अनुभव कराया जाता है। इस प्रकार का प्रत्यक्ष अनुभव उनके ज्ञान का विस्तार करता है। बच्चों के लिए विशेष कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं और बच्चों को अनुभव देने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों पर भी ले जाया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- सांचा बनाना एवं ढलाई
- संग्रहालय की वस्तुओं का परिरक्षण एवं संरक्षण
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार-विनिमय
- प्रदर्शनी डिज़ाईन करना
- फील्ड कार्य

प्रकाशन-संबंधी गतिविधियाँ

प्रकाशन संबंधी कार्यकलाप ग्रीष्मसत्र में चलाये जाने वाला एक अद्वितीय कार्यकलाप है, जिसमें बच्चों को उनकी अपनी पत्रिका, न्यूज़ लैटर, सुलक्ष्य तथा ग्रीष्मसत्र के दौरान निकाले जाने वाले बच्चों के विशेष समाचारपत्र अक्कड़-बक्कड़ टाइम्स के संपादन, चित्रांकन तथा निर्माण करने का अवसर मिलता है। इस गतिविधि द्वारा बच्चे न केवल अखबार और पत्रिकाओं के निर्माण में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों से परिचित होते हैं बल्कि उनमें सृजनशीलता एवं आत्मविश्वास का भी विकास होता है। बच्चों को विभिन्न प्रकाशन गृहों तथा समाचार चैनलों के कार्यालयों में भी ले जाया जाता है। इसके अतिरिक्त यह विभाग विभिन्न विषयों जैसे पुस्तक चित्रांकन, पुस्तक निर्माण, विज्ञापन तैयार करना तथा डिज़ाईन बनाना आदि पर कार्यशालाएँ भी आयोजित करता है, ताकि बच्चे प्रकाशन के विभिन्न पक्षों को जानें व समझ सकें।

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय, राष्ट्रीय बाल भवन का एक अभिन्न अंग है और इसे बड़े होते बच्चे की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उसके अपने आसपास की दुनिया को देखने के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। संग्रहालय में बच्चों को आकर्षित करने वाली वस्तुओं का बड़ा संग्रह है, जिसमें कई देशों के खिलौने, गुड़ियाएँ, पत्थर एवं पीतल से बनी कृतियाँ, पारंपरिक आभूषण, बर्तन, कला एवं शिल्प कृतियाँ, वाद्ययंत्र, सिर की पगड़ियों के प्रदर्शन के साथ वायुयानों, सेटेलाइटों तथा ऐतिहासिक भवनों आदि की जानकारी भी एकत्रित है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय देश में अपनी तरह की एक ही संस्था है जिसे राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय इस तथ्य का समर्थन करता है कि बाल संग्रहालय बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें विकसित करने का महत्वपूर्ण साधन है।

संग्रहालय अलग-अलग दीर्घाओं में दो प्रकार की प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत करता है (i) स्थायी प्रदर्शनी (ii) अस्थायी प्रदर्शनी। संग्रहालय की एक दीर्घा को विशिष्ट रूप से केवल अस्थायी प्रदर्शनियों के लिए रखा गया है जहाँ समय-समय पर किसी विशिष्ट विषय से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाती रहती हैं। स्थायी प्रदर्शनियाँ भी संग्रहालय का विशेष आकर्षण है - इनमें प्रमुख हैं - **हमारा भारत** (8500 वर्ग फीट के दायरे में फैली यह प्रदर्शनी भारतीय जीवन, इसकी जीवन्त संस्कृति, समृद्ध कला एवं शिल्प, धर्मों एवं रीति-रिवाजों की विविधता तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति आदि का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत करती है।), **गौरव गाथा** (1855 वर्ग फीट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में भारत के गौरवमयी अतीत, इसकी संस्कृति युद्धों को दर्शाने वाली मनमोहक कृतियाँ गुड्डे-गुडियों के माध्यम से क्रम से सजाई गई है।) **सूर्य** (8000 वर्ग फीट से भी अधिक क्षेत्र में 'सूर्य' नाम से लगाई गई इस प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति में 'सूर्य' के महत्व के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं जैसे मिस्र, मेसोयोटामिया, चीन, ग्रीक आदि में भी सूर्य के स्थान और महत्व को दर्शाती है। सूर्य की उत्पत्ति अर्थात् सौरपरिवार और पृथ्वी आदि भी दिखाई गई है अर्थात् सूर्य का चित्रण पौराणिक तथा वैज्ञानिक, दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है।) तथा **पारंपरिक कला एवं शिल्प : भावी पीढ़ी हेतु खजाना** (1700 वर्ग फुट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध कलाकारों की कलाकृतियों के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं) ये सभी प्रदर्शनियाँ जन सामान्य हेतु खुली हैं।

कोविड-19 के तहत दिशानिर्देशों के आधार पर वर्ष 2020-2021 के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन में संगठन बच्चों और आगतुंकों का प्रवेश बंद किया गया।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र

इस अनुभाग का उद्देश्य सृजनात्मक कला, निष्पादन कला तथा विज्ञान आदानों के साथ समन्वित प्रशिक्षण प्रदान करना है। शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, पुस्तकालय गतिविधियों को प्रशिक्षण हेतु अतिरिक्त आदानों के रूप में शामिल करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। इस अनुभूति की दिशा में प्रशिक्षण को गति प्रदान की जा रही है कि बच्चे के काम को पहचान दी जाए, भले ही बड़ों की दृष्टि में वह कितना नगण्य व सतही लगे, बच्चों की संरक्षण भावना और सृजन की पहल के लिए यह महत्त्वपूर्ण है।

बाल भवन में प्रयुक्त विभिन्न माध्यम एवं पद्धतियों के जरिए अध्यापकगण बच्चों को स्वयंमेव पहचानने उनकी निर्बाध कल्पना व प्रयोगों को प्रोत्साहन तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति, नवोन्मेष व मौलिक तत्व की सामर्थ्य एवं क्षमता विकसित करते हैं। वे विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने और वैज्ञानिक भावना के साथ सकारात्मक भावना आत्मसात करने के लिए सक्रिय माहौल बनाना भी सीखते हैं। कलाओं को शिक्षा एवं अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम बनाने में उनकी मदद के लिए ग्रामीण, अर्द्धग्रामीण तथा शहरी अध्यापकों के लिए व्याख्यान एवं कार्य प्रदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

कोविड-19 के तहत दिशानिर्देशों के आधार पर वर्ष 2020-2021 के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन में संगठन बच्चों और आगतुंकों का प्रवेश बंद किया गया।

हमारे कार्यक्रम

देशभर में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए कार्य करने वाली शीर्षस्थ संस्थाओं में से एक संस्था राष्ट्रीय बाल भवन है। राष्ट्रीय बाल भवन इस तथ्य को सामने रखकर कार्य करता है कि भारत में करोड़ों बच्चे ऐसे घर-परिवार से हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते हैं और जिनके माता-पिता उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं कर पाते। इन सबको देखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन अपने सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए बाल भवन आंदोलन को देश के कोने-कोने में फैलाने में प्रयासरत है।

राष्ट्रीय बाल भवन आज अपने 127 संबद्ध राज्य बाल भवनों एवं 14 बाल भवन केन्द्रों तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली में चल रहे 49 बाल भवन केन्द्रों के माध्यम से लाखों बच्चों तक पहुँचकर एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यह संस्थाएँ उन बाल भवनों/निजी संस्थाओं में खुले हुए हैं जो दूरदराज के क्षेत्रें में विभिन्न गैरसरकारी संगठनों के सहयोग से काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों संबंधी कार्यकलाप केवल अपने देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय बाल भवन संसार के दूसरे क्षेत्रों में रह रहे बच्चों को भी सांस्कृतिक आदान-प्रदान वाले कार्यक्रमों के माध्यम से अपना दर्शन उन तक पहुँचाने का प्रयास करता है। अत: राष्ट्रीय बाल भवन शैक्षिक व मनोरंजक तथा सृजनात्मक गतिविधियों द्वारा बच्चों को शिक्षा देने की कोशिश करता है बल्कि विविध स्थानीय, मंडल स्तरीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के द्वारा अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचने का एक संसाधन केंद्र है।

स्थानीय स्तर के कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन कई नवीन कार्यक्रमों के अतिरिक्त नियमित कार्यकलापों को भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न कार्यशालाएँ, सेमिनार एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं। इन सब कार्यकलापों का उद्देश्य बच्चों को बहुआयामी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर देकर उनके अनुभव को बढ़ाना है। ये कार्यकलाप एक ओर उन्हें देश की राष्ट्रीय विरासत, परंपराओं, संस्कृति, कला, शिल्प, साहित्य तथा वैज्ञानिक प्रगति से अवगत कराते हैं तो दूसरी ओर बच्चों के क्षितिज का भी विस्तार करते हैं।

विस्तृत रिपोर्ट

कोविड-19 काल में गृह मंत्रालय द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का पालन किया गया।

सभी साप्ताहिक योजनाएं और वीडियो लिंक वेबसाइट nationalbalbhavan.nic.in पर उपलब्ध हैं। सभी गतिविधि प्रशिक्षकों ने साप्ताहिक योजनाएं प्रस्तुत कीं हैं जो यू-टयूब, फेस बुक और राष्ट्रीय बाल भवन वेबसाइट पर अपलोड किए गए। सदस्य बच्चों ने भी व्हाट्स ऐप या मौखिक कॉल पर प्रशिक्षकों के साथ बातचीत की।

गृहमंत्रालय दिशानिर्देशों के आधार पर समक्ष प्राधिकारी से प्राप्त निर्देशों के अनुसार - सभी कर्मचारियों को कोविड-19 को रोकने और फैलने से रोकने के लिए नियमों का पालन करने के निर्दश दिए गए थे, जिनका कर्मचारियों द्वारा पालन किया गया।

राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन माण्डी और बाल भवन केन्द्रों के गतिविधि कर्मचारियों ने घरेलू निर्देशों से काम किया।

लॉकडाउन 1.0 के दौरान (01 अप्रैल से 17 अप्रैल, 2020)

गतिविधियाँ अनुभागों को बंद कर दिया गया था और सभी गतिविधियाँ को, कर्मचारियों को राष्ट्रीय बाल भवन अधिकारियों द्वारा घर से काम करने और बच्चों के लिए आभासी रचनात्मक गतिविधियाँ करने के लिए सूचित किया गया था। कुछ कर्मचारियों ने बच्चों के लिए बहुत अच्छे वीडियो बनाए, कुछ ने बच्चों के साथ बातचीत की और कुछ ने लिखित सामग्री पोस्ट की। कुछ कर्मचारियों ने बच्चों के लिए रचनात्मक गतिविधियों को डिजाइन/सुझाव देने के निर्देश दिए। मछली घर और जीवजन्तु कॉर्नर, छायांकन, गृह प्रबन्धन, कम्प्यूटर आदि गतिविधि शिक्षकों ने व्हाट्सएप पर गतिविधियों और बच्चों के लिए फेस बुक पोस्ट किया।

लॉकडाउन 2.0 के दौरान (18 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2020)

सभी गतिविधि अनुभागों को निर्देश थे कि प्रत्येक प्रशिक्षक द्वारा एक साप्ताहिक योजना बनाई जाए और वेबसाइट पर अपलोड किया जाए। प्रशिक्षकों ने बच्चों के साथ ऑनलाइन वीडियो, पीपीटी, राइट-अप, इंटरेक्शन भी तैयार किये। वेबसाइट पर जूट प्रदर्शनी का एक वर्चुअल भ्रमण भी जोड़ा गया।

सभी कर्मचारियों को आरोग्यसेतु एप डाउनलोड करने और अनुभाग अधिकारी को जानकारी भेजने के लिए निर्देशित किया गया था।

मई, 2020

दिनाँक 1 मई, 2020 महामारी की अवधि के दौरान गतिविधि अनुभागों द्वारा, घर और साथ ही कार्यालय से प्रेरक वीडियो और शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों के प्रोत्साहन कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इन कार्यक्रमों की

वीडियो राष्ट्रीय बाल भवन यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए थे और फेसबुक पर भी सैकड़ों बच्चों और वयस्कों द्वारा देखे गए वीडियो अपलोड किए गए थे साथ ही प्रशिक्षकों ने वीडियो चैट पर कॉल के माध्यम से बच्चों के साथ सहयोग किया था। वैकल्पिक दिनों में 50% उपस्थिति पर कर्मचारियों की डयूटी का रोस्टर परिचालित किया गया है और उनका पालन किया गया। कर्मचारियों को सुरक्षित रहने और दूसरों को सुरक्षित रखने के लिए सभी अनिवार्य निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया गया जिससे राष्ट्रीय बाल भवन को नियमित छात्रों के साथ-साथ गैर-नियमित रूप से भी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

फोटोग्राफी/छायांकन अनुभाग द्वारा बच्चों को फोटोग्राफी कंपोजिशन के नियम, मजबूत केन्द्र (बिन्दु), फ्रेम की अगणी, लाइनें, डिवीज़न, तुलनात्मक कथन की जानकारी दी गई। फोटो संपादन, छवि का आकार और जेपीजी और अन्य स्वरूपों में परिवर्तित करें, रंग सुधार, डेटा का संग्रहण, फोटो बनाना, मोबाइल फोन कैमरे का उपयोग, फोटोग्राफी के लिए रचना के नियम, चित्र के लिए खिड़की के प्रकाश का उपयोग करना, उपलब्ध प्रकाश तालिका शीर्ष, उपलब्ध कृत्रिम प्रकाश का उपयोग करके उपलब्ध चीजों के साथ परावर्तक का उपयोग करना, शट्र स्पीड का उदाहरण, उदाहरणों का उदाहरण, चौराहों का अंतर-उदाहरण, फोटोग्राफी में तुलनात्मक कथन का उदाहरण, डाइविंग फ्रेम का उदाहरण आदि से समझाया गया।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा बच्चों को फल-सब्जियों द्वारा स्वान, मोर, बोट, फलों के लिए टोकरी और फूलों का गुलदस्ता, शेर, झोंपड़ी, जोकर फेस बनाना, माँ-बच्चा बनाना, हिरन इत्यादि बनाना सिखाया। प्रकृति के आधार पर हर प्रकार के जानवर, पक्षी, मानव चेहरे बनाना सिखाया। मछली, कछुआ, घोंघा आदि जैसे समुद्री जीवों पर आधारित मूर्तिकला बनाने की जानकारी दी गई।

पर्यावरण अनुभाग द्वारा बच्चों को न्यूटन डिस्क सफेद प्रकाश, मछली की अवधारणा, मछली के कुछ आंतरिक अंग का अध्ययन, पिनहोल कैमरा, प्रकाश का आयताकार सिद्धांत, कागज के साथ मानव कंकाल, स्पिनर - वैज्ञानिक खिलौना, फूड कैचर-बच्चे, विभिन्न जानवरों के भोजन की आदत की पहचान कराई गई, चार्ल्स लॉ-बच्चे हवा के दवाब और तापमान के बीच संबंध को समझाया। तेल और साबुन की क्रिया का निरीक्षण की जानकारी दी गई। ऑस्मोसिस को बच्चे को समझाया। बच्चों को सूर्य घड़ी के बारे में बताया गया। स्पेक्ट्रोस्कोप, स्पेक्ट्रम, मोलस्क के बारे में अध्ययन कराया गया। बच्चों को चन्द्रकलाओं के बारे में बताया गया। वे स्वयं से इसको देखने के लिए गतिविधि करेंगे। बच्चों ने स्वयं डायनासोर के बारे में जाना एवं विभिन्न प्रकार के डायनासोर बनाकर अपना जूरासिक पार्क तैयार किया। ब्रेन केप, सूचक के रूप में हल्दी, विजिवल तैयार किया, वायु और अंतरिक्ष सम्बंध, चुम्बक आदि के बारे में बताया गया।।

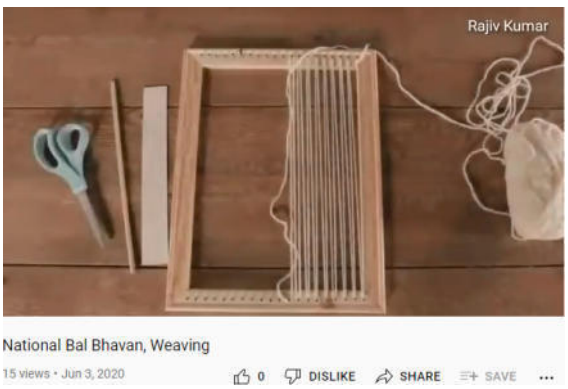

बुनाई अनुभाग द्वारा बच्चों को हथकरघा मशीन के पार्टस बुनना, हथकरघा मशीन का संचालन, भारतीय चरखा, गाँठों वाला कालीन कैसे बनाएं, कागज रखने की टोकरी की गतिविधि की जानकारी दी गई। पश्मीना बुनाई-जम्मू एवं कश्मीर, कांजीवरम बुनाई, तमिलनाडू पटोला बुनाई, गुजरात टैंट बुनाई, बंगाल महेश्वरी बुनाई, चन्देरी बुनाई मध्य प्रदेश, बनारासी साड़ी के बेकार कपड़ों से गलीचा, फ्रेंडशिप बैण्ड बनाना सिखाया। अखबार से टोकरी बुनना, बांस की लकड़ी से टोकरी बुनने की जानकारी दी गई। गन्ना/ईख से टोकरी, हाथ का पंखा, ब्रेसलेट, वॉल हैंगिंग, पेन स्टैंड इत्यादि बुनने की जानकारी दी गई।

गृह प्रबंधन अनुभाग द्वारा मूंगफली की बर्फी, मौसम के अनुसार वेजपुलाव, राजस्थानी मंगोड़ी की सब्जी, मसूर पाव, क्रिस्पी हेल्दी आटा के मेथी या नमकपारे आदि बनाना सिखाया गया। रायता बूंदी, गैस पर भुने बैंगन का भरता, खोए के बिना लौकी की बर्फी, रबड़ी, मसाला पनीर आदि बनाना सिखाया गया। चॉकलेट चिस कुकीज, ढोकला, खाण्डवी, वेज मैक्रोनी रोल एवं छेना मुर्गी बनाने की जानकारी दी गई।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा प्रतिदिन 12 आसन, सूर्य नमस्कार, योग के लाभों का वर्णन, आयु के अनुसार आहार का वर्णन, वर्तमान मामलों पर चर्चा, शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में नए नियमों पर चर्चा और 10 आसन कराए गए, आसन कैसे किए जाते हैं बताया गया, आसन के लाभों पर चर्चा की गई। आसन में कितने निवारक उपाय हैं। बच्चों को कम से कम एक घण्टा व्यायाम करना चाहिए। प्लैंक, पुशअप, क्रंचेस, स्ट्रेचिंग, ब्रिज लाइट्स, बैक स्ट्रेच। शेखी और ड्रिबलिंग, अंडर आर्म थ्रो, ऑवर आर्म थ्रो, चैस्ट पासिंग और कैचिंग। प्रतिदिन सूर्या नमस्कार, सामान्य रूप से पांच दिन प्रतिदिन 5 मिनट करें, व्यायाम मजबूत करने के बारे में 20 मिनट चर्चा की गई, हमारे शरीर में मौलिक आंदोलन का वर्णन किया गया। पूरे शरीर के मूल आंदोलन का वर्णन किया गया।

चित्रकला अनुभाग द्वारा पैंसिल से ड्राईंग बनाना और रंग भरना - आयु वर्ग 5 से 10 वर्ष, ऑयल पेस्टल रंग की तकनीक - आयु वर्ग 5 से 10 वर्ष, जैमिनी राय शैली की चित्रकला - आयु वर्ग 10 से 15 वर्ष, टेराकोटा, पॉट पेंटिंग - आयु वर्ग 10 से 15 वर्ष, मास्क पेंटिंग बनाना - आयु वर्ग 10 से 15 वर्ष को सिखाया गया। फल ड्राविंग रंग द्वारा (5-10 आयु वर्ग), सब्जी ड्राविंग रंग द्वारा (5-10 आयु वर्ग), टी-शर्ट पेंटिंग (10-15 आयु वर्ग), बुक मार्क बनाने की कला (10-15 आयु वर्ग), पानी का रंग, अभी भी जीवन है। कलर पेंसिल द्वारा ड्राविंग(5-10 आयु वर्ग), पोस्टर रंग तकनीक (5-10 आयु वर्ग), एक्रिलिक चित्रकारी (10-15 आयु वर्ग), डूडल आर्ट (आयु वर्ग 10-15), सॉफ्ट पेस्टल चित्रकारी (10-15 आयु वर्ग) के बच्चों को सिखाई गई।

मिले-जुले अनुभाग द्वारा बच्चों को अखबार से फोटो फ्रेम बनाना, अखबार से ज़िराफ बनाना, अखबार से पैंसिल, टोकरी, स्टैंड बनाना, कार्ड बोर्ड से बिल्ली बनाना, कागज से कछुआ, गुड़िया बनाना, रंगीन पेपरों से मोर बनाना, झोंपड़ी बनाना आदि सिखाया गया। रंगीन पेपर द्वारा पक्षी, फूल, मास्क, पंखा, वॉल हैंगिंग बनाना। कोन वाली गुड़िया बनाना, अखबार से सितारे बनाना, सरकल से पक्षी की पेंटिंग, पेपर से मास्क बनाना, बैलेसिंग वॉल हैगिंग बनाना।

नाटक अनुभाग द्वारा बच्चों को शरीर को स्फूर्ति प्रदान करने हेतु कूदने का मनोरंजक खेल, हारमोनियम के संगीत पर आवाज का नियंत्रण (उतार-चढ़ाव), विषय के अनुसार स्थिर चित्रण एवं नाटक, अभिनय सिद्धांत, भरतमुनि का इतिहास, माइम पर आगे की कार्यवाही एवं आँखों द्वारा अभिनय एवं व्यायाम। बॉडी मूवमेंट, फन गेम (छोटा और बड़ा इशारा), कई चीजों के अनुसार साइलेंट अभिनय, पेंट खेल आंदोलन नाम के साथ इंगित करना। अभिनय और "रोसा" सिद्धांत, दर्पण अधिनियम व्यायाम, कई टीम के अनुसार समूह रचना, आंदोलन और संवाद के साथ चीनी कानाफूसी, रंगमंच की सामग्री के साथ कार्य करना आदि का अभ्यास कराया गया।

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा बच्चों को पृथ्वी का घूमना, प्रयोगात्मक विधि से चंद्रमा एवं इसके विभिन्न चरणों को समझना, सूर्य एवं चन्द्र ग्रहण, ग्लोब की ऊंचाई एवं लंबाई सिद्धांत इत्यादि की जानकारी दी गई। टेलिस्कोप बनाने का अभ्यास, सूर्य ग्रहण के बारे में तथ्य, ब्रह्माण्ड के बारे में तथ्य, गुरूत्वाकर्षण के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों को द ब्लैक होल हमारा सबसे बड़ा स्टार – सूर्य, यूनिवर्स प्रैक्टिकल के बारे में सूर्य वास्तविक तथ्य, पेपर फ्लाइब, रॉकेट मेकिंग हेलस्कोप आदि का अभ्यास कराया गया।

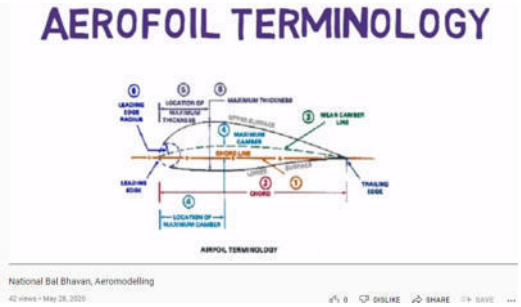

ऍअरो मॉडलिंग अनुभाग द्वारा बच्चों को ऍयर फोयल आकृति, हवा एवं इसके प्रकार, विभिन्न प्रकार की ऍअरो मॉडलिंग, विभिन्न प्रकार के कागज, ऍअरो मॉडलिंग एवं चक ग्लाइडर, नियंत्रण रेखा ऍअरो मॉडलिंग, रेडियो नियंत्रित ऍअरो मॉडलिंग की जानकारी, रेडियो नियंत्रित ग्लाइडर ऍअरो मॉडलिंग की जानकारी, ट्रॉ लाईन ऍअरो मॉडलिंग की जानकारी, ड्रोन की जानकारी, पैराशूट पेपर मॉडल की जानकारी, पेपर फ्लाईंग रॉकेट बनाने की जानकारी, मुफ्त उड़ान की जानकारी, रबर मॉडल की जानकारी, स्थिर ऍअरो मॉडलिंग की जानकारी दी गई। पैराशूट पेपर कैसे बनाएं, कागज से उड़ने वाला रॉकेट कैसे बनाएं, कागज से जेट विमान कैसे बनाएं, पेपर हवाई जहाज कैसे बनाएं, दूर तक उड़ाने वाले सुखोई एसयू-35 पेपर विमान कैसे बनाएं आदि की जानकारी दी गई।

हस्तकला अनुभाग द्वारा बच्चों को पिस्ता के छिलकों से फूल बनाना सिखाया। प्लास्टिक बोतल द्वारा ज्वैलरी बनाना, बेकार अण्डे द्वारा ट्रे, वॉल हैगिंग बनाना, अखबार द्वारा विभिन्न क्राफ्ट बनाना, कोलाज बनाना सिखाया गया। पुराने अखबार से प्रत्येक दिन विभिन प्रकार से कानों के कुण्डल/बाली/झुमके सिखाने की जानकारी दी गई। पेड़, हिरण, कठपुतली, रचना, डिजाइन आदि बनाना सिखाया गया।

सिलाई अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न बेकार साड़ियों का उपयोग करके एक साड़ी बनाने का तरीका, कुछ कढ़ाई के टांके और उनका उपयोग, एक बन्नी एवं एक टेड्डी (तौलिया बाँधकर) बनाना सिखाया, बेकार जींस का उपयोग करके एप्रेन बनाना सिखाया। विभिन्न प्रकार की सिलाई मशीन की सुईयों के उपयोग की जानकारी दी गई। कपड़े के फूल बनाने की जानकारी दी गई, कपड़े से पक्षी बनाना सिखाया गया। बेकार की चीजों से ड्रीम कैचर बनाना सिखाया, बच्चों को फुलकारी नाम की कढ़ाई-सिलाई की जानकारी, सिलाई मशीन के रख-रखाव के बारे में कुछ सुझाव भी बताए गए। कढ़ाई के विभिन्न प्रकार के टांके और उनके उपयोग बताए गए। कैसे एक नकली कठपुतली बनाने के लिए कढ़ाई का उपयोग करके कपड़े को मोड़ने और मरम्मत करने का तरीका बताया गया। हाथ से पिको करना, फैबरिक वुड वर्क बनाना, धागे से कान के बुंदे बनाना, बटनों को सीलना सिखाया जिससे वह देखने में एक फूल की तरह लगें। बच्चों ने पारंपरिक कढ़ाई कांथा स्टिच हाथ से बनाना भी सीखा।

काष्ठ कला अनुभाग द्वारा बच्चों को आइस्क्रीम स्टिक द्वारा बुक मार्क बनाना, पेड़ बनाना, पेंटिंग बनाना, फाइटर प्लेन बनाना, फोटो फ्रेम बनाना, पैन स्टैण्ड बनाने की जानकारी के साथ-साथ सभी गतिविधियाँ कराई गई। लकड़ी की बुरादे से पेड़ बनाना, फूल बनाना, झाड़ू की सींक द्वारा पेंटिंग

बनाने का अभ्यास कराया गया। झाड़ू की सींक द्वारा पेड़ बनाना, फूल बनाना, चाबी से अंगूठी बनाना, पेन बनाना सिखाया गया साथ ही सभी गतिविधियों का अभ्यास भी कराया गया।

सितार अनुभाग द्वारा बच्चों को बताया गया कि सितार बजाते समय किस प्रकार सही स्थिति में सितार को रखना है और सितार के विभिन्न भागों को पेश करना है। सितार के बुनियादी अभ्यास, सितार पर मींड एवं गमक का अभ्यास, आरोह, अवरोह और पकड़, राग कलियों की पकड़, राग शैलियों में बंदिश और तान, सितार के बुनियादी ज्ञान के बारे में चर्चा, विभिन्न थाटों पर सितार की संक्षिप्त चर्चा, ताल के सितार के बुनियादी ज्ञान में ज़मज़मा के कृन्तन पाठ के कुछ अन्य पाठ-रविशंकर, उस्ताद विलायत खान, निखिल बनर्जी आदि के बारे में जानकारी दी गई।

तबला अनुभाग के प्रशिक्षकों ने बच्चों को निष्पादन कलाओं उनके प्रकार एवं संगीत के विषय में जानकारी दी। संगीत, लय, ताल, छंद, मात्रा, विभागसम् ताली, खाली, कायदा, पलटा, लग्गी इत्यादि के बारे में बताया। तबले के संक्षिप्त इतिहास, इसका निर्माण तथा कलाकारों के विषय में परिचित करवाया। तबला रखना, तबले की बैठक तथा तबले पर उंगलियों को सही ढंग से रखना सिखाया, तबले के विभिन्न भागों दायां, डग्गा, किनारा, लौ, स्याही, मैदान, गुडरी, गिट्टे, बद्दी एवं गजरा के विषय में परिचित कराया। तबले के प्रारंभिक बोल जैसे :- गे, धे, ना, ता, धा, इत्यादि बजाना सिखाया। बच्चों को क्रमशः, अंगुष्ठा, तर्जनी, मध्यमा, अनामिका एवं कनिष्ठा इन सभी उंगलियों के प्रयोग की जानकारी दी गई। बच्चों को अभ्यास के प्रारंभिक पल्टे जैसे :- धे, धे, ना, ना, धा इत्यादि सिखाया गया। बच्चों को कुछ कठिन बोल जैसे :- तिरकिट, कल, कन्ता, तूना इत्यादि का प्रारंभिक अभ्यास कराया। बोलों का अच्छा अभ्यास होने के पश्चात ताल बनाना आरंभ करना चाहिए बताया, तबले में सबसे पहली एवं सबसे प्रमुख बात है तीन ताल। बच्चों को तीन ताल इत्यादि की जानकारी दी गई।

लोक नृत्य अनुभाग के प्रशिक्षकों ने बच्चों को फिशर लोक नृत्य से अवगत कराया गया। तत्पश्चात् फिशर लोक नृत्य में हाथ की गति, पाद संचालन एवं प्रथम आधा भाग को सिखाया।

भरतनाट्यम अनुभाग के प्रशिक्षकों ने बच्चों को पक्का अडवू हाथ और पैर के साथ पक्का अडवू के साथ रूकमणि देवी अरूंडेल का भरतनाट्यम में योगदान चांद और सूरज पहनने का ज्ञान तथा अलारिपू के पहले आधे भाग का अभ्यास कराया। बच्चों को 5 से 8 टट्टा अवडू, 1 से 4 नट्टा अडवू हाथ के साथ गति, 10वाँ स्कल हाथ के इशारे, 1 से 4 डबल हाथ के इशारे, पुराने नृत्यों का संशोधन, प्रथम तथा द्वितीय पक्क अडवु के हस्त संचालन को सीखना तथा सीखी हुई 20 अस्युक्त मुद्राओं का अभ्यास, पहले किए हुए अडवुओं तत्त तथा नट्ट का अभ्यास तथा भरतनाट्यम के विभिन्न गुरूओं का ज्ञान, तृतीय तथा चतुर्थ पक्क अडवु के हस्त संचालन को सीखना, नटेश कउतुवम का द्वितीय भाग सीखना तथा सीखे हुए अडवु कुदित्त मेट्टू का अभ्यास, बची अस्यूक्त मुद्राओं को सीखना तथा इस सप्ताह सीखे हुए सभी हस्त संचालनों का पद संचालनों के साथ अभ्यास कराया गया।

कंठ संगीत अनुभाग के प्रशिक्षकों ने बच्चों को वार्ली लोक संगीत का परिचय-सूचना का उपयोग से किस प्रकार की भाषा में करते हैं, वे किस तरह के उपकरणों का उपयोग करते हैं, नेपाली गीत, राजस्थानी लोग गीत, राजस्थानी लोक संगीत का संक्षिप्त विवरण, वाद्य यंत्रों का उपयोग, संक्षिप्त विवरण लांगा मंगनियार के बारे में जानकारी दी।

रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक अनुभाग के प्रशिक्षकों ने बच्चों को साधारण डी. सी. मोटर, इलैक्ट्रॉनिक, ट्रांसफर, वाक्यूम क्लीनर, डी, सी, मोटर के साथ बोतल एनर्जी जेनरेटर का उपयोग, घर में बनाएं - एअर कूलर, मॉडल ऑफ विंड टरबाइन, सिम्पल टच सेंसर, रेन अलार्म, होमोपोलर मोटर की जानकारी दी गई।

पुस्तकालय अनुभाग के प्रशिक्षकों ने बच्चों के लिए लॉकडाउन के बाद जीवन में होने वाले बदलावों के बारे में लेख लिखें। बच्चों से कोरोना स्थिति पर आधारित कहानियां बनवाई गईं। कोरोना कोविड-19 विषय पर निबंध : समाज पर इसका प्रभाव, हमारी जीवन शैली और समाज पर कोरोना प्रभावों के बारे में हास्यपूर्ण तरीके से एक कविता, जागरूकता फैलाने और कोविड-19 से बचाव के लिए नारे लिखवाए गए।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा "मनाएँ विश्व विरासत दिवस" कार्यक्रम के अंतर्गत हमारी धरती एवं हमारे प्राकृतिक संसाधन के महत्व को सृजनात्मक गतिविधियों द्वारा बच्चों को बताया गया। नैतिक मूल्यों पर आधारित कहानी सत्र एवं कलात्मक गतिविधि के अतिरिक्त "हमारा परिधान" कार्यक्रम में बच्चों को हमारे पहनावे की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को त्यौहार एवं परंपराओं से जोड़कर अवगत कराया गया साथ ही ताना-बाना गतिविधि भी कराई गई। "मानवजाति और कृषि" का मानव जीवन में महत्व, कृषि संबंधित त्यौहार, खाद्य उत्पादन के तौर तरीके, खेती व उसके उपकरण, पशुपालन आदि को गतिविधियों द्वारा समझाया गया। "चलें अतीत में - सिंधु घाटी सभ्यता" कार्यक्रम में सिंधु सभ्यता के शहर, अर्किटेक्चर, टाउनप्लांनिंग कला, संस्कृति, खान-पान, परिवहन, प्रणाली आदि के बारे में गतिविधियों द्वारा अनुसरण कराया गया। "आओ खेल-खेल में जानें पौधों को" कार्यक्रम में पौधों का जीवन चक्र, हरबेरियम बनाना, पेड़-पौधों के बारे में रोचक तथ्यों से अवगत कराया एवं कलात्मक गतिविधियाँ कराई गई। बच्चों को कला शिल्प प्रदर्शन देती हैं, जो उस सभ्यता के दौरान एक नाटक के तरीके से प्रचलित हुआ है। बच्चों को कृषि और खाद्य के बारे में जागरूक कराया गया। बच्चों को उनकी संस्कृति जैसे - धर्म, लेखन प्रणाली, दफन प्रणाली, व्यापार और परिवहन का जोखिम इत्यादि की जानकारी दी गई। आवश्यकता और भोजन प्राप्त करने के तरीकों के बारे में संग्रहालय परिचय देते हुए गतिविधि कराई गयी। बच्चों को मौसम अनुसार उठाए जाने वाली फसलों की जानकारी दी गई। खेती, इसके प्रकार और उपयोग किए जाने वाले उपकरणों के बारे में बच्चों को जानकारी दी। हमारे देश में पशुपालन और इसके महत्व के बारे में जागरूक किया, बच्चों को सम्बंधित रोचक तथ्यों के साथ भारत में फसलों एवं त्यौहारों के बारे में बताया, पौधों और उनके भागों के कार्यों के बारे में परिचय, एक रोचक गतिविधि का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को विभिन्न प्रकार के पौधे खाना कैसे बनाते हैं, की जानकारी दी गई। बच्चों को हार्बेरियम तकनीक से अवगत कराया गया।

संगणक अनुभाग द्वारा बच्चों को माइक्रोसोफ्ट का बेसिक, एमएस एक्सल का बेसिक, माइक्रोसोफ्ट पावर प्वाइंट का बेसिक, फोटोग्राफी का बेसिक, पेज मेकर का बेसिक आदि की जानकारी दी गई।

विश्व पर्यावरण दिवस

दिनाँक 5 जून, 2020 को राष्ट्रीय बाल भवन में विश्व पर्यावरण दिवस कोविड-19 के सुरक्षा के साथ मनाया गया रोस्टर के अनुसार कार्यालय में कर्मचारियों ने लगभग 200 पौधे लगाए। इस अवसर पर पर्यावरण अनुभाग द्वारा बच्चों के साथ जंगल प्रशासन पर एक पोस्टर साझा किया गया। बच्चों को पौधा रोपण, पोस्टर डिजाइनिंग, स्लोगन लेखन और पौधों की जानकारी जैसी गतिविधियाँ कराई गईं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

दिनाँक 21 जून, 2020 को राष्ट्रीय बाल भवन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कोविड-19 के सुरक्षा के साथ शारीरिक शिक्षा अनुभाग के प्रशिक्षकों ने रोस्टर के अनुसार कर्मचारियों को ध्यान और

योग अभ्यास कराया। इसी दिन सूर्यग्रहण भी देखा गया। इस दौरान खगोल विज्ञान और कैसे और क्यों अनुभाग द्वारा बच्चों को ग्रहण के बारे में जागरूक किया।

जून, 2020

कंठ संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को सरगम, अलंकार, ताल, लय, ताल के प्रकार, दादरा गीत, पर्यावरण पर आधारित गीत, लोक संगीत में इस्तेमाल की जाने वाली भाषाएं, मांड, झूला, कजरी, अलंकार के साथ-साथ स्वयं गाना बनाना सिखाया गया। कंठ संगीत के छात्रों ने कुछ गानों का विषय "बाल" बनाया, जिसमें 40 से अधिक बच्चों ने योगदान दिया।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा बच्चों को भरत थाट ताई ता हा, अडवो के पाद संचालन और हाथ के मूवमेंट, गर्दन और सिर के मूवमेंट, भरतनाट्यम में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न संगीत वाद्य यंत्रों का परिचय, पंचति नाडाई या थाटी मेट्टू एडटू, गणेश कोट्टुवन, नृत्य आदि सिखाया गया।

चित्रकला अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न चित्रों के साथ-साथ मारबल टेक्सचर पेंटिंग, सांझी आर्ट, पोस्टर कलर पेंटिंग, स्ट्रॉ पेंटिंग डेमोंस्ट्रेशन, कंघी अंगा कंगा, पेंटिंग प्रदर्शन, ग्लास पेंटिंग प्रदर्शन और भील आर्ट, ट्राइबल आर्ट जैसे वीडियो के माध्यम से कलाकृतियों को पेश किया।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा बच्चों को शेर, भालू, बंदर, जंगली हाथी, चीता, चील, बत्तख, मोर, तोता, कच्ची आम, गिलहरी, हिरण और आदमी, बिल्ली, हाथी तथा आदमी के साथ-साथ कुत्ते और पिल्ला बनाने का तरीका सिखाया गया। घर पर उपलब्ध सामग्री से विभिन्न कार्टून बनाने की कला का ज्ञान दिया गया।

बुनाई अनुभाग द्वारा बच्चों को जूट परिचय, जूट टोकरी बुनाई, जूट हैंडबैग बुनाई, जूट बॉक्स बुनाई, बुना जूट फूल की टोकरी, भारत में जनजातीय बुनाई का इतिहास, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़, नागालैंड और असम को कवर करने पर ट्यूटोरियल, बुना हुआ ग्रीटिंग कार्ड, बुना हुआ मैट स्टाइल, बुना हुआ दिल का आकार, बुने हुए नेट के पुष्प, ड्रेस ग्रीटिंग कार्ड, बुने हुए ब्रेसलेट, नेकलेस, हेयरबैंड, मोबाइल केस, हार्ट शेप, हेयर क्लिप और बुने हुए पेपर फिश इत्यादि बनाने की जानकारी दी।

काष्ठ कला अनुभाग द्वारा बच्चों को आइसक्रीम स्टिक से फूल बनाना, बेकार लकड़ी से पेंटिंग, लकड़ी के खिलौने, लकड़ी पर नक्काशी जड़ना, पेंटिंग बनाना, लकड़ी में डिजाइन, लकड़ी डस्ट पेंटिंग वीडियो के माध्यम से फ्रेम आदि बनाने की जानकारी दी गई।

हस्तकला अनुभाग द्वारा बच्चों को पेपर फिश, डॉग फेस, अम्ब्रेला, रोज, पेपर फ्रॉग, इयररिंग्स, डॉल, पेपर बास्केट, अखबार बैग, लिफाफा, ओरिगामी स्टार, बटरफ्लाई, वॉल हैंगिंग, इमोजी मैजिक कार्ड, ट्री कोलाज, वर्ली कोलाज बनाना, गणेश कोलाज, कार्डबोर्ड बॉक्स, हट हैंगिंग, एलीफैंट हैंगिंग और फूल आदि की वीडियो द्वारा जानकारी दी गई।

सिलाई अनुभाग द्वारा बच्चों को वीडियो के माध्यम से घर पर उपलब्ध सामग्री जैसे :- पुरानी कमीज से हाथ के दस्ताने, शीशे का काम, कांथा टांके, मिनी कॉइन

पाउच, मैक्रैम नॉट्स, फ्रेंडशिप बैंड, सैनिटाइजर बॉटल होल्डर, प्लास्टिक बेकार काउच पर टांके, ट्यूलिप फ्लावर आदि विभिन्न वस्तुओं का निर्माण करना सिखाया। इसके अतिरिक्त बच्चों को चिकनकारी या शैडो वर्क, फैब्रिक बॉ, हेयर बैंड, फिटेस फेस मास्क, सिंधी कढ़ाई, टैसल इयररिंग्स, फिंगर कठपुतली, पिनकुशन, पोटली बैग, वूल फ्लावर, एप्लिक या पैच वर्क, काशीदा और कंबल टांके बनाने सिखाएं।

छायांकन अनुभाग की अनिवार्यता के ऑनलाइन विडियो, फोटोग्राफी के विभिन्न विषयों पर ट्यूटोरियल जैसे पोट्रेट फोटोग्राफी, पक्षी फोटोग्राफी, फूलों की फोटोग्राफी, परिदृश्य और प्रकृति ओटोग्राफी बच्चों को दिखाई गई।

तारा मण्डल अनुभाग द्वारा बच्चों को यूनिवर्स, कैलिडोस्कोप बनाना, द अर्थ, लेयर्स ऑफ एटमॉस्फियर, चंद्रयान-2 का मॉडल-मेकिंग, इसरो, सिंपल पेरिस्कोप मेकिंग, आदित्य एल-1 (पार्ट-1 और 2), मून ऑफ फेज, इंडियाज रॉकेट जैसे विषयों पर वीडियो तैयार किए और दिखाए। इनके अतिरिक्त भी तैयार किए जा रहे हैं जैसे पीएसएलवी और जीएसएलवी, भारत का पहला उपग्रह-आर्यभट्ट, पहला रोहोनी उपग्रह-रोहोनी आरएस-1, उपग्रह इन्सैट-1ए, सूर्य ग्रहण, ग्रीष्म संक्रांति, चंद्रयान-1 मिशन, मंगल कक्षीय मिशन मंगलयान (भाग-1 और 2), आगामी मिशन गगनयान, बेटेलगेस सुपरनोवा 2022 आदि।

पर्यावरण अनुभाग द्वारा बच्चों को 13 वीडियो और 4 ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा कक्षाएं दीं। बच्चों को विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों के बारे में सिखाया जैसे :- चक्रवात और तूफान के गठन, प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन, आंखों का भ्रम, मोहर बनाना, पौधों में पानी का अवशोषण, बारिश के पानी की माप, चढ़ाई के खिलौने, विंड वेनहाउस यंत्र के बारे में सीखा जो हवा की प्रवाह की दिशा दिखाते हैं। 5 जून 2020 को बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चे विभिन्न वैज्ञानिक घटनाओं और विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों की कार्यप्रणाली को आसान तरीके से समझते हैं।

कंप्यूटर अनुभाग द्वारा बच्चों को पीडीएफ दस्तावेज, गूगल फॉर्म आदि बनाने की जानकारी दी।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा बच्चों के सामने चट्टानों, हमारी संस्कृतिक विरासत और पर्यावरण, कठपुतली की दुनिया और हमारे सूर्च पर पावर प्वाइंट की प्रस्तुतियां दीं।

जुलाई, 2020

कंठ संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार के गाने सिखाए गए जैसे - अभंग का परिचय, ताल, ठुमरी में भाव, दादरा, भजन के साथ अभंग इत्यादि के रूप में अच्छी तरह से गाने बनाने के लिए कंठ संगीत के छात्रों ने ऑनलाइन द्वारा अधिक से अधिक अभ्यास किया। बच्चों को अलग-अलग तरह के गाने सिखाए गए, जैसे - लोक गीत, सरगम गीत, कजरी(स्थाई), राग के सामान्य तान, कजरी का अंतरा, राग अल्हैया बिलावल, राग बिहाग की शुरूआत और साथ ही गाने बनाने का ऑनलाइन अभ्यास किया गया जिसमें 40 बच्चों ने भाग लिया।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा नृत्य, नृत्त और नाट्य, तत्त् अड्डवू का पाद संचालन सिखाया, पाइचाल अड्डवू, चार प्रकार के अभिनय, गणेशऊत्वम, नट्ट अड्डवू के पाद तथा हरत संचालन सिखाया गया। पुष्पांजलि, सरिकल अड्डवू, तई-तई तत्तता अड्डवू तथा भरतनाट्यम का परिचय, भरतनाट्यम मार्गम् तथा अनुक्रम को सिखाया गया एवं तीरमानम् अड्डवू, पताकाहस्त-विनियोग, त्रिपताक हस्त विनियोग और अर्धपताकहस्त विनियोग भी सिखाया गया।

लोकनृत्य अनुभाग द्वारा फिशर लोक नृत्य के फुटवर्क, नृत्य, राजस्थानी लोक नृत्य, लावणी के पैर और हाथ के मूवमेंट अलग-अलग सिखाए गए।

चित्रकला अनुभाग द्वारा विभिन्न चित्रों के साथ-साथ कला रूपों को वीडियो के माध्यम से पेश किया, जिससे चित्रकला अनुभाग के छात्रों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा बच्चों को आइसलैंड में मिट्टी के साथ-साथ घर में उपलब्ध सामग्री से जानवरों की देखभाल करने का तरीका सिखाया गया।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा "अतीत के उपहार" नामक कार्यक्रम में अमूर्त संस्कृतिक विरासत के विभिन्न अंग जैसे त्यौहार, रस्म रिवाज़, पारंपरिक कलाएँ, लोक नृत्य आदि एवं संग्रहालय द्वारा कैसे अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखा जा सकता है आदि को रचनात्मक तरीके से बताया गया "भारतीय पैसे (मुद्रा) की कहानी" में भारतीय मुद्रा का विकास, न्यूमिस में टिक्स आदि को संग्रहालय के नज़रिए से बताया गया। "मकान/घर एवं उनके डिज़ाइन" कार्यक्रम में प्राचीन काल से अब तक मकानों के डिज़ाइन बनाने के तरीके, वास्तुकला, संग्रहालय की इन धरोहरों को बचाने में भूमिका आदि। "आओ जानें संग्रहालयों को" में संग्रहालयों के प्रकार, एवं उनके महत्व को रोचक तरीके से बताया गया।

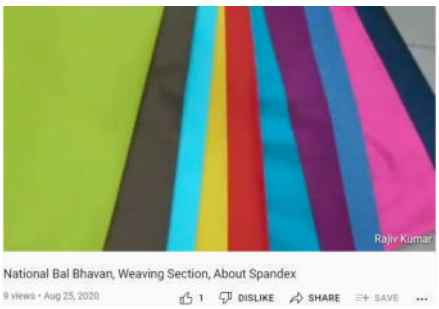

बुनाई अनुभाग द्वारा जारी रखने वाले ट्यूटोरियल, जैसे - विभिन्न विषयों पर आधारित सजावटी सामग्री, बुनी गेंद, बुना कागज का कछुआ, ऑप्टिकल भ्रम, कागज की बुनाई, जादू बुना कार्ड, कपास, रेशम, लिनन, जूट, ऊन, एकल रिबन बुना फीता जैसे - तंतुओं का परिचय, डबल रिबन बुना फीता, चार रिबन बुना फीता, रिबन बुना स्टार और छड़ी, लूप बुना फूल राखी, बुना पुष्प राखी, चोटी बुना राखी, फूल बुना राखी, दोस्ती बैंड, कागज रोल बुना हैंड पाइप बुना दोस्ती बैंड और गाँठ बुना दोस्ती बैंड आदि पर बच्चों को सिखाया गया।

काष्ठकला अनुभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियों जैसे बर्निंग कला का परिचय, काष्ठ का निर्माण, लकड़ी को जलाकर कला बनाना, डिजाइन पर जलते हुए कला के रूप, फूल का निर्माण, दृश्य चित्र, लकड़ी का बुरादा, चित्रों की फ्रेमिंग, जलने से पेंटिंग, लकड़ी की चाबी के छल्ले, लकड़ी की जड़ों को कार्विंग करके चित्र बनाना, लकड़ी के खिलौने आदि बनाने की बच्चों को जानकारी दी गई।

हस्तकला अनुभाग द्वारा बच्चों को कागज के डिज़ाइन बनाने की जानकारी वीडियो द्वारा दी गई।

नाटक अनुभाग द्वारा आवाज और भाषण, आंखों के संपर्क के विषय में सुधार पर वीडियो का विभाजन किया गया। खेल, नाटक का इतिहास, दृश्य कार्य, शास्त्रीय अभिनय आदि की जानकारी बच्चों को दी गई।

सिलाई अनुभाग द्वारा बच्चों को वीडियो के माध्यम से घर पर विभिन्न वस्तुओं का निर्माण करने की जानकारी दी गई। वीडियो द्वारा अपशिष्ट पदार्थों को शामिल करने वाले विभिन्न विषय साथ ही निरंतर पूर्वाग्रह टेप, मैक्रमे, चाबी का गुच्छा, मोनोग्राम जैसी घर पर उपलब्ध सामग्री से फूलों की कढ़ाई, बुनियादी सीम, टक डार्ट्स, प्लेट्स, पलैकेट्स, हुक-आई, हेमिंग, फैब्रिक बटन, डोरीदार पाइपिंग, ऊनी राखी, रेशम धागा राखी सिखाया गया।

छायांकन अनुभाग द्वारा बच्चों को अनिवार्य वीडियो दिखाए गए जैसे :- विभिन्न विषयों और विषय पर नियमित ट्यूटोरियल चित्र, टेबलटॉप, यात्रा फोटोग्राफी, फोटोस्टेट जैसे ट्यूटोरियल पर आधारित थे।

एअरो मॉडलिंग अनुभाग द्वारा बच्चों को यूएवी/ड्रोन के प्रकार, भूमिकाएं और अन्य विषयों पर वीडियो बनाकर दिखाए जैसे :- यूवीए/ड्रोन फ्लाइंग, यूएएस का परिचय तथा इसके प्रकार, भूमिका और लाभ, यूएसए/ड्रोन फ्लाइंग क्या है, एक विमान के प्रकार, लड़ाकू विमान सू 30-एम के आई, राफेल, एलसीए तेजस, लड़ाकू विमान मिग-29 और मिराज-2000, परिवहन विमान और भारतीय परिवहन विमान क्या है, आदि की जानकारी दी गई और उनके माडल बनाए गए।

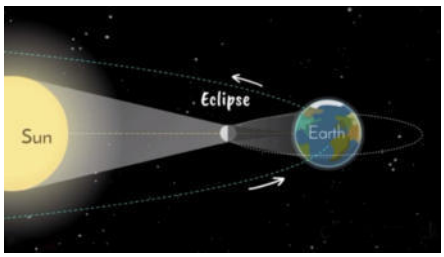

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा सूर्य ग्रहण, शूटिंग तारे, ध्रुव तारा, शीर्ष जैसे विषयों पर वीडियो दिखाए। खगोल विज्ञान की घटनाएं, आकाश का सबसे चमकीला तारा, रात में तारा क्यों चमकता है? अद्‌भुत तारों के बारे में तथ्य, टॉप एस्ट्रोनॉमी इवेंट्स, क्वांटम भौतिकी, मंगल ग्रह पर जिज्ञासा रोवर की खोज, आकाशगंगाओं के प्रकार, विनम्र अंतरिक्ष दूरबीन, क्वासर, सनस्पॉट, गामा किरणों का विस्फोट, न्यूट्रॉन तारे, स्पेक्ट्रल प्रकार के तारे आदि के बारे में बच्चों को बताया।

संगणक अनुभाग द्वारा बच्चों के साथ माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस एम, एस, ऑनलाइन परिचय, माइक्रोसॉफ्ट में कैसे बनाएं जैसे विषय शब्द, माइक्रोसॉफ्ट में पाठ के लिए तालिका और तालिका में पाठ में बदलें, माइक्रोसॉफ्ट में सूत्र वर्ड, माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल परिचय, एक्सेल, एस, एस, एक्सेल कैमरा में पांच सबसे अधिक उपयोग करने वाले सूत्र उपकरण, एक्सेल फाइल पावर्ड को सुरक्षित रखें, एक्सेल में पीवट टेवल, टेक्सर एक्सेल में, एक्सेल का डाटा एंट्री फॉर्म कैसे बनाया जाता है, एक्सेल का उपयोाग करके टेक्स्ट को कैसे इनपुट को स्पीच कमांड में, कंप्यूटर वर्गीकरण कार्य पद्धति, हिंदी कंप्यूटर पर आधारित है शब्दावली, डेस्कटॉप में शटडाउन आइकन कैसे बनाएं, सर्च इंजन अनुकूलन क्या है, कंप्यूटर में डुप्लिकेट फाइलों को कैसे हटाएं और 32 बिट और 64 बिट प्रोसेसर क्या है आदि बच्चों को जानकारी दी गई जिसमें 31 बच्चों ने भाग लिया।

पर्यावरण अनुभाग द्वारा 31 बच्चों को घर्षण, रोटोकॉप्टर, अर्ली मैन एंड गुफा के बारे में पेंटिंग, विभिन्न तरल पदार्थों का घनत्व और हम पानी के घनत्व को कैसे बढ़ा सकते हैं? मैंग्रोव जंगल और इसकी विशिष्ट विशेषताएं, भ्रम, गर्म हवा उठना, सरीसृप, पत्तियों से जानवर, तितली के जीवनचक्र, पांडुलिपियाँ क्या हैं? की जानकारी दी, बच्चों ने स्वयं पांडुलिपियाँ तैयार कीं। एक समूह में बच्चों ने बॉटल एक्वेरियम भी तैयार किया और मछलियों का अवलोकन किया।

अगस्त, 2020

कंठ संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को अलग-अलग तरह के गाने सिखाए गए, जैसे - लोक गीत, सरगम गीत, कजरी(स्थाई), राग के सामान्य तान, कजरी का अंतरा, राग अल्हैया बिलावल, राग बिहाग की शुरूआत और साथ ही गाने बनाने का ऑनलाइन अभ्यास कराया गया जिसमें 40 बच्चों ने भाग लिया।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा "ता हत झम तरि ताम" अडवू "अर्धचन्द्र विनियोग", "तेई या तेई ही", "मंडी अडवू", "अर्ध पताका: हस्त विनियोग", "कर्तरी हस्त विनियोग", को भी सिखाया गया। जिस तरह आधे हिस्से में गतिविधियाँ सिखाई जाती थीं।

लोकनृत्य अनुभाग द्वारा लावणी नृत्य के पाद संचालन और हस्त संचालन तथा बॉडी लैंग्वेज बिना संगीत के बच्चों को सिखाया गया।

वाद्य संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को तिहाई की परिभाषा और प्रकार, राग कल्याण की 13वीं तोड़ा (स्ट्रोक्स), राग कल्याण की 14वीं तोड़ा (उंगली की स्थिति) राग कल्याण(परिचय) की 15वीं तोड़ा, झाल से पहले बंदिश में गति कैसे बढ़ाएं आदि के बारे में बताया गया।

चित्रकला अनुभाग द्वारा विभिन्न चित्रों के साथ-साथ कला रूपों को वीडियो के माध्यम से पेश किया, जहां हमें चित्रकला अनुभाग के छात्रों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा बच्चों को सिखाया गया कि जंगली जीवन पर आधारित मॉडल किस प्रकार बनाएं जाते हैं जो प्रकृति में रहते हैं, किसी भी प्रकार के जानवरों और पक्षियों को मिट्टी से कुछ उपयोगी चीजें बनानी सिखाई गईं।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा कार्यक्रम "जंगल सफारी - आओ जानें जानवरों एवं उनके रहन-सहन को" के अंतर्गत बच्चों को गतिविधियों द्वारा जानवरों एवं उनके रहन-सहन के हिसाब से उनके वर्गीकरण के बारे में बताया गया। जानवरों की प्रजातियों के वर्गीकरण की जानकारी बच्चों को दी गई जैसे - लुप्त प्रजातियाँ, दुर्लभ प्रजातियाँ, उनका लुप्त होने के कारण आदि मनोरंजक गतिविधियों द्वारा भारत के वन अनुसंधान एवं अभ्यारण्य के बारे में बताया गया। कृष्ण सुदामा की दोस्ती पर कहानी सत्र, "हमारे राष्ट्रीय ध्वज का सफर" में रचनात्मक गतिविधियों द्वारा भारतीय झंडे के सफर एवं अब तक कितनी बार बदलाव हुए, के बारे में बताया गया साथ ही स्वतंत्रता संग्राम राष्ट्रीय बाल संग्रहालय के नज़रिये से भी बताया एवं दिखाया गया। "आओ जानें भारत के पारम्परिक नृत्य एवं उनके वर्गीकरण के बारे में गतिविधियों द्वारा बताना, "पहाड़ों की दुनिया" कार्यक्रम में पहाड़ों के बनने, उनके प्रकार, ग्रेट हिमालय एवं हिमालय पर्वत श्रृंखला के बारे में बताया गया।

बुनाई अनुभाग द्वारा बुनाई पर ट्यूटोरियल, विभिन्न प्रकार के दिखाई देने वाले दृष्टिभ्रम की बुनाई, स्वतंत्रता दिवस बुना कार्ड, बुना तिरंगा बैंड, रेयॉन, नायलॉन, पॉलिस्टर, ऐक्रेलिक, स्पैन्डेक्स, बुनाई के लिए विभिन्न की लूम मशीनों द्वारा विभिन्न विषयों की जानकारी बच्चों को दी गई।

काष्ठ कला अनुभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ सिखाई गई जैसे - लकड़ी से चाबी की अंगूठी बनाना, पेंटिंग का फ्रेमिंग करना, लकड़ी की तकनीक में एक डिजाइन बनाना, लकड़ी से खिलौने बनाना, आइस्क्रीम स्टिक द्वारा फूलों का पेड़ बनाना, बेकार लकड़ी से पेंटिंग बनाना, लकड़ी से लकड़ी के खिलौने बनाना, लकड़ी में नक्काशी करना, लकड़ी की जड़ में चित्र बनाना, लकड़ी की लाठी से फोटो फ्रेम तैयार करना, लकड़ी की जड़ में वर्णमाला बनाना, लकड़ी नक्काशी तकनीक में डिज़ाइन बनाने की तकनीक आदि का अभ्यास बच्चों को कराया गया।

हस्तकला अनुभाग द्वारा बच्चों के समक्ष कागज शिल्प बनाने के वीडियो तैयार कर पेश किए।

नाटक अनुभाग द्वारा मिरर अभ्यास, पारसी थिएटर, नवरस, स्वांग, नृत्य, जन्माष्टमी कथा, अवलोकन कौशल शारीरिक भाषा और अभिव्यक्ति, नाट्यशास्त्र के अनुसार अभिनय के चार पहलू आदि विषयों पर आधारित वीडियो बच्चों के सामने पेश किए गए।

सिलाई अनुभाग के बच्चों को वीडियो के माध्यम से घर पर विभिन्न वस्तुओं का निर्माण करना सिखाया। इन वीडियो में अपशिष्ट पदार्थों का प्रयोग करने के साथ-साथ घर पर उपलब्ध सामग्री जैसे कपड़े पर स्मोकिंग तकनीक, लड्डू गोपाल की पोशाक, कनाडियन स्मोकिंग, 3 डी फैब्रिक ऑरीगामी बटरफ्लाई, हाथ से कढ़ाई के साथ-साथ स्माइलिंग स्टिच आदि जैसे विभिन्न विषय शामिल थे।

छायांकन अनुभाग की अनिवार्यता के ऑनलाइन विडियो, विभिन्न विषयों पर नियमित ट्यूटोरियल और लैंडस्केप, पोट्रेट, टेबल टॉप और फोटो स्टोरी जैसे विषयों पर आधारित ट्यूटोरियल छायांकन अनुभाग द्वारा बच्चों को दिखाए गए।

ऍयरो मॉडलिंग अनुभाग ने विंड्स के परिचय की शुरूआत, ग्रहों की हवाएं क्या हैं? वेस्टरली विंड्स, विभिन्न प्रकार की हवाएं, तृतीयक हवाएं जैसे विषयों पर वीडियो बनाकर बच्चों को दिखाए गए।

तारामंडल अनुभाग में इंफ्रारेड एस्ट्रोनॉमी, ऑब्जर्वेटरी इन एस्ट्रोनॉमी, रेडियो एस्ट्रोनॉमी, अल्ट्रावॉयलेट एस्ट्रोनॉमी, एक्स-रे इन एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोनॉमी और इसके सभी ब्रांचेज, व्हाट्सएप, एस्ट्रोनॉमिकल यूनिट्स, पल्सर, स्टार्स की दूरी की गणना कैसे करें, इंटरस्टेलर मीडियम क्या है, कॉस्मोलॉजी क्या है जैसे विषयों पर वीडियो बनाकर दिखाए गए।

संगणक अनुभाग ने बच्चों को वीडियो के माध्यम से बताया कि ऑनलाईन विषय क्या है, सीईओ क्या है? ब्लॉग क्या है? और ब्लॉगिंग कैसे करते हैं, अधिक एफबी ब्लॉग ट्रैफिक प्राप्त करने के लिए फेसबुक ग्रुप्स का उपयोग करें, हिंदी जीविकोपार्जन के रूप में शुरू करने और जारी रखने के लिए सर्वश्रेष्ठ हिंदी ब्लॉग कैसे खोजें और पढ़े विभिन्न विषयों के साथ ब्लॉगिंग कैसे की जाती है इत्यादि की जानकारी दी गई।

मिलेजुले अनुभाग में बच्चों को फोटो फ्रेम बनाना, बत्तख बनाना, वॉल हैंगिंग बनाना, मास्क, खरगोश बनाना, डोरी पर लटकने वाले फूल बनाना तथा कलर से अन्य कई चीजें बनाना सिखाया गया।

पर्यावरण अनुभाग में बच्चों ने घूमावदार कागज़ का साँप बनाना एवं वायु संचार, गर्मी क्षमता, रेत बनाम पानी, हेयर हाईग्रोमीटर, पृथ्वी वातावरण, बच्चों ने बातचीत के दौरान इनके बारे में सीखा। दिन के समय में तारे दिखाई क्यों नहीं देते?, तारे टिमटिमाते क्यों हैं?, अपना एस्ट्रोलाबे खुद तैयार करें, सूरज की संरचना, बच्चों के साथ ऑनलाइन बातचीत सत्र मृदा पीएच-बच्चों के साथ ऑनलाइन बातचीत, जादुई बोतल-वायु दबाव, मिट्टी की संरचना में खाद बनाना, ह्यूमस गठन और मिट्टी की सतहों का विवरण विषयों पर ऑनलाइन कक्षा, रंध्र से हवाओं का आवगमन, पानी कैंडल, सॉयल प्रोफाइल, प्रदूषण पकड़ने वाला, छात्र हमारे परिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले प्रदूषक विज्ञापन की सूची तैयार करने आदि की जानकारी भी दी गई।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग में विभिन्न प्रकार के व्यायाम सिखाए गए जैसे शरीर को सिर से पैर तक गर्म करना, मांसपेशियों और हड्डियों के लचीलेपन के लिए व्यायाम करना और जूडो का अभ्यास जैसे नॉर्मल उचिकोमी, हाई स्पीड उचिकोमी, स्क्वाट हाई जंप, थिकैकोमी के साथ यूचिकोमी आदि कराया गया।

सितम्बर, 2020

कंठ संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को राग अलहैया बिलावल में तराना, सूफी गीत हज़रत अमीर खुसरो, निज़ामुद्दीन, देशभक्ति गीत, कबीर भजन मलाराम लोक गीत (स्थाई एवं अंतरा) जैसे विभिन्न प्रकार के गीत सिखाए गए। राग भैरवी का परिचय, राग भैरवी में बंदिश का स्थाई व आलाप, तान, ताल आदिं। उडिया लोक गीत (स्थाई व अंतरा), स्वच्छ भारत पर गीत, भाई चारे पर आनंद लोके बंगला गीत, संस्कृत में स्वातिवचन, राजस्थानी लोक गीत (स्थाई व अंतरा) आदि के साथ-साथ किसी कविता की धुन किस प्रकार बनाई जाती है गायन कक्ष के छात्रों ने ऑनलाइन अभ्यास किया जिसमें लगभग 40 बच्चों ने भाग लिया।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा बच्चों को "तत् चित ता" अड्डवु मयुरहस्त विनियोग, अलारिपू का पहला आधा भाग, अर्धचन्द्र हस्त विनियोग सिखाया गया तथा अलारिपु के द्वितीय आधे भाग को सिखाया गया, अलारिपु के प्रथम तथा

द्वितीय भाग को संगीत के साथ सिखाया गया, साथ ही बच्चों को गुष्ठिहस्त विनियोग और शिखरहस्त विनियोग सिखाया गया। प्रथम आधे कपित्थहस्त विनियोग सिखाया गया तथा पहले चार तत्त अड्डवु का अभ्यास कराया गया। द्वितीय आधे कवित्थंहस्त विनियोग को सिखाया गया एवं अन्य चार तत्त् अड्डवु और कटिकामुख हस्त विनियोग सिखाया गया। सुचिहस्त विनियोग के प्रथम आधे भाग को सिखाया गया।

वाद्य संगीत अनुभाग द्वारा बच्चों को सितार के साथ टिआ की परिभाषा और प्रकार, राग कल्यान में भाग 2 (भाग - 1), और (भाग - 2), राग कल्याण में झूला का तीसरा अनुच्छेद (भाग - 1), और (भाग - 2), झूला के तीनों पैरा ग्राफ को एक साथ सिखाया गया।

मिट्टी कला अनुभाग द्वारा बच्चों को मिट्टी के विभिन्न प्रकार के डायनासोर, प्रकृति पर आधारित मॉडल और पर्यावरण संरक्षण के तरीके सिखाए गए।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा बच्चों को पर्वतमाला और हिमालय की महत्वपूर्ण चोटियों और उनके स्थान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है, हिमालयी पर्वतों में वन्य जीवन, पौधों और कृषि के बारे में बच्चों को जानकारी दी गई, विंध्य और अरावली पर्वतमाला के बारे में जानकारी दी गई, पूर्वांचल और सतपुड़ा रेंज के बारे में चर्चा करते हुए बच्चों को परिचय दिया गया। इन पर्वतों से आच्छादित राज्य अर्थात विंध्य, अरावली, सतपुड़ा और पूर्वांचल पर्वतमाला और वहां का वन्य जीवन, बच्चों को किताबों की दुनिया और उनके महत्व से परिचित कराया, बच्चों को संरक्षण, इसकी आवश्यकता और इसके प्रकारों के बारे में जानकारी दी गई, बच्चों का परिचय - हम कैसे देखभाल कर सकते हैं घर पर हमारी किताबें। बच्चों को सूचित करना कि संग्रहालय पुस्तकों को पुनर्स्थापित करने या उनकी देखभाल करने में कैसे मदद करते हैं, हमारे चारों ओर पक्षियों के बारे में दिलचस्प तथ्यों का परिचय दिया, बच्चों को उनके आसपास की भूमि के बारे में दिलचस्प तथ्यों की जानकारी दी गई, पानी के जानवरों के बारे में दिलचस्प तथ्यों पर चर्चा की गई, बच्चों को कीटों के बारे में दिलचस्प तथ्यों से परिचित कराया गया और सांप और कौआ की कहानी भी सुनाई गई।

बुनाई अनुभाग द्वारा बच्चों को बुनाई पर टयूटोरियल, बुनकर वर्ग द्वारा बच्चों के लिए एक परिचय था जैसे बुनकर, हथकरघा मशीन के महत्वपूर्ण भाग, डेनिम (जींस) कपड़े के बारे में संक्षिप्त जानकारी (परिचय, इतिहास, निर्माण) आदि।

काष्ठ कला अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न जानकारी दी गई जैसे :- वुड इनले में फूल, लकड़ी के डंडे से फोटो फ्रेम, लकड़ी का खिलौना, लकड़ी में एक डिज़ाइन आदि।

नाट्य कला अनुभाग द्वारा बच्चों को कुछ वीडियो बनाकर दिखाए गए जैसे :- नाटक को पढ़ना, सुनना, जल्दी सोचना, स्वर एवं नृत्य नाटक, कथन और कहानी सुनना, योगा मूवमेंट्स, नाटक की ऐतिहासिक प्रृठभूमि, भौतिक रंगमंच में बुनियादी अभिनय की तकनीक तथा कुछ कहानी नाटक जैसे :- हाथी कविता, ट्रस्ट गेम, एक अभिनेता की वार्म-अप/आवाज, पंच परमेश्वर कहानी, समूह बोली आदि।

सिलाई अनुभाग द्वारा बच्चों को वीडियो दिखाकर नई वस्तुओं का निर्माण कराया गया। इन वीडियो में विभिन्न सामग्रियों के साथ-साथ घर पर उपलब्ध सामग्री जैसे 3डी फ्लावर एम्ब्रायडरी, फ्लावर स्टैमेन (पराग), फ्लावर

विथ ऑर्गैंडी फैब्रिक, फैब्रिक इयररिंग, फैब्रिक बुक कवर, हाथ से दिखाई न देने वाले टांके, कैसे समायोजित करें, इसे समायोजित करने के लिए विभिन्न विषय शामिल थे। सिलाई मशीन, बोबिन टेंशन, एक क्विलटिड कोस्टर से कैसे सिलाई की जाती है, कैसे एक स्लीक मास्क बनाया जाए, हेयर क्रेंची कैसे बनाई जाए, बच्चों ने तकिया कवर की ड्राफ्टिंग और पेपर पैटर्न, तकिया कवर कटिंग और सिलाई, 3 डी फेस मास्क कैसे बनाया जाए, कुशन कवर की कटिंग और सिलाई, पेन होल्डर केस इत्यादि बनाना सीखा।

फोटोग्राफी/छायांकन अनुभाग द्वारा बच्चों को फोटोग्राफी की अनिवार्यता के ऑनलाइन वीडियो, विभिन्न विषयों पर नियमित ट्यूटोरियल और उत्पाद फोटोग्राफी, स्टेज/डांस फोटोग्राफी जैसे विषय आधारित ट्यूटोरियल दिखाए गए।

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न विषयों पर वीडियो दिखाए जैसे :- ब्रहमांड, आकाश गंगा, एक सितारे का जीवन, सूर्य, ग्रह, हमारी पृथ्वी, चन्द्रमा इत्यादि।

कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा बच्चों को हिंदी की ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कक्षाएं, फोंट, इनपुट लॉग आदि ऑनलाइन वीडियो द्वारा जानकारी दी गई।

मिले-जुले अनुभाग द्वारा बच्चों को रंगीन कागज से फूल बनाना, 3 डी पक्षी बनाना, मास्क बनाना, पुराने अखबारों से फूल बनाना, पक्षी बनाना, तितली, मछली, पक्षी एवं फूल आदि बनाना सिखाया गया।

पर्यावरण अनुभाग द्वारा बच्चों को हवा में नमी के बारे में सिखाया। बच्चों ने अपनी स्वयं की माप किट बनाई, बच्चों के साथ ऑनलाइन बातचीत की और संदेहों का निवारण किया गया जैसे एनीमोमीटर, बारिश, हवा की गति हमें कैसे प्रभावित करती है? विभिन्न शहरों के मौसम की तालिका तैयार करना साथ ही मौसम को समझना, हवा की संरचना, ओजोन दिवस, ओजोन रिक्तीकरण का कारण, हवा बनाना विभिन्न शहरों के मौसम के छात्रों द्वारा एकत्रित आंकड़ों पर ऑनलाइन कक्षा हुई।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार के व्यायाम सिखाए गए जैसे :- सिर से पैर तक शरीर को गर्म करना, मांसपेशियों और हड्डियों के लचीलेपन के लिए व्यायाम साथ ही जूडो अभ्यास जैसे :- सामान्य उचिकोमी, हाई स्पीड उचिकोमी, स्क्वैट्स हाई जंप, उचिकोमी विद थेरबैंड आदि।

पुस्तकालय अनुभाग द्वारा बच्चों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि और जागरूकता उत्पन्न कराने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के सॉफ्ट टॉय, पज़ल और बोर्ड गेम उपलब्ध किए गए है। हिंदी को बढ़ावा देने के विशेष प्रयासों किए जा रहे हैं ताकि बच्चे आसानी से खेल में हिंदी भाषा सीख सकें।

हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा

दिनाँक 1 सितम्बर से 15 सितम्बर, 2020 हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य था - समस्त कर्मचारी अपना समस्त कार्यालयी कार्य हिंदी में करें। राजभाषा हिन्दी का प्रयोग कार्यालयी कार्यों में किए जाने पर प्रोत्साहन के रूप में नकद पुरस्कार भी दिए जाने का प्रावधान है। इस संदर्भ में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं - नोटिंग-ड्राफ्टिंग/मसौदा लेखन, सामान्य ज्ञान, स्वरचित काव्य रचना, निबंध लेखन, हिंदी टंकण, अशुद्ध शब्दों को शुद्ध रूप में लिखें तथा श्रुतलेख (एमटीएस स्टाफ के लिए), हिंदी कार्यशाला आदि आयोजित की गई। कोविड-19 महामारी

के परिप्रेक्ष्य में केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए "सामाजिक दूरी" के साथ कार्यालयी कार्यों को सुचारू रूप से कार्यान्वित किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

दिनाँक 29 सितम्बर, 2020 को राष्ट्रीय बाल भवन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक "गूगल मीट" के माध्यम से आयोजित की गई। तत्पश्चात् "हिंदी दिवस" के अवसर पर माननीय श्री रमेश पोखरियाल "निशंक", शिक्षा मंत्री, भारत सरकार द्वारा भेजे गए "संदेश" को पढ़कर सुनाया गया। बैठक में सर्वप्रथम गत तिमाही में लिए गए निर्णयों पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई से अवगत कराया गया। इस संबंध में बताया गया कि गत बैठक में आमंत्रित सुझावों का अनुपालन करते हुए प्रयास किया जा रहा है कि राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए निर्देशों का पूर्णतः अनुपालन करते हुए राजभाषा हिंदी का कार्यालयी कार्यों में अधिक से अधिक प्रयोग पर बल दिया जाए। इसके पश्चात् गत तिमाही में भेजी गई प्रगति रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) ने कहा कि हम सभी और अधिक पत्राचार हिंदी में करें और अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर भी हिंदी में दें। अंत में प्रशासन महोदय ने हिंदी अनुभाग द्वारा सभी का धन्यवाद किया। इस बैठक में रूस्टर के अनुसार लगभग 13 कर्मचारियों ने भाग लिया।

अक्तूबर, 2020

कंठ संगीत अनुभाग के प्रशिक्षकों ने बच्चों को विभिन्न प्रकार के गाने सिखाए जैसे:- जानकी नाथ (गांधी जी का पसंदीदा भजन) और पायो जी मैंने (गांधी जी का पसंदीदा भजन) राग काफी का परिचय, राग काफी में बंदिश का राग, राग काफी में बंदिश का अंतरा, राग काफी में तान, राग काफी का संशोधन और वंदे मातरम। मुखर खंड के छात्रों ने ऑनलाइन अभ्यास किया और 40 से अधिक बच्चों ने योगदान दिया और भाग लिया।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा अलारिपु दूसरा आधा भाग बिना हाथ के, अलारिपु 2 आधा-आधा हाथ से, अंतिम हाथ चाल, अलारिपु का नया फुटवर्क, फुटवर्क के साथ-साथ, अलारिपु का आखिरी भाग चरण, संगीत के लिए अलारिपु की ताल, अराला: हस्ता विनियोगा, शुकेतुण्ड हस्त विनियोग सिखाया और साथ ही भरतनाट्यम में मुष्टि हस्त विनियोग भी सिखाया गया।

लोक नृत्य अनुभाग में बच्चों को महाराष्ट्र का लावणी (बुनियादी कदम, बॉडी लैंग्वेज, पाद संचालन और हाथों की गति, कोली नृत्य (फिशर नृत्य) सिखाया गया।

तबला अनुभाग - (वाद्य यंत्र संगीत) में तीन ताल कायदा, तीन ताल में कायदे का ताल, तीन ताल के टुकड़े, तीन ताल ताली हाथ से देना-एकगुण और दुगुण की लय में, कहरवा ताल, उसके दो प्रकार इत्यादि बच्चों को सिखाए गए।

चित्रकला अनुभाग द्वारा विभिन्न चित्रों के साथ-साथ कला रूपों को वीडियो के माध्यम से पेश किया, जहां छात्रों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

मिट्टी अनुभाग द्वारा बच्चों को सिखाया कि मोगली और उनके पूरे परिवार, विभिन्न प्रकार के जानवरों और प्रकृति पर नए मॉडल बनाना जैसे चरित्र बनाना सिखाया गया।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा सतर्कता बरतते हुए सतर्कता जागरूकता सप्ताह के रूप में विभिन्न विषयों पर वीडियो बनाए और एकता दिवस (एक दिन का लम्बा कार्यक्रम)

मनाते हुए बच्चों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित करने का लक्ष्य रखा, अखबारों के निर्माण का पुनः उपयोग, आश्चर्य का पुनः उपयोग अखबार-निर्माण चमत्कार, बुराई पर अच्छाई की भावना का जश्न आदि।

बुनाई अनुभाग द्वारा बच्चों को ट्यूटोरियल शुरू कराया गया। इसके अलावा हाथ करघा आइटम की जानकारी भी दी गई।

हस्तकला अनुभाग द्वारा बच्चों को कागज शिल्प बनाने के वीडियो बनाकर दिखाए गए।

नाटक अनुभाग द्वारा कई विषयों (गांधी के जीवन, भ्रष्टाचार, प्रदूषण) माइम एक्ट इंप्रूवमेंट और शॉन वर्क, कैरेक्टर इम्प्रोवाइजेशन एंड एक्शन टू रिएक्शन पर आशु रचना पर वीडियो बनाकर बच्चों को दिखाए गए।

सिलाई अनुभाग द्वारा बच्चों को ट्यूलिप हैंड बैग, बैग मेकिंग, मास्टर स्लीव्स ड्राफ्टिंग, पैटर्न एंड स्टिचिंग, फुल पफ, पंखुड़ियों और बेल स्लीव्स, क्रोचेट, सिंगल, हाफ डबल और ट्राइएंग क्रोचेट, सर्कल और स्क्वायर क्रॉचेट, फ्लावर, सैनीटाइजर बोतल कवर छोटे-बड़े, ड्रीम क्रैचर, क्रॉचेट कॉस्टर तथा कानों के बूंदे जैसे विभिन्न विषयों पर वीडियो बनाकर दिखाए गए।

फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर नियमित ट्यूटोरियल और बाल भवन के फोटो कवरेज फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा फोटोग्राफी रिकॉर्ड तैयार किए गए और ये ट्यूटोरियल बच्चों को दिखाए गए।

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा सोलर प्रणाली की उत्पत्ति, ग्रहों की उत्पत्ति, ग्रहों के बारे में सब कुछ (बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेपच्यून, और प्लूटो), छोटे ग्रह (प्लूटो, सेरेस, एरिस, ह्यूमिया, आग का गोला, उल्कापिंड) जैसे विषयों पर वीडियो बनाकर बच्चों को दिखाए गए।

संगणक अनुभाग द्वारा माई बिग गाइड एप्लिकेशन एन्ड्रायड फोन के लिए, आप अपने मोबाइल द्वारा स्कैन करना सीखें, गूगल एस, ई, ओ, द्वारा कैसे हम पेजरैंक की गुणवत्ता को सुधार सकते हैं, अपने ब्लॉग को सर्च इंजन में कैसे डालें इत्यादि सिखाया गया।

पर्यावरण अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न गतिविधियां जैसे वातावरण की विभिन्न परतों के बारे में जानकारी, स्टेथोस्कोप के कामकाज को समझना और उपलब्ध सामग्री, सरीसृप, अपने घर से आकाश अवलोकन और वायु की संरचना से स्टेथोस्कोप कैसे बना सकते हैं, पेपर रिसाइकलिंग तथा पेपर मैशी के महत्व की जानकारी भी दी गई जिससे कई पर्यावरणीय मुद्दों को हल कर सकें जिसमें 31 बच्चों ने भाग लिया।

सर्तकता जागरूकता सप्ताह

दिनाँक 27 अक्तूबर से 2 नवंबर तक सर्तकता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम मनाया गया। इस आयोजन के दौरान दिनाँक 31 अक्तूबर, 2020 को सभी कर्मचारियों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ शपथ ग्रहण की एवं राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण के चारों ओर प्ले कार्ड एवं बैनर के साथ **भ्रष्टाचार मिटाएंगे, देश को आगे बढ़ाएंगे** नारा लगाते हुए

पैदल यात्रा भी निकाली। इस कार्यक्रम में लगभग 26 कर्मचारियों ने सामाजिक दूरी एवं मास्क सहित भाग लिया। जो कर्मचारी इसमें भाग नहीं ले सके उन्हें ऑनलाइन शपथ ग्रहण के लिए शपथ की हिंदी प्रति ग्रुप में अपलोड की गई। इस दौरान प्रशिक्षकों द्वारा "सतर्क भारत-समृद्ध भारत" विषय पर गतिविधियाँ कराई गईं।

राष्ट्रीय एकता दिवस

दिनाँक 31 अक्तूबर, 2020 को राष्ट्रीय बाल भवन में राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम मनाया गया। कोविड-19 सुरक्षा के साथ 50 प्रतिशत कर्मचारियों ने एकता की शपथ ग्रहण की तत्पश्चात् राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में कर्मचारियों द्वारा एकता रैली भी आयोजित की गई।

नवम्बर, 2020

कंठ संगीत अनुभाग में बच्चों को बालगीत - चाचा नेहरू की बगिया, हम मिलजुलकर (साक्षरता पर आधारित गीत), मनभावन मनोरंजन (बालगीत), आई दिवाली दीप जलाओं, राग बागेश्री का परिचय, बंदिश (स्थाई व अंतरा) आलाप व तान जैसे विभिन्न प्रकार के गाने सिखाए गए, शांति गीत, भजन, हिमाचली लोक गीत (स्थाई व अंतरा), ठुमरी, (स्थाई, अंतरा और स्थाई अंतरा ताल के साथ), भजन कंठ संगीत के छात्रों ने ऑनलाइन अभ्यास किया जिसमें 40 से अधिक बच्चों ने योगदान दिया।

भरतनाट्यम अनुभाग द्वारा बच्चों को मुष्ठि हस्त विनियोग, शिखरहस्त विनियोग, पहली छमाही कपिथ अस्त विनियोग, पहली चार तत् अडवू, दूसरी छमाही कपिथहस्थ विनीयोग, 4 तत् अडवू 1, 5 आधे ऐसेइहस्ता विनियोग, 1, 2वें, 3वें और 4वें कुदिथमटटु अदवु, भरतनाट्यम में 2 आधे सुचिस्ता विनियोग आदि की जानकारी दी गई।

लोक नृत्य अनुभाग में बच्चों को असमिया लोक नृत्य बिहु और बिहु के सिद्धांत (बुनियादी कदम, शरीर की भाषा, पाद संचालन और हाथों की गति जैसे लोक नृत्य कवर गतिविधियों में, असम के इस लोक नृत्य को संगीत और व्यावहारिक अभ्यास के साथ बच्चों को सिखाया गया था।

तबला अनुभाग में बच्चों को कायदा तेनातल, टुकड़ा एकताल, तुकड़ा एकताल 2, तुकड़ा एकताल किशोर की गतिविधियों की जानकारी दी गई।

मिट्टी अनुभाग द्वारा बच्चों को चरित्र जैसे विभिन्न प्रकार के जानवरों और प्रकृति पर नए मॉडल बनाने का तरीका सिखाया। इन गतिविधियों के अलावा मानव-चेहरा, चिड़िया, बत्तक, कॉमन मैना, तोते, मोर, चीता, प्यासा कौआ, काग, हाथी, तोता, घोड़ा, खरगोश, बगुला, पक्षियों का एक झुंड, पेंगुइन, बाज आदि सिखाए गए।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा बच्चों को वीडियो और पीपीटी के विभिन्न विषयों जैसे "सेलिब्रेशन्स" (बाल दिवस और उत्सव के मौसम को मनाने के उद्देश्य से) संग्रहालय के परिप्रेक्ष्य से उत्सव के महत्व का लक्ष्य समझाया।

बुनाई अनुभाग द्वारा बच्चों को अभ्यास कार्य कराया गया। इसके अलावा हाथ की बनी वस्तुएं, हैंडलूम मशीन और उसकी मरम्मत तथा बुनाई फ्रेम की जानकारी भी दी गई।

नाटक अनुभाग द्वारा स्किट प्ले वर्क और मेकिंग, ड्रामा प्ले ऑन स्टोरी ऑन छोटू का साहस कहानी पर नाट्य लेखन, सच्ची लगन, चरित्र विकास और आंदोलन कार्य, स्क्रिप्ट डिजाइन कार्य, वॉयस मॉड्यूलेशन और चरित्र गतिविधि के बारे में विश्लेषण करने के लिए वीडियो बना कर बच्चों को दिखाया गया।

सिलाई अनुभाग द्वारा बच्चों को विभिन्न विषयों पर वीडियो बनाकर दिखाए गए जैसे :- पुराने पक्षियों से लटकती हुई वॉल हैंगिंग, पोम-पोम फ्लावर ट्री, डोरी की वॉल, क्रोशिया के बुक मार्क, बेबी बूटियां, क्रोशिया की चेन, क्रोशिया के मोबाइल पाउच, क्रोशिया हेयर पिन आदि।

फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर नियमित अभ्यास कराया गया बाल भवन के कार्यक्रमों की फोटो कवरेज और रिकार्डों की फोटोग्राफी फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा की गई एवं साथ-साथ फोटोशॉप और फोटो-संपादन पर ट्यूटोरियल को कवर किया गया और ये ट्यूटोरियल बच्चों को दिखाए गए।

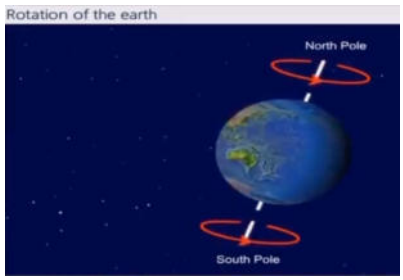

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा मॉर्निंग स्टार और इवनिंग स्टार्स जैसे विषयों पर वीडियो बनाए गए, हम साथ-साथ कैसे देख सकते हैं, शुक्र और मंगल ग्रह के पीछे की कहानी, समय गणना, पृथ्वी का चक्कर लगाना और क्रांति, मेरिडियन लाइन-अक्षांश और देशांतर, हमारा राष्ट्रीय उपग्रह चंद्रमा, चंद्रमा के चरण, पूर्ण चंद्रमा और नया चंद्रमा, एक सप्ताह डब्ल्यूईसीएल-सोलर ग्रहण, चंद्र ग्रहण और सूर्य एवं चंद्र के बीच अंतर को समझाया गया।

संगणक अनुभाग द्वारा ऑनलाइन विषयों जैसे :- एक ही समय में हम कैसे एक से अधिक कार्य में बदलाव तथा एक से अधिक शीट में डेटा को कैसे समेकित करें, एक्सेल में विंडोज की व्यवस्था कैसे करें, डेसिमल को कैसे डालें, खुद ब खुद एक्सेल में दिनांक और समय कैसे डाला जा सकता है, एक्सल में क्षेत्र सेटिंग एक्सल में किसी विषय और सेल स्टाइल को कैसे खोजा और बदला जाता है? एक्सेल में बेस्ट ग्यारह टिप्स और ट्रिक्स और माइक्रोसॉफ्ट पर विंडोज बैकअप सर्वर की स्थापना और विन्यास इत्यादि की बच्चों को जानकारी दी गई।

एअॅरो मॉडलिंग अनुभाग द्वारा बच्चों को ड्रोन तकनीक की महत्ता के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों को इससे सम्बंधित गतिविधियाँ कराई गई जैसे :- ड्रोन तकनीक से ड्रोन मॉडल कैसे बनाते हैं इसे एक्सेसरीज़ के साथ कैसे इकट्ठा करें, रिमोट कंट्रोल के साथ ड्रोन कैसे उड़ाया जाता है। इसके अतिरिक्त दो लाइन ग्लाइडर क्या है, चक ग्लाइडर क्या है और इसे कैसे बनाएं, आर/सी ग्लाइडर क्या है और इसे कैसे लॉन्च करें जैसी गतिविधियां, फोम शीट ग्लाइडर बनाने के तरीके पर व्यावहारिक, इंडोर बेस्ट फ्लाइंग एयरो प्लेन सुपर पेपर बूमरैंग एयर विमान, उड़ान के प्रधानाचार्य चार बल-लिफ्ट, वजन, ड्रैग और थ्रस्ट एयरफोइल आकार, वायुगतिकी, वायुयान के भाग वायुयान के प्रकार क्या हैं आदि की जानकारी दी गई।

पर्यावरण अनुभाग द्वारा बच्चों को ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से विभिन्न गतिविधियाँ कराई गई जैसे :- वायु प्रदूषण के कारक और उसके प्रभाव के बारे में बताया और पनडुब्बी, चुबकीय क्षेत्र और संपत्तियों आदि के काम से संबंधित प्रयोग आदि के बारे में जाना। बच्चों ने विज्ञान परियोजनाएं और उनकी कार्यपत्रक भी तैयार किए।

काष्ठ कला अनुभाग द्वारा बच्चों को गणेश और मिस्र के मॉडल की तरह काष्ठ मूर्तिकला की जानकारी दी।

मिले-जुले अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए मनोरंजन वीडियो तैयार किए जिसमें हाथी के सिर को ढकने वाले कागजी शिल्प, बेकार सामग्री से फूल बनाना, एंग्री बर्ड, एल्युमिनियम फॉयल से पक्षी बनाना, रंगीन कागज से फूल बनाना, मुखौटा बनाना (पांडा, चील) और कागज से बतख, कुत्ता, माउस, बिल्ली, सर्कल गुड़िया, सांप शिल्प, मछली शिल्प और हाथी बनाना सिखाया गया।

संविधान दिवस

दिनाँक 26 नवम्बर, 2020 को राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक (प्रशासन) की देख रेख में कोविड-19 के सुरक्षा प्रबन्धों

के साथ आयोजित हुआ। नेहा खंकरियाल - कंठ संगीत प्रशिक्षक ने नया गाना- "हम भारतवासी नित-नित शीश झुकाते हैं, श्रद्धा और निष्ठा से संविधान दिवस मनाते हैं" तबला की जुगलबंदी के साथ गाया। इस आयोजन की डिजिटल प्रदर्शनी भी वेबसाइट पर अपलोड की गई।

दिसम्बर, 2020

खगोल विज्ञान अनुभाग में बच्चों को द ग्लोब, अक्षांश और देशांतर, ग्रिड, अक्षांश और देशांतर के बीच का अंतर, विभिन्न प्रकार के तारामंडल, चंद्रयान-2, सैटेलाइट, टेलीस्कोप, खगोलएस्ट्रोनॉट्स के बारे में बताया और इन विषयों पर वीडियो बनाई। महान भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा, कल्पना चावला, सुनीता विलियम्स अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी, इसरो, नासा, सीएनएस, सीएसए आदि के बारे में भी जानकारी दी गई।

कंठ संगीत अनुभाग में बच्चों को विभिन्न प्रकार के गीत सिखाए गए जैसे कि बाउल गीत, कुमाउनी गीत, गुजराती गीत, भजन राग बसंत पर आधारित, सरस्वती वंदना अथ स्वागतम् स्वागत गीत, नूतन वर्ष के गीत, पानी पर गीत, राग यमन लक्षण गीत, मंगल गान आदि सिखाए गए।

भरतनाट्यम अनुभाग में बच्चों को चंद्रका हस्त विनियोग, भरतनाट्यम का इतिहास, पाँच जाति पद्मकोश, हस्त विनियोग और भारत की प्रसिद्ध नर्तकियों के बारे में बताया गया। सर्पस्तितथा हस्त विनियोग, नवरस तथा सभी शास्त्रीय नृत्यों के बारे में बताया गया और साथ ही पक्का अड्डवु सिंहमुख हस्त विनियोग के पहला भाग सिखाया गया।

लोक नृत्य अनुभाग में बच्चों को राजस्थानी गीत-थारी चुनरी, चौ मासूम पर नृत्य सिखाया और गाने के साथ बॉडी लैंग्वेज के साथ फुटवर्क और हैंड मूवमेंट का अभ्यास कराया गया।

मिट्टी कला अनुभाग में बच्चों को चूहे की कार्टून छवि, हाथी की कार्टून छवि, खरगोश की कार्टून छवि, लड़के की कार्टून छवि, डोरेमोन, घोड़ा, चीता, खरगोश, हिरण, चीता की भिन्न-भिन्न मुद्राएं, अलग-अलग तरह के फूल, बटर मटर, मगरमच्छ, चूहा बनाने के तरीके सिखाए। साथ ही कछुआ, कुत्ता, शार्क, पानी साँप, पैनल की मरम्मत करने की जानकारी दी गई।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा "सीखें समय प्रबंधन" में बच्चों को विडियो और पीपीटी आदि द्वारा कम उम्र में समय प्रबंधन के कौशल, समय प्रबंधन से संबंधित प्रसिद्ध व्यक्ति-महात्मा गाँधी का समय प्रबंधन कौशल, विषय संबंधित संग्रहालय एवं कहानी सत्र आदि कराए गए। "जानें सिक्किम को - संग्रहालय के माध्यम से" कार्यक्रम में सिक्किम की परंपराएँ एवं उनकी संस्कृति उनके विभिन्न संग्रहालयों के माध्सम े बच्चों को अवगत कराया। "क्रिस्मस का त्योहार एवं परंपरा और नया साल-नए संकल्प" आदि कार्यक्रमों द्वारा बच्चों को विभिन्न त्योहार एवं उनसे जुड़ी संस्कृति को जानने के लिए प्रेरित किया।

बुनाई अनुभाग में बच्चों को बुनाई पर ट्यूटोरियल द्वारा पेश किया गया। साथ ही हाथ करघा की वस्तुएं, सेवित हैंडलूम मशीन और बुनाई फ्रेम बनाए।

नाटक अनुभाग में बच्चों को मंच की परिभाषा और तरीका अभिनय, वॉयस मॉड्यूलेशन व्यायाम और थिएटर गेम्स के बारे में, कौन अभिनेता है और कैसे स्क्रिप्ट गतिविधि को स्टेज पर करने का तरीका तथा उसकी व्याख्या से सम्बंधित वीडिया बनाया गया।

सिलाई अनुभाग के बच्चों ने विभिन्न विषयों पर वीडियो बनाए जैसे कि रिबन के फूल, मैक्रमे के फ्रेंडशिप बैंड,

सुंदर ड्रीम कैचर, सुंदर कपड़े की जाली, रिबन टसेल, साटन रिबन की स्टिक, पोटली बटन, रिबन से धनुष, सुंदर कपड़े का लेटन, कढ़ाई का उपयोग करके क्रिसमस ट्री बनाना, कढ़ाई का उपयोग करते हुए अनुपयोगी वस्तुओं को क्रिसमस ट्री के चारों ओर उकरा तथा सांता बनाया।

फोटोग्राफी अनुभाग ने बच्चों को फोटोशॉप में फोटोग्राफी के विभिन्न विषयों पर नियमित ट्यूरोरियल, फोटो संपादन करना सिखाया।

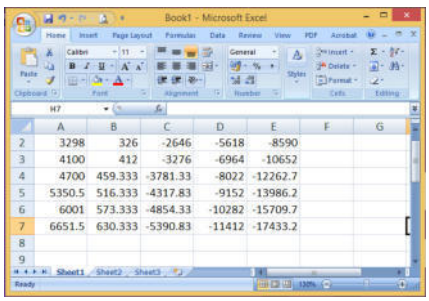

संगणक अनुभाग ने बच्चों को माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सर्वर 2019 पर विंडोज बैकअप सर्वर की स्थापना और विन्यास जैसे ऑनलाइन विषय, विन्यास एक्टिव डायरेक्टरी और डीएनएस माइक्रोसॉफ्ट विंडोज पर एक्सेल उपयोगकर्ताओं को पता होना चाहिए। कैसे एक्सल में हम कार्यालय का पूरा कार्य कर सकते हैं और साइबर सुरक्षा द्वारा अपना व्यक्तिगत डाटा तथा पैसे हैकर्स से कैसे सुरक्षित रख सकते हैं? माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक एक्सप्रेस पर हम अपने हस्ताक्षर को कैसे डालें। एम,पी, 4 ज्वाइंटर और वीडियो एडिटर द्वारा हम किसी छवि को बोलने वाला वीडियो कैसे बनाएं? एक्सेल में डाटा को कैसे फिल्टर करें, एक्सेल में डाटा को कैसे छोटा करें, असेंबल्ड और ब्रांडेड कंप्यूटर के लिए ड्राइवर्स कैसे खोजें, माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक पर स्वचालित उत्तर कैसे सैट करें, किसी भी फाइल को पीडीएफ में कैसे कन्वर्ट करें, माइक्रोसॉफ्ट विण्डोस 10 हाइपर वी और भौतिक कंप्यूटर पर यूबुंतु 20.04 कैसे स्थापित करें, वर्चुअल मशीन पर अतिरिक्त वॉल्यूम (एचडीडी) जोड़ें।

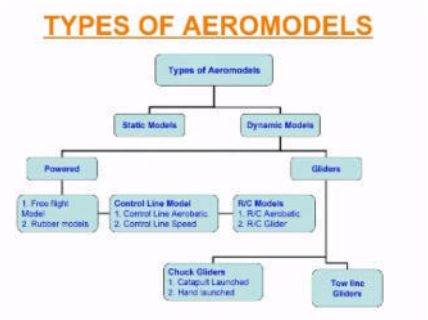

एअरो मॉडलिंग अनुभाग ने बच्चों को मानव रहित विमान (यूएवी) का परिचय, विभिन्न प्रकार, भूमिका, एवं कार्य कैसे करें जैसी गतिविधियां कराई गई। यूएएस का परिचय, विभिन्न प्रकार, भूमिका, कैसे काम करते हैं, हवाई जहाजों के प्रकार-हवाई जहाज और विमान के बीच अंतर, हेलीकॉप्टर और परिवहन विमान, लड़ाकू विमान-विमान और सामान्य विमान में अंतर, एअॅरो मॉडलिंग के प्रकार, स्टेटिक एअरो मॉडलिंग - कैसे बनाए जाते हैं की जानकारी दी गई।

पर्यावरण एवं मछली घर अनुभाग ने बच्चों को ग्रहों की गति के बारे में बताया। उन्होंने शनि और बृहस्पति के संयोग को जाना। बच्चों को प्रवासी पक्षियों की जानकारी दी। प्रवासी पक्षियों की आवश्यकता, उनकी पहचान करना सिखाया। गणित संबंधी कार्य जैसे पानी को छानने और उष्मा संचरण से संबंधित कुछ प्रायोगिक प्रयोग भी बताए। यू-ट्यूब वीडियो के ज़रिए सौर मंडल के बारे में भी समझाया।

मिले-जुले अनुभाग ने बच्चों के लिए मनोरंजक वीडियो तैयार किए जिसमें हाथी के सिर को ढकने वाले कागजी शिल्प, बेकार सामग्री से फूल बनाना, एंग्री बर्ड, एल्युमिनियम फॉयल से पक्षी बनाना, रंगीन कागज से फूल बनाना, मुखौटा, गुड़िया, सांप शिल्प, मछली शिल्प और कागज का हाथी बनाना सिखाया गया।

हिंदी कार्यशाला

दिनाँक 22 दिसम्बर, 2020 को राष्ट्रीय बाल भवन के "एनटीआरसी हॉल" में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कार्यालयी कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों के साथ-साथ दैनिक प्रयोग में आने वाले प्रोफार्मा तथा कार्यालय से संबंधित कुछ उपयोगी अभ्यास कार्य कराया गया। तत्पश्चात् "हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम" का "पुरस्कार वितरण कार्यक्रम" भी आयोजित किया गया। गृह मंत्रालय द्वारा जारी वैश्विक महामारी कोविड-19

से बचाव एवं उसे फैलने से रोकने के लिए दिशानिर्देशों के अनुपालन हेतु समक्ष प्राधिकारी से प्राप्त निर्देशों का सभी कर्मचारियों द्वारा पालन किया गया। इस दौरान 50% कर्मचारी कार्यालय में उपस्थिति रहे। इस कार्यशाला में लगभग 25 कर्मचारियों ने भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

दिनाँक 23 दिसम्बर, 2020 को राष्ट्रीय बाल भवन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक "गूगल मीट" के माध्यम से आयोजित की गई। इस तिमाही बैठक में राजभाषा हिंदी के वार्षिक कार्यक्रम तथा गत बैठक में लिए गए राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निर्णयों पर चर्चा की गई। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में अनुभाग प्रमुख की उपस्थिति में राजभाषा हिन्दी का प्रचार-प्रसार पर चर्चा हुई। इस बैठक में लगभग 10 कर्मचारियों ने भाग लिया।

जनवरी, 2021

भरतनाट्यम अनुभाग में बच्चों को द्वितीय सरिकल अड्डवु का अभ्यास कराया, सिंहमुख हस्त विनियोग के द्वितीय आधा भाग सिखाया। प्रथम 3 स्थानक भेद और प्रथम 2 "तत् तेइ ताहा" अड्डवु का अभ्यास कराया, साथ ही शेष 3 स्थानक भेद और शेष 2 "तत् तेई ताहा" अड्डवु का अभ्यास कराया गया, मंडल भेद का प्रथम आधा भाग कराया गया, तिरमान अड्डवु का अभ्यास कराया गया पाँच जाति अभ्यास कराया गया, भ्रमरी भेद के प्रथम आधे भाग को सिखाया गया। पुष्पांजलि के प्रथम आधे थाम का अभ्यास कराया गया। चारी भेद का प्रथम आधा भाग सिखाया गया। तथा सभी भेदों का अभ्यास कराया गया।

लोक संगीत अनुभाग में बच्चों को राजस्थानी लोक गीत (स्थाई, अंतरा और ताल के साथ अभ्यास) सिखाया गया। मराठी लोकगीत (स्थाई, अंतरा), राजस्थानी लोक गीत (स्थाई, अंतरा और ताहि के साथ अभय अंतरा), हरियाणवी लोकगीत (स्थाई, अंतरा और स्थाई, ताल के साथ अंतरा) इत्यादि सिखाया गया।

कंठ संगीत अनुभाग में बच्चों को सरस्वती वंदना, बाल गीत, देशभक्ति गीत "खिजाओं में बहार", लोहड़ी के पंजाबी लोक गीत - चर्खा चनन दा। राग बंदिश भीमपलासी (स्थाई, अंतरा, विस्तार), राग बागेशरी में चतुरंग (परिचय और स्थाई, अंतरा) आदि सिखाए गए।

लोक नृत्य अनुभाग में बच्चों को राजस्थानी एक नया गीत 'चौमासों' के कुछ बुनियादी पल सिखाए गए।, राजस्थानी गीत चौमासों के तीनों भागों को बारी-बारी से सिखाया गया और अंत में पूर्ण गीत का अभ्यास कराया गया।

छायांकन अनुभाग में बच्चों को ऑनलाइन द्वारा ट्यूटोरियल एप पर जानकारी दी जैसे फूड फोटोग्राफी, फोटो स्टोरी आदि।

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स अनुभाग में बच्चों को पवन ऊर्जा द्वारा बिजली कैसे उत्पन्न करें, ट्रांजिस्टर का अध्ययन कराया गया, स्वचालित नाइट लाइट सर्किट, प्रतिरोधों का अध्ययन, जल स्तर संकेतक, श्रृंखला और समानांतर सर्किट, ट्रांसफार्मर का अध्ययन, केपेसिटर का अध्ययन, सोल्डरिंग टिप्स, मल्टीमीटर का उपयोग आदि की जानकारी दी।

नाटक अनुभाग में बच्चों को नुक्कड़ नाटक थियेटर और एकल अभिनय नाटक के बारे में जानकारी दी गई। नाटक के लक्षण वर्णन, प्रतिक्रिया और भाषण के काम पर भौतिक जानकारी दी गई। चेहरे का व्यायाम वार्म-अप कराया गया इसके अतिरिक्त कई अलग-अलग प्रकार की आवाज़, व्यायाम गतिविधि के बारे में जानकारी दी गई।

संगणक अनुभाग में बच्चों को विभिन्न विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई जैसे:- काली लीनक्स की स्थापना, माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल और पॉवरपॉइंट फाइलों को अपने कम्प्यूटर में कैसे सुरक्षित रख सकते हैं। किस प्रकार के डाटा एक्सल फाइलों में रखा जा सकता है। एम.एस.एक्सल लीनक्स (M.S. Excel) में सर्च बॉक्स कैसे बनाए जाते हैं, दो सूत्र रैंड और रैंडबिटवीन का ज्ञान दिया गया, दो एक्सेल शीट में विभिन्न डाटा की तुलना कैसे की जाती है, इफ फॉर्मूला-1 और 2 का उपयोग एक्सेल में कैसे किया जाता है, जो कि एक्सल माइक्रोसॉफ्ट विंडो-10 में नए उपयोगकर्ता कैसे बनाएं और उपयोगकर्ताओं को कैसे प्रतिबंधित करें, एम एक्सेल में मेलमर्ज का उपयोग कैसे कर सकते हैं। स्क्रीन शॉट लेने के तीन तरीके (1) अनधिकृत पहुँच से डाटा को सुरक्षित रखें यहां तक कि व्यवस्थापक भी अपनी फाइलों तक नहीं पहुंच सकते। माइक्रोसॉफ्ट विंडो-10 में रंगीन माउस करसर कैसे प्राप्त करें। ईमेल और जीमेल में क्या अंतर है, ईमेल में सीसी और बीसीसी क्या है। जीमेल को कैसे परिभाषित कर सकते हैं आदि की जानकारी दी गई।

मिले-जुले अनुभाग में बच्चों को रंगीन पेपर से मास्क, सूरजमुखी का फूल, अंगुलियों की आकृति की कठपुतली, चश्मा, आदि बनाना सिखाया। बेकार सामान से चूहा, तितली, मछली, बनाना, अखबार से फोटो स्टैंड बनाना, पेपर कप से घंटी, बत्तख बनाना, पेपर से गाय, बच्चों के मास्क बनाना, मैंगजीन से उड़ने वाली चिड़िया, हाथी का कट आउट, चिड़िया का कट आउट बनाना सिखाया। इसके अतिरिक्त बिल्ली, हाथी, चिड़िया एवं शेर की आकृति की कठपुतली आदि बनाना सिखाया गया।

गृह प्रबंधन में बच्चों को मूंगदाल के लड्डू, पनीर बॉम्बे सैंडविच पकौड़ा, मसाला फ्राई/आलू वैजिस, पालक और प्याज़ स्टीम्ड कटलेट, मसूर दाल स्टीम्ड स्नैक्स, हैल्थी स्टीम्ड सूजी स्नैक्स, पोहा चीज़बॉल, लोबिया दाल चीला पुदीना चटनी के साथ, टमाटर का सूप, सोयाबीन कबाब कॉर्नफ्लैक्स कटलेट्स, लेंटिंन सूप, मशरूम सूप, पालक और मेथी परांठा, मिक्स दाल परांठा, गोभी भरवां परांठा, सोयाबीन भरवां परांठा, चीनी का परांठा, गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा वेज पुलाव इत्यादि सिखाया गया।

संग्रहालय अनुभाग में बच्चों को उनके स्वस्थ संकल्पों से जुड़े रहने के लिए जागरूक किया गया, फलदायक संकल्प करने के बारे में जानकारी दी गई साथ ही उनसे सम्बंधित गतिविधि कराई गई। समय प्रबंधन पर एक कहानी सत्र के माध्यम से समय पर अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही प्रस्तावों पर आधारित गतिविधि कराई गई। बच्चों को मानचित्र पढ़ने के प्रति रूचि और उत्सुक हेतु प्रेरित किया गया। खेल के तरीके से मैप लर्निंग के विषय से परिचित कराया गया। मानचित्र को मज़ेदार तरीके से पढ़ने और समझने का ज्ञान दिया गया, ताकि वह उसे अपने दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों से जोड़ सकें एवं मज़ेदार गतिविधियों द्वारा आकर्षक मानचित्र बनाना सीख सकें। मानचित्र पढ़ने से संबंधित तथ्यों के बारे में बताया गया। भारत के हारवेस्ट फेस्टिवल के बारे में जानकारी दी गई और दुनियाभर में इसके महत्व के साथ-साथ विषय सम्बन्धित भारतीय संग्रहालय पर भी चर्चा की। फसल उत्सवों के विषय और पीपीटी और मजेदार शिक्षा पर आधारित वीडियो के माध्यम से इसके महत्व

से अवगत कराया गया। भारत के त्यौहार और इन त्यौहारों से जुड़ी संस्कृति पर जानकारी दी। हमारी मातृभूमि और भारत के राज्य की खोज के विषय से परिचित कराया गया। भारत के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की जानकारी दी तथा गोवा राज्य से संबंधित कुछ तथ्य सिखाए गए। गोवा के वनस्पतियों, नदियों, मंदिरों की स्थिति से परिचित कराया गया। घर पर झांकी बनाने और गणतंत्र दिवस मनाने की गतिविधि कराई गई। गोवा के रीति-रिवाजों, परंपराओं, लोकनृत्यों, पारंपरिक पहनावों पर जानकारी दी गई। राज्य के व्यंजनों, हस्तशिल्प, त्यौहारों, प्रसिद्ध समुद्र तटों के बारे में समझाया। उपरोक्त सभी गतिविधियों की पीपीटी, वीडियो भी तैयार किए गए।

तबला अनुभाग में बच्चों को ताल के बारहवें प्रकार, ताल रूपक के प्रकार, भजनी थेका तथा भजनी थेका की विविधताओं की जानकारी दी गई।

सितार अनुभाग में बच्चों को राग भोपाली से परिचित कराया गया। इसके आरोह, अवरोह के बारे में बताया गया। राग भोपाली की पहचान तथा बंदिश की जानकारी दी गई।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग में बच्चों को उनकी माँसपेशियों मे लचीलापन, ताकत, तथा प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करने के लिए विभिन्न प्रकार के व्यायाम करवाये गयें जैसे पुल अप्स, पुश अप्स, स्क्वेटस, सुपरमैनस, क्रन्चेस, चेन अप्स, लेग रेजेस, बर्ड डोग, हाई नीस, बैंच डिप्स, हाई रेजेस, क्रावल इन व्यायामों के अतिरिक्त बच्चों ने अपने घर में रहकर ही जमीनी व्यायामों को किया जैसे बटरफ्लाई पोज़, माऊँटेन पोज़, ट्री पोज़, आर्चर पोज़, फ्रोग पोज़ और पूर्ण रूप से स्वस्थ और और स्फूर्तिदायक महसूस किया। इसके अतिरिक्त बच्चों ने फन व्यायाम भी किए जैसे जम्प अप एंड डाऊन (10 बार), स्पिन अराऊँड इन सर्किल (5 बार), डू कार्टव्हील्स (10 बार), होप लाइक ए फ्रोग (10 बार), वॉक लाक ए बीयर (5 बार)

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में हुए शहीदों की याद में मौन दिवस

दिनाँक 30 जनवरी, 2021 को भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की याद तथा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के समस्त कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यस्थल व अनुभाग में खड़े होकर दो मिनट का मौन रखा।

फरवरी, 2021

पर्यावरण और मछलीघर अनुभाग में बच्चों ने पेड़ की पत्तियों के आकार, पत्तियों की वेन्स के प्रकारों का पता लगाने के साथ-साथ क्रोमैटोग्राफी सिद्धांतो को भी समझा। पत्तियों के सूखने पर परिवर्तन, एडी करेंट, आरजीबी लाइट्स, सेंट्रीफ्यूगल फोर्स, चुंबकीय क्षेत्र, अंतहीन छवि, मधुमक्खी के बारे में जानकारी, क्लाउन लैब फिश का निरीक्षण आदि की भी जानकारी प्राप्त की।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा योग, सूर्य नमस्कार, ध्यान, जूडो आदि फिटनेस गतिविधियों को सिखाया गया।

संग्रहालय अनुभाग में हमारे मूल्यों को को महत्व देना नामक कार्यक्रममें कहानी सुनाना, पी. पी.टी., वीडियों, संग्रहालय की मूल्य भित्ती का भ्रमण आदि गतिविधियों द्वारा नैतिक मूल्यों का महत्व समझाया गया, जिससे वह भविष्य में समझदार जागरुक नागरिक बन सकें एवं उनमें धैर्य निर्माण हो सके। 'ज्ञान मीटर' नामक कार्यक्रम में उनके जिज्ञासु मन को पक्षियों, भूमि एवं जल पशु, कीड़े आदि के बारे में रोचक गतिविधियों द्वारा दिलचस्प तथ्य बताए गए। 'मनाए बसंत का त्योहार' नामक

कार्यक्रम में जिसमें बच्चें को विभिन्न मौसमों के बारे में बताते हुए खेल-खेल में बच्चों का बसंत ऋतु के दौरान मनाए जाने वाले त्योहार बताए गए जिसमें उद्यानोत्सव पर विशेष ध्यान दिया गया। 'आओ हमारी मातृभूमि की खोज करें कार्यक्रम में बच्चों को दिल्ली के एक पड़ोसी राज्य/संघ शासित प्रदेश की संस्कृति के बारे में ज्ञानवर्धक गतिविधियों द्वारा बताया गया।

भरतनाट्यम अनुभाग में बच्चों को दूसरी और तीसरे काल (गीत) में मिश्रचापु ताल बजाना सिखाया गया। ताल को पहली, दूसरी व तीसरी गति में बजाने का अभ्यास कराया गया। सप्त ताल को पढ़ना व स्वरूप को बताया गया। ध्रुव ताल को तिश्र ओर चतुश्र जाति के साथ लगाना सिखाया गया। ध्रुव ताल को खण्ड जाति के साथ बजाना सिखाया गया तथा ध्रुव ताल को तीनो जाति के साथ बजाने का अभ्यास कराया गया।

कंठ संगीत अनुभाग में बच्चों को सरस्वती वंदना (श्लोक और स्तुति), भजन (स्थाई और अंतरा), राजस्थानी लोक गीत (स्थाई और अंतरा ताल के साथ), गजल (स्थाई और अंतरा ताल के साथ) सिखाया गया।

नाटक अनुभाग में बच्चों को विभिन्न विषयों पर वीडियो बनाकर दिखाए जैसे टंग ट्विस्टर अभ्यास, गज़ल कैसे पढ़े, ऑब्जर्वेशन स्किल, खुद की कल्पना, कठिन शब्द बोलने का अभ्यास, गैर-मौखिक अभिनय-1, गैर-मौखिक अभिनय-2, गैर-मौखिक अभिनय-3, संवाद वितरण अभ्यास, रिवीजन साप्ताहिक सभी गतिविधियाँ, वॉयस पिच, स्टार्ट लिसनिंग, इम्प्रूवमेंट, स्क्रिप्ट, प्ले के बारे में डिस्कशन, प्ले राइटिंग वर्क, स्क्रिप्ट वर्क, रीडिंग सेशन और ऑल वर्क के बारे में चर्चा की गई।

लोक नृत्य अनुभाग में बच्चों को राजस्थान के नए लोक नृत्य "घूमर" के साथ संगीत और बिना संगीत के कुछ बुनियादी आंदोलन का नृत्य सिखाया गया।

सितार अनुभाग में बच्चों को सभी भाग के राग भूपाली और राग भूपाली (अंतरा) का पुनरीक्षण सिखाया गया।

तबला अनुभाग में बच्चों को कायदा तीन ताल का प्रथम से चौथा पल्टा सिखाया गया साथ ही सीखी गई तालों का अभ्यास कराया गया।

मिले-जुले अनुभाग में छोटे बच्चों के लिए मनोरंजक वीडियो तैयार किए जैसे :- चार्ट पेपर, पुरानी मैगज़ीन के कागज़ और क्रेप पेपर द्वारा 3डी हाथी, 3डी घोड़ा बनाना, रंगीन पेपर से पक्षी, फोटो फ्रेम, बिल्ली, गाय, पेपर से मुखौटा, 3डी मछली, 3डी घोड़ा तथा झोपड़ी बनाना सिखाया गया।

मिट्टी कला अनुभाग में बच्चों को मिट्टी से विभिन्न प्रकार के जानवर, विभिन्न प्रकार के पक्षी, विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तन आदि बनाना सिखाया गया।

बुनाई कला अनुभाग में बच्चों को विभिन्न प्रकार की हथकरघा मशीनों की जानकारी दी गई, सिंथेटिक फाइबर के प्रकार की जानकारी, भारत में विभिन्न राज्यों के जनजातीय वस्त्रों की बुनाई की जानकारी दी गई।

छायांकन अनुभाग में बच्चों को लैंडस्केप फोटोग्राफी पर ट्यूटोरियल..... लैंडस्केप कैप्चर कैसे करें?, वीडियो एडिटिंग और लैंडस्केप फोटोग्राफी पर ट्यूटोरियल आदि दिखाए गए।

गृह प्रबंधन अनुभाग में बच्चों को विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाना सिखाया गया जैसे :- टमाटर और चिली सॉस, शहज़वान सॉस, हरी चटनी के प्रकार, गुड़ इमली सॉस, पौष्टिक पिज्जा रैप, अफगानी पनीर मोमोज, तंदूर के साथ पनीर तंदूरी, बेक्ड मटर कचौरी, चीज परांठा, आटा और दूध का केक, रवा लड्डू, बेसन सूजी के लड्डू, बाजरे के लड्डू, रोअट के लड्डू इत्यादि।

ध्यान एवं योगाभ्यास

कोविड-19 महामारी के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करते हुए "सामाजिक दूरी" तथा अनिवार्य रूप से "मास्क" लगाकर दिनाँक 9 फरवरी से 27 फरवरी, 2021 तक राष्ट्रीय बाल भवन में शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा समस्त कर्मचारियों को ग्रुपों के अनुसार ध्यान एवं योगाभ्यास कराया गया। ध्यान एवं योगाभ्यास कराने का उद्देश्य था - कर्मचारियों को फैल रही महामारी से बचाव के उपाय एवं तनाव से मुक्त जीवन रखने एवं दिन-चर्या में सकारात्मक सोच से अच्छा प्रभाव रहे।

बसंत पंचमी उत्सव

राष्ट्रीय बाल भवन में 16 फरवरी, 2021 को बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में माता सरस्वती जी की पूजा की गई। इस दौरान श्री मुकेश गुप्ता, उपनिदेशक (प्रशासन) ने सरस्वती माता को माला अर्पण कर फूल चढ़ाऐ। तत्पश्चात् उपस्थित 17 कर्मचारियों ने भी माता को फूल चढ़ाकर मंगल कामना की। इस कार्यक्रम में लगभग 17 कर्मचारियों ने भाग लिया। अंत में सभी सहभागियों को मिठाईयाँ बाँटी गई।

मातृभाषा दिवस

कोविड-19 महामारी के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करते हुए शिक्षा मंत्रालय द्वारा भेजे गए लिंक webcast.gov.in/mhrd, education.gov.in एवं education.gov.in/hi से जुड़कर राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों ने दिनाँक 21 फरवरी, 2021 को मातृभाषा दिवस कार्यक्रम में भाग लिया।

वर्चुअल टॉय फेयर

कोविड-19 महामारी के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करते हुए लिंक www.thindiatoyfair.in से जुड़कर राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों ने दिनाँक 27 फरवरी, 2021 वर्चुअल टॉय फेयर कार्यक्रम में भाग लिया।

मार्च, 2021

शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा वार्म अप व्यायाम, सर्किट ट्रेनिंग, जॉगिंग, बैक पर जंप और पैर के नीचे से गुजरना, हैंड वॉक, सिट एंड अप जंप, डक वॉक, लाइट जॉगिंग, शटल रन, ट्विस्ट सिट अप, लंबी कदम कूद, विभिन्न प्रकार की दौड़, सूर्य नमस्कार, फेफड़े, स्क्वाट्स हाफ, उची कोमी को खींचना और उठाना। बच्चों के लिए दैनिक फिटनेस चुनौती जैसे क्रेब वॉक, 20 पुशअप्स, 10 सिट अप्स, 5 कार्टव्हील्स, हैंड स्टैंड, रन इन प्लेस, 4 लंग्स, 5 सिट अप्स, 30 सेकंड प्लैंक, 10 लेग किक, शटल रेस, सूर्य नमस्कार आउटडोर वर्कआउट, लोअर बॉडी स्ट्रेंथ वर्कआउट, फुल बॉडी कंडीशनिंग वर्कआउट, फ्रंट एब्डोमिनल वर्कआउट, मैराथन, एक्सरसाइज आदि फिटनेस गतिविधियों को कवर किया गया।

भरतनाट्यम अनुभाग में बच्चों को दूसरे व तीसरे ताल में मिश्रचपु ताल सिखाई। मिश्रचपु ताल को पहली, दूसरी और तीसरी गति में लगाने का अभ्यास कराया। सीखी हुई लय का अभ्यास, सप्त ताल को रूप से पढ़ना, ध्रुव ताल के रूप में तीसरी और चौथी जत्थियों में इसे लागू करना सीखा। पांच जातियों का अभ्यास करना, ध्रुव ताल को खंड जत्थियों से जोड़ना सीखना, ध्रुव ताल को चौथी जातियों से जोड़ने का अभ्यास कराया गया।

कंठ संगीत अनुभाग में बच्चों को अलग-अलग प्रकार की ठुमरी (ताल के साथ स्थाई, अंतरा), पंजाबी लोक गीत (ताल के साथ स्थाई और अंतरा), भजन (ताल के साथ स्थाई और अंतरा), होली गीत (स्थाई, अंतरा) सिखाया और दादरा शैली का गीत सिखाया गया।

नाटक अनुभाग में बच्चों को स्क्रिप्ट डिजाइन और पोशाक का उपयोग कैसे करें, संगीत के अनुसार दृश्य कार्य और चरित्र चित्रण, अभिनय के लिए आंखों के संपर्क का उपयोग और चरित्र पर ध्यान केंद्रित करने, दैनिक दिनचर्या व्यायाम गतिविधि "दौड़ना" और एक किताब पढ़ने पर भी वीडियो बनाए गए।

लोक नृत्य अनुभाग में बच्चों को संगीत के बिना घूमर नृत्य का चौथा पैराग्राफ सिखाया गया। संगीत के साथ घूमर नृत्य का अभ्यास कराया गया, घूमर नृत्य के अंतिम संगीत भाग का अभ्यास और घूमर नृत्य समाप्त किया तथा पुराने नृत्य जैसे मछुआरे लोक, लावणी नृत्य, चौमासो नृत्य, बिहू नृत्य का अभ्यास कराया गया।

मिट्टी कला अनुभाग में बच्चों को पर्यावरण पर आधारित मॉडल बनाना सिखाया गया।

फोटोग्राफी अनुभाग में बच्चों को नियमित रूप से शिक्षकों द्वारा फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी का ऑन लाइन प्रशिक्षक तथा सम्बन्धित उपकरणों के रखरखाव, फोटोग्राफी रिकॉर्ड और अन्य फोटोग्राफी से संबंधित काम सिखाया गया।

मिले-जुले अनुभाग में छोटे बच्चों के लिए मनोरंजक वीडियो तैयार किए जैसे :- कार्डबोर्ड से बिल्ली बनाना, हाथी का मुखौटा बनाना और रंगीन कागज से पक्षी बनाना, बेकार कागज़ से चूहा बनाना, मुखौटा बनाना, तितली बनाना, रंगीन कागज से दृश्यावली और मधुबनी, वर्ली पेंटिंग, फूल बनाना, रंगीन कागज से स्टार बनाना, बेकार कागज से पक्षी बनाना, पक्षियों के लिए लटकता हुआ घोंसला बनाना, रंगीन कागज से कछुआ बनाना, दीवार पर लटकने वाले लटकन, गुड़िया बनाना, रंगीन कागज से फोटो फ्रेम आदि बनाना सिखाया गया।

बुनाई कला अनुभाग में बच्चों को बुनी हुई पेपर फिश, पेपर क्लिप, ब्रेसलेट, नेकलेस, हेयर बैंड के बारे में जानकारी दी गई और विभिन्न प्रकार के पेपर से बुनाई, टोकरी बुनाई, रिबन बुनाई और डेनिम कपड़े के बारे में जानकारी जैसे विषयों को विभिन्न वीडियो के माध्यम से पढ़ाया गया।

हस्तकला अनुभाग में बच्चों को विभिन्न विषयों जैसे बुकमार्क बनाना, क्रेप पेपर के फूल, पन्नी पेपर क्राफ्ट बनाना, कोलाज बनाना, प्लास्टिक बोतल शिल्प, ओरिगेमी परिचय, ओरिगेमी के प्रकार, ओरिगेमी फूल विधियाँ, तितली शिल्प, लोमड़ी का चेहरा, चीते का चेहरा, डॉग फेस, पिग फेस, क्वाला फेस, पेंगुइन शिल्प, शेर का चेहरा, उल्लू, भालू का चेहरा, हाथी का चेहरा, चूहा, व्हेल मछली आदि ऑनलाइन सिखाये गए। इन कार्यक्रमों की वीडियों भी अपलोड की गई।

पर्यावरण एवं मछलीघर अनुभाग में फूल के भाग, पहेलियाँ, पराग-अवलोकन, तितली की पहचान, कीट पतंगो की पहचान, सिरका और बेकिंग सोडा की प्रतिक्रिया, पदार्थों का पृथक्करण, प्लास्टिक की बोतलों का पुनर्चक्रण और पदार्थों पर बच्चों के साथ ऑनलाइन चर्चा हुई।

ध्यान एवं योगाभ्यास

कोविड-19 महामारी के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करते हुए "सोशल डिस्टेंसिंग" तथा अनिवार्य रूप से "मास्क" पहनकर ही दिनाँक 4 मार्च से 31 मार्च, 2021 तक शारीरिक शिक्षा अनुभाग के प्रशिक्षक द्वारा ग्रुपों के अनुसार ही ध्यान एवं योगाभ्यास कराया गया। ध्यान एवं योगाभ्यास कराने का उद्देश्य था - कर्मचारियों को फैल रही महामारी से बचाव के उपाय एवं तनाव मुक्त जीवन एवं दिन-चर्या में सकारात्मक सोच से अच्छा प्रभाव रहे।

हिन्दी कार्यशाला

कोविड-19 महामारी के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करते हुए "सोशल डिस्टेंसिंग" तथा अनिवार्य रूप से मास्क पहनकर ही दिनाँक 30 मार्च, 2021 को "हिंदी कार्यशाला" का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कार्यालयी कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों के साथ-साथ कुछ उपयोगी अभ्यास कार्य भी कराए गए।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

कोविड-19 महामारी के कारण कार्यालयी कार्यों को सुचारू रूप से कार्यान्वित करने के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनाँक 31 मार्च, 2021 को "गूगल मीट" द्वारा की गई जिसमें ज्यादा से ज्यादा हिंदी में कार्य करने पर जोर दिया गया और तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट - अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिया जाना, भेजे गए मूल पत्रों का ब्यौरा, आगामी कार्य योजना/सुझाव राजभाषा संबंधी नियमों, धाराओं तथा अन्य संबंधित जानकारी से कर्मचारियों को अवगत कराना, कार्यालयी कार्यों में कम्प्यूटर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों से यूनीकोड/राजभाषा हिंदी में टाइपिंग संबंधी प्रमाण-पत्र/सहमति लेना आदि पर भी चर्चा की गई। श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) ने कहा कि सभी कर्मचारी कार्यालयी कार्यों में हिंदी में सरल एवं स्पष्ट शब्दों का प्रयोग करें जिससे आगामी तिमाही में राजभाषा हिंदी का कार्यालयी कार्यों में प्रतिशतता में वृद्धि होगी। इस बैठक में लगभग 10 कर्मचारियों ने भाग लिया।

जवाहर बाल भवन, माण्डी

संक्षिप्त परिचय

70 के दशक में राष्ट्रीय बाल भवन ने अपने उद्देश्यों के अनुरूप अपना विस्तार किया। इसी दिशा में पहला कदम था देश भर में जवाहर बाल भवनों की स्थापना। दिल्ली के देहात और झुग्गी-झोंपड़ी बहुल दक्षिणी दिल्ली के सीमांत पहाड़ी क्षेत्र में दिल्ली की सीमा में आने वाले अन्तिम गांव 'मांडी' में जवाहर बाल भवन की स्थापना सन् 1972 में की गई जिसे हम ''जवाहर बाल भवन, मांडी या बाल भवन मांडी'' के नाम से जानते हैं।

कार्यशैली

अपनी स्थापना के समय से ही बाल भवन मांडी अपने आसपास के अनेकों वंचित बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अनौपचारिक शिक्षा उपलब्ध कराता आ रहा है। बाल भवन, मांडी के आसपास लगभग 15 गांव (मंगलापुरी, सुल्तानपुर, घिटोरनी, गदईपुर, आया नगर, जौनापुर, सतबड़ी, छत्तरपुर, चांदनहोला, फतेहपुर बेरी, असोला, डेरा गांव, भाटी माईन्स, मांडी गांव तथा कुछ हरियाणा राज्य के गांवों ग्वाल पहाड़ी, बालियावास के साथ-साथ अनेकों झुग्गी-बस्तियाँ हैं। इनमें रहने वाले हज़ारों परिवारों के बच्चे प्रतिदिन बाल भवन मांडी के विभिन्न अनुभागों में अनेकों सृजनात्मक गतिविधियों का लाभ लेते हैं।

अनूठा वातावरण एवं शिक्षा पद्धति

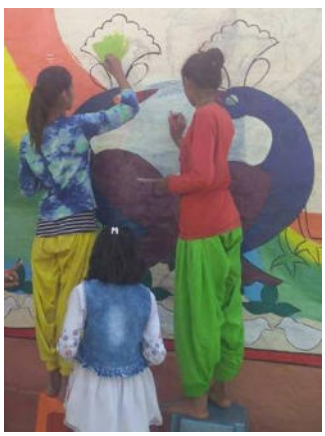

बाल भवन की अद्वितीय और रोचक शिक्षण पद्धति इसे औपचारिक शिक्षा पद्धति से अलग बनाती है। जहां एक ओर औपचारिक शिक्षा नियमित पठन-पाठन और आंकलन पर निर्भर होती है वहीं बाल भवन अपने सदस्यों को उनके अनुरूप लचीला और रोचक अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराता है। उदाहरण के लिए चित्रकला सीखने वाले दो अलग-अलग बच्चों को औपचारिक अध्ययन में पहले सैद्धांतिक अध्ययन करना अनिवार्य होता है, तत्पश्चात् प्रायोगिक अध्ययन की बारी आती है। जबकि बाल भवन में पहले बच्चे को उसकी रूचि के अनुरूप प्रायोगिक अध्ययन अथवा खेल-खेल में चित्रकला कराई जाती है और जब बच्चे में उसको लेकर और जिज्ञासा जागती है तो उसे रोचक या कहानी के रूप में उस सैद्धांत का अध्ययन को कराया जाता है जोकि पहले रसहीन या उबा देने वाला था। इसी प्रकार का प्रभाव तकनीकी ज्ञान में होता है। बच्चे जब कम्प्यूटर सीखना आरंभ करते हैं तो उन्हें पहले ढेर सारा लेखन कार्य करना होता है जोकि बच्चों को आमतौर पर उबा देने वाला होता है। इसके विपरित यदि उन्हें चित्रमय माध्यम से सीखने और समझने का अवसर दें तो उन्हें और अधिक प्रभावी रूप

से समझ जाएगा। इसके साथ ही यदि किसी तरह उनकी रुचि के अनुरूप समय भी लचीला दे दिया जाए तो वे अपने पूरे मन से, अपनी इच्छानुसार समय पर पूरी रुचि के साथ सीखते हैं।

बाल भवन, मांडी इसी सिद्धांत पर ग्रामीण बच्चों के साथ कार्य करता है। क्योंकि गांव और बस्तियों में बच्चे अपने घर के काम में भी अक्सर व्यस्त रहते हैं। अत: एक नियमित समय पर उनका बाल भवन आना कई बार संभव नहीं हो पाता। अत: ऐसी स्थिति में ही बाल भवन की पूरे दिन बच्चों के लिए उनके अनुसार उपलब्ध रहने का सिद्धांत चरितार्थ हो जाता है और बच्चा पूरे दिन में, पूरे सप्ताह में, पूरे माह में जब भी आए तब ही उसे अपना प्रशिक्षक और अध्याय वहीं मिल जाए।

लाभ और आवश्यकता

किसी भी संस्थान को स्थापित या किसी कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व हम उससे होने वाले लाभ और उसकी मूल आवश्यकता का अध्ययन अवश्य करते हैं। बाल भवन के विषय में इसके संस्थापकों की दूरदर्शिता की प्रशंसा करना आवश्यक है। जिस समय जवाहर बाल भवनों की स्थापना हुई उस समय देश में पर्याप्त संख्या में विद्यालय उपलब्ध नहीं थे। यही स्थिति दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र की भी थी। ज्यादातर आबादी गांव या बस्तियों में ही रहा करती थी। गांव के अधिकतर बच्चे विद्यालय गांव से दूर होने के कारण विद्यालय नहीं जाते थे और वे या तो गलियों में खेलकर या अपने खेल-खलिहानों के कामों में हाथ बंटाते थे। इन बच्चों की प्रतिभा को संजोने और उन्हें विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण देने का काम किया बाल भवन मांडी ने। इसका साक्ष्य आज आसपास के गांव के वे वृद्ध और प्रौढ़ हैं जिनकी तीसरी पीढ़ी उनकी अंगुली पकड़कर आज बाल भवन मांडी आती है और वे अपने समय की गतिविधियों का जिक्र करते हैं।

यही संस्कृति आज भी जारी है। गांव और झुग्गी-बस्तियों के बच्चे जिसमें वे बच्चे भी शामिल हैं जो किसी कारण से स्कूल नहीं जाते या जो स्कूल के बाद बचने वाले अपने समय का सदुपयोग करने के इच्छुक हैं वे बाल भवन में आकर अपने समय का सदुपयोग करते हैं और विभिन्न रोचक और मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेते हैं।

कोविड महामारी के दौरान जवाहर बाल भवन, मांडी

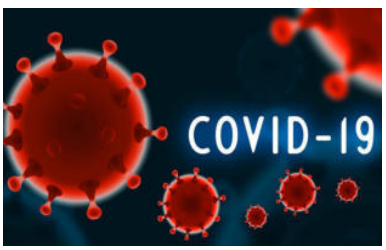

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 का आरंभ कोरोना महामारी के काल में हुआ। इन विकट परिस्थितियों में बाल भवन मांडी के सामने न केवल गतिविधियों को जारी रखना एक अभूतपूर्व स्थिति थी बल्कि घर में बन्द सभी से कटे हुए रहकर जी रहे बच्चों की मन:स्थिति को भी संतुलित रखने की जिम्मेदारी बाल भवन मांडी के लिए चुनौती बन गई थी। प्रशासनिक कर्मचारियों को जहां एक ओर सभी कार्यों को घर से ही जारी रखने का निर्देश दिया गया वहीं दूसरी ओर सभी कार्यकलाप प्रशिक्षकों को सभी बच्चों के साथ ऑनलाइन चाहे वह मोबाइल के माध्यम से हो या विडियो के

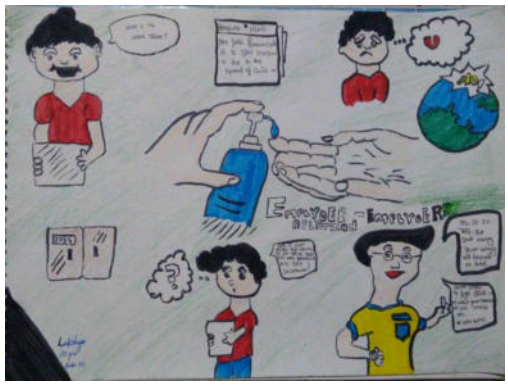

माध्यम से जुड़ कर उन्हें लगातार गतिविधियों में व्यस्त रखकर समय का सदुपयोग करते हुए नाकारात्मक गतिविधियों और विचारों से बचाकर रखना था। इस दौरान बाल भवन मांडी ने बच्चों के साथ रबिन्द्र जयन्ती, क्रिसमस, मांडी दिवस तथा पर्यावरण दिवस, गांधी जयन्ती, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती पराक्रम दिवस के अवसर पर बच्चों के साथ विषय आधारित कार्यकलाप करवाते हुए बच्चों के साथ मनाया गया। क्रिसमस और माण्डी दिवस को भी बच्चों के साथ ऑनलाईन मनाया। प्रशिक्षकों ने निरंतर बच्चों के साथ जुड़कर पूरे कोरोना काल में बच्चों से न केवल विभिन्न गतिविधि

याँ करवाईं बल्कि उनको यह भी सिखाया कि किस तरह वे इस आपदा के समय को अवसर के रूप में प्रयोग कर इसमें अनेकों उपयोगी कार्यकलाप सीख सकते हैं। कला एवं शिल्प कला अनुभाग प्रतिदिन बच्चों के साथ जुड़कर विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों को बनाने का तकनीकी और प्रायोगिक ज्ञान बच्चों को देता आ रहा है। बच्चों के साथ घर पर ही रहकर घर में उपलब्ध और प्राथमिक रूप से अनुपयोगी वस्तुओं को प्रयोग कर अनेकों सृजनात्मक कृतियों का निर्माण भी करवाया। इसी तरह कम्प्यूटर अनुभाग ने बच्चों के लिए अनेकों ज्ञानवर्धक ऑनलाइन कक्षाओं का अयोजन किया। इसी दौरान बच्चों के साथ मिलकर उनके द्वारा सांझा की गई सूचनाओं को संकलित कर उनको बाल समाचार-पत्र गुपचुप मांडी टाइम्स के कोरोना अंक को ई पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया। अनुभाग की गतिविधियों के साथ-साथ संगणक अनुभाग जवाहर बाल भवन मांडी के दैनिक कार्यालयी और प्रशासनिक कार्यों में भी अपना निरंतर योगदान देता आ रहा है। कोराना काल के दौरान बच्चों की ई-कक्षाओं के साथ-साथ विभिन्न सृजनात्मक कार्यकलाप, हिन्दी के समस्त कार्य जैसे नोटिंग-ड्राफ्टिंग, कार्यालय आदेश, परिपत्र, डयूटी रोस्टर, बच्चों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रपत्र, कार्यकलाप प्रतिवेदन सूचना संकलन, सभी अनुभागों की विडियो को संपादित कर यू-ट्यूब पर अपलोड करना, ब्लॉग वेबसाईट का अद्यतन, हिन्दी टंकण कार्य, प्रकाशन अनुभाग की डिजिटल पत्रिका ''विचारक बापू और बच्चे'' के लिए हिन्दी का समस्त टंकण कार्य आदि कार्य भी संगणक अनुभाग निरंतर करता आ रहा है। नृत्य अनुभाग विडियो के माध्यम से सभी बच्चों को विभिन्न नृत्य शैलियों का प्रशिक्षण ऑनलाईन देने के साथ-साथ नृत्य की सैद्धांतिक सूचनाएं भी बच्चों के साथ सांझा कर रहा हैं ताकि बच्चें प्रायोगिक ज्ञान के साथ अपना सैद्धांतिक ज्ञान भी बढ़ाते रहें। गांधी जयन्ती पर प्रशिक्षण पश्चात् नृत्य की प्रस्तुति की गई। बापू के प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' तथा बापू के जीवन पर आधारित नृत्य की प्रस्तुती भी की गई। इसी प्रकार कंठ संगीत अनुभाग ने विभिन्न गीतों, और रागों का ज्ञान इस दौरान बच्चों को वीडियो कक्षाओं के माध्यम से दिया। गांधी जयन्ती के अवसर पर बच्चों ने अपने-अपने घर से ही प्रशिक्षक द्वारा सिखाए गए गीत को कंठबद्ध कर प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त बच्चों ने विभिन्न गीतों को गाने का अभ्यास भी प्रशिक्षक की देखरेख में किया। हालांकि कुछ प्रशासनिक कारणों से वर्तमान में कंठ संगीत प्रशिक्षक की कक्षाएं बच्चों को उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। वाद्य संगीत, खेल, प्रकाशन और गृह प्रबंधन आदि की गतिविधियों की विस्तृत जानकारियाँ

गुप-चुप मांडी टाईम्स
कोरोना महामारी विशेषांक
Vol. : IV Issue : 1 May 2020 Published by : JBB Mandi, New Delhi

MANDI DIVAS
JBB Mandi was founded on 3rd February 1972. This day is celebrated every year as Mandi Divas

JBB Mandi was founded on 3rd February 1972 by the then Prime Minister and Chairperson National Bal Bhavan. This day is celebrated every year as Mandi Divas. This year it was celebrated for a fortnight with a plethora of activities. Throughout the fortnight celebration children of member schools and institutes along with member schools participated in the varied activities. There were different activities and competitions daily. The celebration began with sports meet, on the following day Children enthusiastically participated in Role play of various characters which also ensured Knowledge enhancement of children. On the subsequent day an on the spot Painting Competition was organized for children in three age groups. Publication related activities were conducted with children of member institutes and member children in the morning and afternoon session respectively. Children learnt how to make greeting card, book marks, note pads and cartoon making too under the guidance of Publication manager. Cultural Competitive Rounds of dance, vocal and instrumental music were held for 2 days in two sessions daily: morning session (member school Children) and Afternoon session (Member Children). Clay modelling workshop and competition was organized in the post noon session on 13th and 14th February. On the finale day of fortnight Celebration of Mandi Divas
Early in the morning Children made huge alpanas at the entrance route. This was followed by a puppet show (traditional and modern) by Sh. Ajit Bhatt and other members of

.......Continued on page No. 3

जाने क्यों कोरोना आया

PERFORMANCE BY CHILDREN AT WORLD BOOK FAIR
7th January 2020
Children of Jawahar Bal Bhavan Mandi was invited by National Book Trust to present cultural programmes at the World Book Fair. The children presented a rich repertoire of dances, songs and instrumental music at Cultural Fiesta at World Book Fair, Pragati Maidan on 7th January 2020. The Chari Dance was greatly appreciated and so was the nakkara recital.

A REVERENCE TOWARDS THE HEROIC LEGENDS
PROTUAPI CHATERJEE (Bal Shree 2006, Kolkata)
Yes there are stars other than Sun, in this universe. The only difference is that we cannot see through our naked eyes. Similarly people who left this earth is still with us. It is just the distance which make got enlarged and us difficult to see them. But that doesn't make their presence false, only the physical touch will be absent.
A little tribute to our legends who left us during this hard time.

INTERNATIONAL LABOUR DAY
International Labour Day... The children of Jawahar Bal Bhavan Mandi observed this day to show their love and regards for their parents as all parents labour and strive hard to provide the best to their children. Each child made two paintings at home one for mother and one for father and presented it to them on this day to show their gratefulness. This activity was done under the mentorship of Gangotree Dasgupta

Jemima Nath
Srishti Doshi
Paramjeet & Nishtha
Tanupriya & Tarun

आगे प्रस्तुत कार्यकलाप प्रतिवेदन में दी जा रही हैं। वर्ष 2020-21 के दौरान अभी तक कुल 115 बच्चों ने सदस्यता हेतु ऑनलाइन पंजीकरण करवाया है जोकि आरोही क्रम में वृद्धि कर रहा है। बाल भवन मांडी के यू-ट्यूब चैनल का अभी तक सैकड़ों बच्चे लाभ उठा चुके हैं।

परिणाम तथा प्रभाव

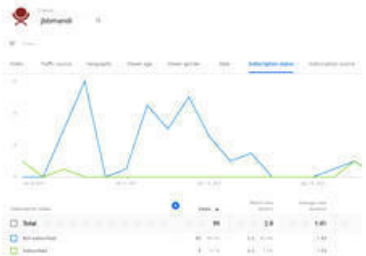

बच्चों के पंजीकरण को जारी रखने के लिए बाल भवन मांडी के कम्प्यूटर अनुभाग ने बच्चों को ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र उपलब्ध कराया जिसे बच्चों को व्हाट्सऐप, फेसबुक और वेबसाइट के माध्यम से भेजा गया। अभी तक 100 से अधिक बच्चों ने इस प्रपत्र के माध्यम से विभिन्न कार्यकलाप अनुभागों के लिए अपना पंजीकरण करवाया है। इसके साथ ही बाल भवन मांडी द्वारा चलाई जा रही ऑन लाइन कक्षाओं का ही परिणाम है कि बच्चे न केवल नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित होते है बल्कि समय पर कक्षा न आने की स्थिति में सम्बंधित कार्यकलाप के व्हाट्सऐप ग्रुप, ब्लॉग वेबसाइट और यू-ट्यूब पर उपलब्ध बाल भवन मांडी की कक्षाओं के वीडियो का लाभ ले रहे हैं। इसका परिणाम रहा है कि बच्चे घर पर रहकर ही अपनी सुरक्षा भी कर पा रहे हैं और फोन के माध्यम से अपनी आवश्यकतानुसार कक्षाओं के निवेदन भी अपने प्रशिक्षकों तक पहुंचा रहे हैं। प्रतिक्रियास्वरूप बच्चे कला-शिल्प, नृत्य, संगीत, गृह-प्रबंधन आदि कार्यकलापों में सीखाए जा रहे कार्यकलापों को सीख कर उनके स्वयं द्वारा किए गए प्रयोगों को समान माध्यम से सांझा भी कर रहे हैं।

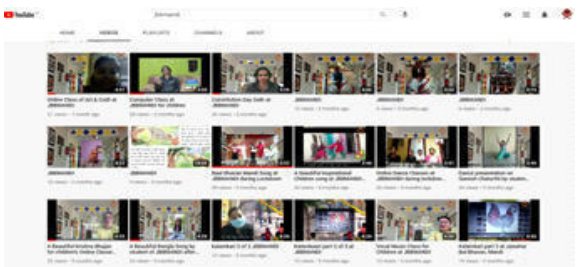

इस ऑनलाइन प्रशिक्षण का प्रभाव यह रहा कि बच्चे अपने घर पर रहकर अभ्यास करने और प्रश्नों की उत्पत्ति करने में व्यस्त हो रहे हैं। परिणामस्वरूप वे किसी भी बुरी संगती से बचे हुए हैं और मानसिक रूप से सजग और एकाग्र होने के साथ-साथ प्रसन्नचित भी रह पा रहे हैं।

कला एवं शिल्प अनुभाग

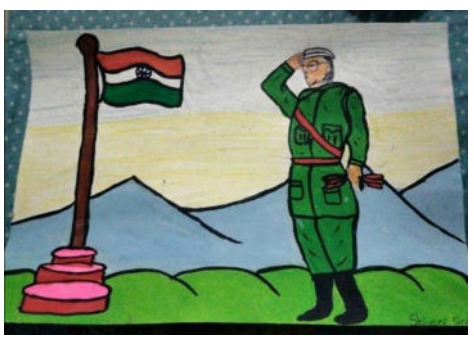

कोरोना महामारी के दौरान बच्चों को मनोरंजक और सृजनात्मक रूप से व्यस्त रखने में जवाहर बाल भवन मांडी के कला एवं शिल्प अनुभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कला अनुभाग द्वारा लगातार बच्चों को साथ लेकर कक्षाओं का नियमित आयोजन किया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह से सभी कक्षाओं में भाग लिया तथा सिखाए गए कार्यकलाप को स्वयं करके सुन्दर कलाकृतियां बनाईं और उनकी छायाचित्र भी सांझा किया। विभिन्न उत्सवों के अवसरों जैसे गांधी जयन्ती, रविन्द्र नाथ टैगोर जयन्ती पराक्रम दिवस (नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती) पर बच्चों को कक्षाओं में अध्ययन के साथ साथ बच्चों को कार्य करके प्रस्तुत करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

इनमें से कुछ आकर्षण थे घर पर उपलब्ध अनुपयोगी सामग्री से मिश्रित माध्यम की चित्रकारी, अखबार से फूल बनाना, रविन्द्र नाथ टैगोर जी का पोट्रेट, पेपर मेशी, एल्यूमिनियम फॉइल से मूर्ती रचना आदि रहे। रविन्द्र जयन्ती पर बच्चों से उनके द्वारा रचित कविताओं पर चित्रकला करवाई गई, उनका व्यक्तित्व चित्रण तथा कविताएं लिखवाई गई।

महामारी के कारण ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान बच्चे अपने-अपने घरों में बन्द थे तो उन्हें वातावरण के अनुरूप गतिविधियाँ करवाई गईं जैसे गर्मियों के फलों की चित्रकारी करवाना, कलमकारी की कला से परिचित करवाना और उनका विस्तृत अभ्यास करते हुए उन्हें प्रस्तुत करना सीखाया गया।

गृह प्रबंधन अनुभाग

गृह प्रबंधन अनुभाग ने पूरे वर्ष भर बच्चों को विभिन्न स्वादिष्ट भोजन बनाने की विधि सिखाई और उन्हें पौष्टिक भोजन के साथ-साथ पोषण के महत्व को भी समझाया। बीमारी के दौर में जहां बच्चों को खाने के लिए सीमित विकल्प ही मिल पा रहे थे ऐसे में बाल भवन मांडी के गृह प्रबंधन अनुभाग ने उन्हें विभिन्न पौष्टिक पदार्थों को और अधिक स्वादिष्ट तरीके से बनाना सिखाया। बच्चों ने गतिविधियों के दौरान दी गई जानकारी से लाभ लेकर स्वयं इन व्यंजनों को अपने घर पर पकाया और उनकी फोटो तथा वीडियों सांझा की। कुछ बच्चों ने अपनी पसंद की अन्य पाक सामग्रियाँ जैसे केक, बिस्कुट आदि भी बनाईं और इस विषय में फोटो, बनाने की विधि तथा वीडियो बनाकर शेयर किए ताकि अन्य बच्चे भी उन व्यंजनों को बनाने की विधि जानकर उन्हें बना सकें।

नृत्य कला अनुभाग

नृत्य कला अनुभाग ने पूरे वर्ष भर बच्चों के साथ ऑनलाईन कक्षाओं को नियमित आयोजित किया। बच्चों को इस दौरान न केवल प्रौयोगिक शिक्षण प्रदान कराया गया अपितु उन्हें नृत्य कला से सम्बंधित सैद्धांतिक ज्ञान भी दिया गया। बच्चों ने लगातार अभ्यास जारी रखा और इसकी प्रतिक्रिया देते हुए अपनी विभिन्न प्रस्तुतियाँ अपने घर से ही मोबाइल के माध्यम से वीडियों के रूप में सांझा की। बच्चों को इस दौरान भरतनाट्यम, लोक नृत्य और अन्य क्षेत्रीय नृत्यों का प्रशिक्षण ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न अवसरों/उत्सवों जैसे रबिन्द्र नाथ टैगोर जयन्ती के अवसर पर विशेष नृत्य प्रस्तुति, गांधी जयन्ती के अवसर पर गांधी जी के प्रिय गीतों पर आधार प्रस्तुति, दीपावली के अवसर पर नृत्य प्रस्तुति आदि अनेकों कार्यकलाप बच्चों से ऑनलाइन करवाए गए।

वाद्य संगीत अनुभाग

वाद्य संगीत अनुभाग ने नियमित रूप से कक्षाओं का आयोजन करते हुए बच्चों को इस दौरान विभिन्न तालों का ज्ञान दिया। यंत्रों के अभाव में किस प्रकार अपने घर में उपलब्ध सामग्री का प्रयोग करते हुए कैसे ताल का अभ्यास करें और कैसे हम किसी भी ध्वनि में ताल को कैसे खोज सकते हैं, इसका ज्ञान दिया गया। उदाहरण के लिए बच्चों को किसी फिल्म के गीत में उसकी ताल को पहचानकर उसके साथ ताल मिलाने का प्रयास करना। इस प्रकार के सृजनात्मक प्रयोग इस दौरन ऑनलाइन कक्षाओं में वाद्य संगीत अनुभाग ने किए। अपनी तरह के इस प्रकार के प्रयोग बच्चों को अत्यधिक पसंद आए और इसी के परिणास्वरूप बच्चों ने वाद्य संगीत की ऑनलाइन कक्षाओं में अपनी रुची दिखाते हुए भाग लिया और अपनी वीडियों व्हाट्स ऐप के माध्यम से शेयर की जिन्हें कम्प्यूटर अनुभाग के द्वारा बाल भवन मांडी के यू ट्यूब और ब्लॉग वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया ताकि और बच्चे भी प्रेरित होकर इस विद्या को सीखें।

कंठ संगीत अनुभाग

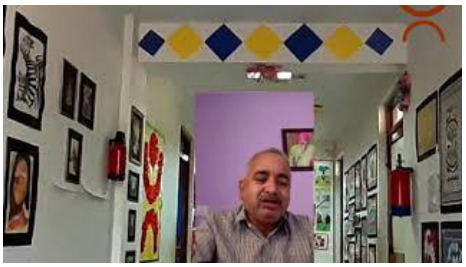

कंठ संगीत अनुभाग ने बच्चों को इस महामारी के समय में एकाग्र रखने और उन्हें संगीत के माध्यम से अपनी ऊर्जा का सकारात्मक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। नियमित कक्षाओं में बच्चों को विभिन्न त्योहारों पर, देशभक्ति पर और इसी तरह के अनेकों अवसरों पर गीत गाने और सुर ताल का ज्ञान दिया गया। रविन्द्र जयन्ती के उपलक्ष्य में बच्चों को रबिन्द्र संगीत से परिचय करवाया गया। एक कबीर गीत बच्चों को सिखाया गया। बच्चों ने रबिन्द्र जयन्ती पर उनके द्वारा रचित गीत को गाकर उसकी विडियो सांझा की। बच्चों को संगीत के प्रायोगिक ज्ञान के साथ-साथ उसके सैद्धांतिक ज्ञान से भी परिचित किया गया, जिसमें संगीत पद्धति, स्वर, मात्र आदि का ज्ञान दिया गया। बच्चों की एक छोटी सी ऑनलाइन ज्ञान परीक्षा भी आयोजित की गई।

बच्चों ने इन कक्षाओं का सदुपयोग करते हुए न केवल गीत बल्कि भजन आदि का भी सुरमयी ढंग से गायन सीखा। इन कक्षाओं में बच्चों ने रविन्द्रनाथ टैगोर जी के रबिन्द्र संगीत का ज्ञान भी प्राप्त किया और उसे बखूबी से प्रस्तुत किया। प्रशिक्षक ने अनेकों अवसरों पर गीत लिखे और उन्हें स्वरबद्ध किया तथा बच्चों को कंठबद्ध करवाकर बच्चों से प्रस्तुत करवाया। इसी दिशा में गांधी जयन्ती पर उनके द्वारा रचित गीत विशेष आकर्षण रहा जिसे लिखकर और स्वरबद्ध करके बच्चों द्वारा प्रस्तुत करवाया गया।

प्रकाशन अनुभाग

हाल ही में राष्ट्रीय बाल भवन से जवाहर बाल भवन, मांडी भेजे गए प्रकाशन अनुभाग ने बच्चों के साथ फेसबुक तथा व्हाट्सऐप ग्रुप के माध्यम् से जुड़कर अनेकों सृजनात्मक कार्यकलापों का आयोजन किया। प्रकाशन अनुभाग ने बच्चों साथ डिजिटल ई-पत्रिका, ई-बाल समाचार-पत्र अक्कड़-बक्कड़ टाइम्स के कोरोना विशेषांक कोरोना डरोना टाईम्स तथा एक बुकलेट ''जानवरों ने खेला बास्केट बॉल'' का ई संस्करण भी प्रकाशित किया गया, ''जब जानवरों ने खेला बास्केट बॉल जिसे प्रकाशन अनुभाग में बच्चों द्वारा तैयार किया गया था, का विमोचन भारत के महमहिम पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ऐ.पी.जे. अब्दूल कलाम जी के करकमलों द्वारा वर्ष 2013 में किया गया था और यह उनके द्वारा हस्ताक्षरित भी है। ई समाचार पत्र ''कोरोना डरोना टाइम्स'' में बाल भवन के पूर्व सदस्यों, बालश्री सम्मानित बच्चों तथा राज्य बाल भवन के बच्चों ने भी अपना योगदान दिया। गांधी जयन्ती के उपलक्ष्य में ई-पत्रिका जैसा अद्वितीय कार्यकलाप किया जोकि महात्मा गांधी तथा उनके द्वारा प्रसारित शिक्षाओं पर आधारित था। इसमें न केवल बाल भवन, मांडी बल्कि पूरे भारत के राज्य बाल भवन के बच्चे, बालश्री सम्मानित बच्चे, पूर्व सदस्यों ने अपना योगदान दिया और इसमें अपनी प्रविष्टियाँ भेजीं। अपनी प्रकार की यह पहली पत्रिका है। जिसमें लेखन, नृत्य, गीत, एनीमेशन तथा वाद्य संगीत की प्रस्तुति की गई। इस ई-पत्रिका का विषय है ''विचारक बापू और बच्चे''।

इसके अतिरिक्त बच्चों को ऑयल पेस्टल रंगों का प्रयोग, कार्टून बनाना, ग्रीटिंग कार्ड बनाना, नोटपैड बनाना, कथा समीक्षा तथा पुस्तक समीक्षा के तत्वों की जानकारी, डिजिटल पोस्टर बनाना, समाचार लेखन (रेडियो तथा टीवी), हस्तनिर्मित रेखांकन, पानी के रंगों की सामान्य प्रयोग तकनीक, लेटर प्रेस तथा ऑफसेट छपाई, मिश्रित कला, बुकमार्क मेकिंग, पोस्टर कलर पेन्टिंग, कॉपीराईटिंग उन्मुखिकरण, थम्ब पेन्टिंग आदि कार्यकलाप करवाए गए।

संगणक (कम्प्यूटर) विज्ञान अनुभाग

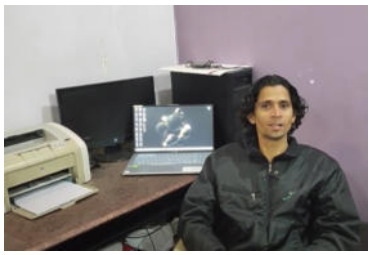

संगणक (कम्प्यूटर) विज्ञान अनुभाग ने बच्चों को लगातार ऑनलाइन कक्षाएँ उपलब्ध कराई। अचानक आई इस आपदा के समय को किस प्रकार अवसर के रूप में प्रयोग करना है निरंतर बच्चों को यह समझाया। आधारभूत संगणक संचालन से लेकर बच्चों के साथ चर्चा कर उनकी कल्पनाओं को साकार करते हुए बाल भवन मांडी ने इस दौरान बच्चों को ऑनलाइन जोड़कर उनको कार्यकलाप में सक्रिय रूप से साथ लेकर अप्रत्यक्ष रूप से बच्चों से ही बच्चों के बाल समाचार-पत्र गुपचुप मांडी टाइम्स का विशेष 'कोरोना अंक' प्रकाशित किया। प्रकाशन अनुभाग द्वारा निर्मित प्रथम डिजिटल पत्रिका हेतु अपना पूरा योगदान दिया। बच्चों को कक्षाएँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ लगातार बच्चों के साथ फोन पर भी जुड़े रहते हुए न केवल उनकी कक्षाओं से सम्बंधित प्रश्नों के बल्कि हालात को देखते हुए बच्चों के सभी सवालों के जवाब देने का प्रयास संगणक अनुभाग ने किया। बच्चों की कल्पनाओं और विचारों को लेकर एक डिजिटल केलेण्डर भी बनाया गया है।

बाल भवन मांडी का संगणक अनुभाग न केवल एक कार्यकलाप अनुभाग है बल्कि यह अनुभाग बाल भवन मांडी की ब्लॉग वेबसाइट को चलाता है, सभी अनुभागों की कक्षाओं की ऑडियो-विडियो को उचित रूप से संपादित करके बच्चों तक पहुंचाने की जिम्मदारी निभाता है, दैनिक कार्यालयी कार्यों में अपना निरंतर योगदान देता है और बाल भवन, मांडी में सभी तकनीकी सेवाएं जैसे आपातकालीन परिस्थिति में सीसीटीवी का आधारभूत रख रखाव, बाल भवन मांडी के समस्त संगणक यंत्रों का रख रखाव, सैनेटाईज़र मशीनों का रखरखाव, नेटवर्किंग, फोन आदि उपलब्ध कराता है। ग्रामीण क्षेत्र में स्थिति होने के कारण बाल भवन मांडी में किसी भी प्रकार की तकनीकी सेवा तत्काल प्राप्त करना अत्यंत कठिन कार्य है। अत: ऐसी स्थिति में संगणक अनुभाग का एक महत्वपूर्ण अनुभाग है।

शारीरिक शिक्षा अनुभाग

शारीरिक शिक्षा अनुभाग ने बच्चों के साथ व्हाट्सऐप के माध्यम से जुड़कर उन्हें लगातार अच्छे स्वास्थ्य और खेल के माध्यम से अकेलेपन में अपने आप को मनोरंजक तरीके से स्वस्थ रखने के ढ़ेरों तरीके सिखाए ताकि बच्चे एकांत में भी नाकारात्मक सोच-विचारों से बचते हुए अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग कर सकें।

मांडी दिवस

3 फरवरी 2021 को बाल भवन मांडी ने अपना स्थापना दिवस आयोजित किया। कोरोना महामारी की प्रतिबंधित परिस्थितियों में इस दिन का कार्यक्रम पूरी तरह से ऑनलाईन आयोजित किया गया। बच्चों ने अपने-अपने घरों से इसमें भाग लिया। जहां बच्चों ने अपने अपने घरों से विभिन्न प्रस्तुतियाँ दीं जैसे : गीतों का गायन, वाद्य संगीतों की प्रस्तुति और सबसे रोचक रहा कला प्रशिक्षिका द्वारा बच्चों को सीमित समय में सिखाकर प्रस्तुत किए गए मांडी गीत। इसके अतिरिक्त कला एवं शिल्प प्रशिक्षिका द्वारा बनाई गई चलचित्र प्रस्तुति जिसमें बाल भवन के विभिन्न रूपों और बच्चों के द्वारा लॉकडाउन के दौरान किए गए कार्य को प्रस्तुत किया गया था। बच्चों ने वर्चुअली आयोजित किए गए इस कार्यक्रम को खूब पसंद किया और जल्द बाल भवन आने की अपनी चाहत को व्यक्त किया।

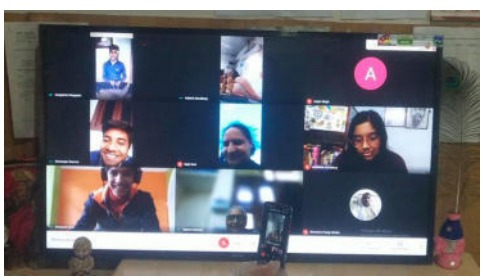

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र

क्षेत्र	बाल भवन केन्द्रों की संख्या
दक्षिणी दिल्ली	12
पश्चिमी दिल्ली	12
उत्तरी दिल्ली	13
पूर्वी दिल्ली	12
कुल	**49**

बाल केन्द्रों की स्थापना, बाल भवन की गतिविधियों को अधिक से अधिक बच्चों तक विशेष रूप से उपेक्षित तथा साधनविहीन बच्चों तक पहुँचाने के लिए ही की गई है। राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली के चार क्षेत्रों में 49 बाल भवन केन्द्र स्थापित हैं। ये बाल केन्द्र आसपास के क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए सृजनात्मक केन्द्र के रूप में कार्य करते हैं जो बच्चों को एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं, जहाँ वे दृश्य व प्रदर्शन कलाओं के माध्यम से आत्माभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त करते हैं। यहाँ बच्चों को स्वस्थ, खुशहाल व तनाव रहित वातावरण में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध होती हैं। इन केन्द्रों का मूलभूत उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से वंचित बच्चों के साथ-साथ स्कूली बच्चों की सहायता करना है, जो किसी भी कारणवश मुख्य बाल भवन की सुविधाओं का लाभ नहीं उठा सकते।

बाल भवन केन्द्र दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों को सीखने के विविध प्रकार के अनुभवों से संप्रेषित कराने के साथ-साथ उनके बौद्धिक विकास तथा उनके सौंदर्यबोध को विकसित करने में भी सहायक हैं।

दिल्ली में स्थित बाल केन्द्रों की सूची

दक्षिणी दिल्ली (12)

1. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   सब्जी मण्डी के समीप, के ब्लॉक
   कालकाजी, नई दिल्ली-110019
2. केन्द्रीय विद्यालय
   एन.सी.ई.आर.टी. केम्पस
   कुतुब होटल के सामने
   दिल्ली-110026
3. केन्द्रीय विद्यालय
   आई.आई.टी. गेट, दिल्ली-110030
4. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   हुमायूँपुर गाँव, नई दिल्ली-110029
5. राजा राम मोहन राय
   सर्वोदय कन्या विद्यालय
   हौजरानी गाँव, मालवीय नगर
   नई दिल्ली-110017

6. प्रयास ऑबजर्वेशन होम फोर बॉयस
कोटला फिरोज़शाह क्रिकेट स्टेडियम के पीछे
दिल्ली गेट, नई दिल्ली–110002

7. चिल्ड्रन्स होम फोर बॉयस (सी.एच.बी.)
डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वेलफेयर
गर्वमेंट ऑफ एन.सी.टी. आर्फ दिल्ली
कस्तूरबा निकेतन कॉम्पलेक्स
लाजपत नगर, नई दिल्ली–110024

8. देव समाज मॉर्डन स्कूल नं. 2
सुखदेव विहार, मसीह गढ़ (समीप
एस्कोर्ट हार्ट अस्पताल) नई दिल्ली–110022

9. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
सैक्टर–9, आर.के. पुरम, दिल्ली–110022

10. गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
मदन पुर खादर, दिल्ली–110076

11. योगी अरविन्द सर्वोदया विद्यालय नं. 2
सैक्टर–4, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली–110062

12. विलेज काटेज होम
लाजपत नगर (रिफ्यूजी कालोनी)
कस्तूरबा निकेतन, नई दिल्ली–110024

पश्चिमी दिल्ली (12)

1 सर्वोदय कन्या विद्यालय
समीप डिस्ट्रीक्ट सेंटर, विकास पुरी,
दिल्ली–110018

2 सर्वोदया कन्या विद्यालय
राजौरी गार्डन एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110027

3 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
प्रभात रोड, रामजस लेन, करोल बाग
नई दिल्ली–110005

4 बालिका गृह
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
बालिका गृह, जेल रोड
हरी नगर, दिल्ली–110064

5 एम. सी. आदर्श स्कूल,
रानी बाग मुल्तानी मौहल्ला, नई दिल्ली

6 बाबा खड़क सिंह मार्ग
डीआईजेड क्षेत्र, ब्लॉक नं. 82
गेरराज़ बी, 89 के समीप, ब्लॉक राजा बाजार
(बांग्ला साहिब के सामने) नई दिल्ली–110001

7 एम.सी. प्राइमरी बॉयस मॉर्डन स्कूल
मज़लिस पार्क–2, गली नं. 12,
समीप जल बोर्ड, दिल्ली–110033

8 गर्वमेन्ट गर्ल्स सैकेण्ड्री स्कूल
डिप्टी गंज, सदर बाजार,
समीप बारा टूटी चौक, दिल्ली–110006

9 कॉन्टोनमेंट बोर्ड सैकेण्ड्री स्कूल
वार सेमेन्ट्री रोड, उरी एंक्लेव
बारार सक्वेयर, दिल्ली केन्ट, दिल्ली–110064

10 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
आदर्श नगर (समीप, मदर डेयरी,
आदर्श नगर पार्क), दिल्ली–33

11 बाल निकेतन
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
जेल रोड, हरी नगर के पास, दिल्ली।

12 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
मेट्रो पिल्लर नं. 224, शादी खामपुर गाँव,
पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली–110008

उत्तरी दिल्ली (13)

1 एम.सी. मॉडल स्कूल
सी–7, लारेंस रोड, गुरूद्वारा के समीप
दिल्ली–110035

2 प्रतिभा विकास विद्यालय
रोहिणी सैक्टर–11, दिल्ली–110085

3 रिचमण्ड ग्लोबल स्कूल
एन.एस.रोहतक रोड, मिंयावाली नगर
इन्द्र एंक्लेव के सामने, पश्चिम विहार
नई दिल्ली–110081

4 झरोंदा कलाँ वेलफेयर सेन्टर, सी.आर.पी.एफ.
झरोंदा कलाँ केन्द्र, दिल्ली-110072

5 बाल सहयोग भवन डिस्पेंसरी
ई-ब्लॉक, नाँगलोई नं. 2, दिल्ली-110041

6 गर्वमेंट को-एजूकेशनल सर्वोदय सैकेण्ड्री स्कूल
सैक्टर-2, रोहिणी, दिल्ली -110085

7 एम. सी. बालिका विद्यालय
बी. टी. ब्लॉक, समीप सिंगल पुर गाँव
पानी की टंकी, शालीमार बाग, दिल्ली।

8 सर्वोदय विद्यालय
रोहिणी सैक्टर-7, नाहर पुर, दिल्ली-110085

9 एम.सी. मॉडल स्कूल
आई-ब्लॉक, जहाँगीर पुरी मार्किट के समीप
दिल्ली-110033

10 जवाहर नवोदय विद्यालय
मुंगेशपुर, गाँव कुतुब गढ़ के समीप
नई दिल्ली-110039

11 नगर निगम उत्कृष्ट विद्यालय
निमड़ी कालोनी, निमड़ी कालोनी
बस स्टाप के पास, दिल्ली।

12 झलकारी बाई सर्वोदय विद्यालय
जे.जे. कालोनी, वज़ीरपुर, दिल्ली-110052

13 नजफगढ़
सरस्वती शिशु मंदिर
ढिचाउ रोड, समीप बस स्टैण्ड
नजफगढ़, दिल्ली-110043

पूर्वी दिल्ली (12)

1 बाबू राम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
भोला नाथ नगर, गऊशाला के समीप
शाहदरा, दिल्ली-110032

2 सर्वोदय कन्या विद्यालय
डी-ब्लॉक, (समीप आनन्द विहार रेलवे स्टेशन),
आनन्द विहार, दिल्ली-110092

3 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
राठी मील के पीछे, बलबीर नगर
शाहदरा, दिल्ली-110032

4 सर्वोदय बाल विद्यालय
पूर्वी विनोद नगर, समीप पॉकेट-सी, मयूर विहार,
फेस-2, बस स्टॉप के पास, दिल्ली-110091

5 शिब्बन मॉर्डन पब्लिक स्कूल
डी-ब्लॉक मेन रोड, बृजपुरी
दिल्ली-110094

6 राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय
ईएसआई के समीप, इन्दिरा गाँधी अस्पताल
गेट नं0 4, सूरजमल विहार, दिल्ली -110092

7 सर्वोदय गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
विवेक विहार, दिल्ली।

8 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
ढक्का चौक के समीप और ढक्का बस स्टॉप,
ढक्का गाँव, दिल्ली-110009

9 एम.सी.डी. प्रोजेक्ट कार्यालय
पुरानी इमारत, ई-ब्लॉक
मेन बस स्टैण्ड के समीप
हनुमान मन्दिर के पीछे, कृष्णा नगर,
दिल्ली-110051

10 सीएचजी (चिल्ड्रन होम फोर गर्ल्स)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

11 सीएचबी (चिल्ड्रन होम फोर बॉयस)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

12 एम.सी.डी. प्राईमरी स्कूल
नत्थू सिंह कालोनी, शाहदरा-110093

संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट

बाल भवनों से प्राप्त वर्षपर्यन्त निम्नलिखित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट

1. किलकारी बिहार बाल भवन

इस वर्ष कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन के बावजूद भी ऑनलाइन प्रशिक्षण लगभग 18 ग्रुपों में चलाई गई। अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से किलकारी, पटना, गया, भागलपुर एवं दरभंगा से 5000 बच्चे लाभांवित हुए। 24 अप्रैल, 2020 से "बाल किलकारी" नामक रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण किया जा रहा है। बच्चे अपने आस-पास प्रकृति को, समुदाय के जीव जन्तुओं के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अब तक 44 अंकों का प्रसारण किया जा चुका है।

"चलो हँसते है" कॉमेडी शो

बच्चों के मानसिक तनाव को दूर करने के उद्देश्य से किलकारी के सीनियर बच्चों की टीम द्वारा "चलो हँसते हैं" के नाम से एक कॉमेडी शो यू ट्यूब चैनल पर प्रसारित किया जा रहा है।

ग्रीष्मकालीन शिविर

01 से 15 जून, 2020 तक ऑनलाइन ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों को 17 विषयों में 50 गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 36 अन्य राज्यों के 500 बाहरी बच्चों सहित कुल 1500 बच्चे लाभान्वित हुए।

विशेष आकर्षण

"बाल किलकारी" रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से जिलाधिकारी, पटना के साथ बच्चों का संवाद किया गया।

प्रेरणात्मक वक्ता :

1. ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ज्योति बहन के साथ बच्चों का ऑनलाइन संवाद।
2. श्री अमरेन्द्र कुमार से बच्चों का ऑनलाइन संवाद।
3. आनंद कुमार, संस्थापक, सुपर-30 के साथ कैरियर संबंधी प्रेरक संवाद।

बाल दिवस

14 नवम्बर, 2020 बाल दिवस का कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया गया। सभी बच्चों ने अपने घरों में गतिविधियां करके उसका वीडियो भेजा। उसे समेकित करके एक वीडियो बनाया गया और ग्रुप में बच्चों को भेजा गया।

कवि सम्मेलन

शिक्षा दिवस से अवसर पर वरिष्ठ बाल कवियों का कवि सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने अपने गुरू, प्रकृति, पर्यावरण, गोशाला आदि विषयों पर संवेदनशील एवं हास्य कविताओं का पाठ किया।

18 दिसम्बर, 2020 को पुन: बाल अधिकार विषय को लेकर बाल कवि सम्मेलन फेसबुक लाइव किया गया, जिसमें बच्चों ने बाल अधिकारों की बात की और बच्चों कही आवाज को बुलंद करने की बात की गई।

रेडियो प्रसारण कार्यक्रम

कोविड महामारी के दौर में बच्चे घर में रहकर मानसिक रूप से कैसे स्वस्थ और प्रसन्नचित रहें एवं सृजनशील बने रहे। इसी उद्देश्य से बिहार के शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ सुदूरवर्ती गाँवों के बच्चों तक पहुँच, उनकी सृजनात्मकता को मंच, बच्चों से जुड़े मुद्दे एवं उनकी विचारधारा पर बात करने हेतु किलकारी बाल भवन द्वारा रेडियो कार्यक्रम प्रसारित किया जा रहा है।

किलकारी ई-पब्लिकेशन

वित्तीय वर्ष 2020-21 में बच्चे घर बैठे मनोरंजक प्रेरक सामग्रियाँ पढ़ सकें एवं अपनी सृजनात्मकता को बनाए रखें इसके लिए किलकारी बेवसाइट के माध्यम से बच्चों को ई-पब्लिकेशन की सुविधा दी गई :-

1. "बाल किलकारी" मासिक पत्रिका का ई-प्रकाशन अप्रैल माह से किया गया।
2. किलकारी बाल भवन द्वारा प्रकाशित पुस्तकों को ई-पुस्तक के रूप में उपलब्ध कराया गया।

तितली उद्यान

किलकारी बाल भवन बिहार में पहला तितली उद्यान खोला गया जिसमें 62 तरह की तितलियों की प्रजातियाँ उपलब्ध हैं। इस उद्यान में तितलियों की 30 प्रजातियों पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है।

2. जिला बाल कल्याण परिषद, बाल भवन हिसार

इस वर्ष कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन के बावजूद भी ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया।

सिलाई-कढ़ाई की अध्यापिका द्वारा मास्क तैयार करवाए गए और जरूरत मंद एवं झुग्गी-झोंपड़ियों में गरीब बच्चों को 10,000 मास्क, सैनीटाईजर एवं हाथ धोने के साबुन वितरित किए गए। कोरोना से बच्चों के बचाव के लिए जागरूक किया गया।

लॉकडाउन के दौरान प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई जैसे :-

- एकल गान प्रतियोगिता : (तीन ग्रुपों में 3-5 आयु वर्ग, 6 से 10 आयु वर्ग, 11 से 14 आयु वर्ग तक के बच्चों के लिए)

- नृत्य प्रतियोगिता : (तीन ग्रुपों में 3 से 5 आयु वर्ग, 6 से 10 आयु वर्ग, 11 से 14 आयु वर्ग तक के बच्चों के लिए)
- भाषण प्रतियोगिता : (दो ग्रुपों में 6 से 10 आयु वर्ग, 11 से 14 आयु वर्ग तक के बच्चों के लिए)
- कविता प्रतियोगिता : (दो ग्रुपों में 3-5 आयु वर्ग, 6 से 10 आयु वर्ग तक के बच्चों के लिए)
- निबंध लेखन प्रतियोगिता : (दो ग्रुपों में 6 से 10 आयु वर्ग, 11 से 14 आयु वर्ग तक के बच्चों के लिए)
- कहानी प्रतियोगिता : (दो ग्रुपों में 3-5 आयु वर्ग, 6 से 10 आयु वर्ग तक के बच्चों के लिए)
- अनुपयोगी वस्तुओ का प्रयोग प्रतियोगिता : (11 से 14 आयु वर्ग तक के बच्चों के लिए)
- मिमिक्री प्रतियोगिता : (दो ग्रुपों में 6 से 10 आयु वर्ग, 11 से 14 आयु वर्ग तक के बच्चों के लिए)
- बेकार अखबार से शिल्प प्रतियोगिता : (दो ग्रुपों में 6 से 10 आयु वर्ग, 11 से 14 आयु वर्ग तक के बच्चों के लिए)
- फैन्सी ड्रैस प्रतियोगिता : (3-5 आयु वर्ग तक के बच्चों के लिए)

उपरोक्त सभी प्रतियोगिताओं के प्रथम विजेता को नकद 500/- रू, पुरस्कार, द्वितीय विजेता को नकद 300/- रू, पुरस्कार, तृतीय विजेता को नकद 200/-, पुरस्कार एवं सांत्वना पुरस्कार विजेता को नकद 100/-, पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

9 अनाथ बच्चों की देखभाल के लिए कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए 24 घण्टे केन्द्र में कार्यरत सहायिकाओं की ड़्यूटी देखभाल के लिए लगाई गई थी एवं समय-समय पर बच्चों की चिकित्सा स्वास्थ्य जाँच भी करवाई गई।

माह जुलाई, 2020 से सितम्बर, 2020 तक कोविड-19 संक्रमण प्रभावित होने के कारण अध्यापिकाओं को मनोचिकित्सक व शिक्षाविदों द्वारा ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया ताकि अध्यापिकाएं बच्चों को प्रोत्साहित कर सकें।

सायंकालीन अध्यापिका द्वारा झुग्गी-झोंपड़ी के बच्चों को शिक्षा दी गई व कोरोना से बच्चों के बचाव के लिए जागरूक किया गया। झुग्गी-झोंपड़ियों में मास्क, साबुन व सैनीटाईजर बांटा गया।

अक्तूबर माह में दशहरा के उपलक्ष्य में झुग्गी-झोंपड़ी के बच्चों को मिठाईयाँ व मास्क वितरित किए गए और अलग-अलग जगहों पर जागरूकता शिविर आयोजित किये गये। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में बच्चों को मिठाईयाँ बांटी गई।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर जी के निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में बाल भवन परिसर में मास्क वितरित किए गए और सामाजिक समरसता के तहत बरवाला में मास्क व सैनीटाइजर और हाथ धोने का साबुन वितरित किए गए।

14 नवम्बर को बाल दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन बाल महोत्सव-2020 प्रतियोगिता कराई गई जिसमें कुल 33379 बच्चों ने भाग लिया।

संस्था के द्वारा उप-मण्डल स्तर पर एक मिनी बाल भवन हांसी में चलाया गया उसकी गतिविधियों का विवरण इस प्रकार है :- सायंकालीन स्कूल, नर्सरी स्कूल, मॉडल डे केयर सेन्टर मिनी बाल भवन हांसी, सॉफ्ट वेयर कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र, बाल पुस्तकालय, मॉडल डे केयर सेन्टर ढाणी केन्द्र हंसी और सायंकालीन स्कूल की अध्यापिका के द्वारा गरीब व जरूरतमंद बच्चों को पेंसिल, रबड़, कापी, सैनेटाइजर तथा हाथ धोने के साबुन वितरित किए गए।

3. जिंदल बाल भवन, ओडिसा

इस वर्ष कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन के बावजूद भी ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया।

स्थापना दिवस, उत्कल दिवस, पर्यावरण दिवस, विश्व संगीत दिवस, बाल श्रम विरोधी दिवस, अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस, फादर्स डे, शिक्षक दिवस, विजय दिवस, हिंदी दिवस, विश्व कैंसर दिवस, शून्य भेदभाव दिवस, उपभोक्ता अधिकार दिवस, अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर आकर्षक आयोजनों को देखते हुए प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई। वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ पोस्टर मेकिंग, भाषण, स्किट और गीत में अपने अभिनव कोशल और प्रतिभा को उत्साहपूर्वक प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती और गणतंत्र दिवस, परिसर में मनाया गया।

72वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2021 करे जिंदल नगर, अंगुल में मनाया गया और मुख्य अतिथि द्वारा भारतीय तिरंगा भी फहराया गया।

मकर संक्रांति, बिहू, पोंगल और लोहड़ी के अवसर पर विविधता को अच्छी तरह से निष्पादित किया गया था।

2 अक्तूबर, 2021 को आयोजित "मैं गांधी हूँ" प्रतियोगिता में कनिष्ठ समूहों के अंतर्गत प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संयुक्त राष्ट्र और भारत सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए, बच्चों ने स्वास्थ्य-स्वच्छता और सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाकर खुद को अपने आस-पास को प्रेरित किया। इस ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ऑनलाइन के जरिए युवा ऊर्जावान शिक्षार्थियों ने त्योहारों - गणेश चतुर्थी, मकर संक्रांति और सरस्वती पूजा में भाग लिया। वर्चुअल प्लेटफार्म के माध्यम से नेताओं से संबंधित विचारों, गीतों और नृत्य प्रदर्शनों को साझा करके भारत के प्रख्यात नेताओं, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री और गांधी जी की जयंती का आयोजन किया गया।

4. प्रारंभ कला अकादमी

इस वर्ष कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन के बावजूद भी ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों को स्मरणशक्ति बढ़ाने और अच्छे विचारों की ओर रूझान बढ़ाने के लिए कविता और अभिनय प्रस्तुत करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रसिद्ध मराठी अभिनेत्री और समाज सेविका चिन्मयी राघवन ने बच्चों के साथ अपने विचार रखे और मार्गदर्शन भी किया। संपूर्ण कार्यक्रम प्रारंभ कला अकादमी के फेसबुक पेज पर लाईव दिखाया गया।

ऑन लाइन के जरिए हर रोज शाम को बच्चों के लिए अच्छी शिक्षाप्रद, मनोरंजन के साथ प्रेरणादाई कहानियों का अभिवाचन किया।

5. संगवारी महिला समिति, एनटीपीसी, सीपत

इस वर्ष कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन के बावजूद भी ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों को स्मरणशक्ति बढ़ाने और अच्छे विचारों की ओर रूझान बढ़ाने के लिए निम्नलिखित अनेकों गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम कराए गए।

अप्रैल, 2020 : चित्रकला प्रतियोगिता "प्रकृति बचाओ, पृथ्वी बचाओ"। निबन्ध लेखन प्रतियोगिता "लॉकडाउन अवधि के दौरान प्रकृति कैसे ठीक हुई"।

मई, 2020 : स्लोगन प्रतियोगिता "कोराना जागरूकता और लॉकडाउन"। अंग्रेजी कैलीग्राफी गतिविधि।

जून, 2020 : "सूक्ष्म पर्यावरण मॉडलिंग" प्रतियोगिता।

जुलाई, 2020 : "थर्मोकोल प्लेट" पर चित्रकला और ड्राविंग प्रतियोगिता। आईस्क्रीम स्टिक द्वारा बनाना।

अगस्त, 2020 : राखी का त्योहार, जन्माष्टमी का त्यौहार, आज़ादी दिवस, पर्यावरण के अनुकूल गणेश चतुर्थी त्यौहार। ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा मनाए गए।

सितम्बर, 2020 : पेपर मैशी द्वारा क्राफ्ट बनाना सिखाया गया।

अक्तूबर, 2020 : गाँधी के विचार, दशहरा त्यौहार मनाया गया।

नवम्बर, 2020 : दीपावली त्यौहार, बाल दिवस, फल और सब्जी सजावट प्रतियोगिता, विचारों से नक्शा बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिसम्बर, 2020 : सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, क्रिस्मस एवं नया साल त्यौहार का आयोजन किया गया।

जनवरी, 2021 : 6 फरवरी, 2021 को बाल सभा रखने की योजना की तैयारी की गई।

6. लालचंद भाई वोरा, बाल भवन, अमरेली

इस वर्ष कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन के कारण अप्रैल से दिसम्बर, 2020 तक बाल केलवनी मंदिर परिसर में बाल भवन सत्र आयोजित नहीं किए गए हैं। जनवरी से मार्च, 2021 तक रूक-रूक कर सत्रों की सुविधा दी गई।

जनवरी, 2021 : महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि के अवसर पर 30 जनवरी पर छात्रों को उनके जीवन की प्रेरक कहानियां सुनाई।

6 फरवरी, 2021 : छात्रों को अनेक खेल खिलाए गए जैसे :- फायर-इन-द-माउंटेन, खो-खो, लेमन-स्पून रेस, मेमोरी गेम।

20 फरवरी, 2021 : इस दिन बच्चों ने मिट्टी से खिलौने बनाए एवं रंगारंग गतिविधि कराई गई।

6 मार्च, 2021 : बच्चों के लिए विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। विभिन्न मनोरंजक वैज्ञानिक प्रयोग और गतिविधियाँ कराई गई। बच्चों ने सोलर ग्लास का प्रयोग कर सूर्य दर्शन का आनंद लिया। प्रदर्शित पोस्टरों को पढ़कर नए तथ्यों और सूचनाओं को सीखा।

20 मार्च, 2021 : बच्चों ने पेपर गुलाब बनाना सीखा। विश्व वात्सल्य मानव सेवा ट्रस्ट (वीवीएमएसटी) सीमाशाला परियोजना के छात्र भी सत्र में शामिल हुए। वीवीएमएसटी, बाल केलवनी मंदिर की सहयोगी संस्था, सीमाशाला परियोजना के तहत प्रवासी समुदायों के छात्रों के लिए शैक्षिक केंद्र रही है। सभी विद्यार्थियों के लिए कठपुतली शो का आयोजन किया गया।

7. बाल भवन अमरेली, गुजरात

बाल भवन अमरेली में 126 निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए :-

गुजकोस्ट द्वारा ड्राइंग और लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिता, शॉर्ट वीडियो फिल्म, वेबिनार, रॉकेट्री कार्यशाला, रचनात्मक कार्यशाला, मधुबनी कला कार्यशाला, टाई एंड डाई कार्यशाला, कठपुतली कार्यशाला, बच्चे का विज्ञान, ओरिगेमी कार्यशाला, विश्व पर्यावरण दिवस का उत्सव, विश्व पर्यावरण दिवस का जश्न, एस.एंड.टी.डेज़, "घर पर

रहें, रचनात्मक रहें", "घर पर रहें, काम की दुकान", रक्षाबंधन का उत्सव, लायंस डे, स्वतंत्रता दिवस, पर्यावरण अनुकूल गणेश उत्सव, जीवराजराज मेहता का जन्मदिन समारोह, पर्यावरण की दीवार पर पेंटिंग कार्यशाला, हमारे स्वास्थ्य में सब्जियों को समझना, बीन्स हमारे जीवन का महत्व हैं, छात्रों द्वारा नाटक, सब्जियों तथा बिन्स व्यंजन की सजावट, अभियांत्रिकी दिवस, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, रचनात्मक कला, ओजोन दिवस का कार्यक्रम, बेकार वस्तुओं से उपयोगी वस्तु बनाना, बच्चों द्वारा कोरोना-आयुर्वेद के महत्वपूर्ण पौधों का संग्रह, गांधी जयंती का उत्सव, जानवरों के बारे में जानना, आकाश अवलोकन, महामारी, जागरूकता और समझ, पक्षियों की पहचान और संरक्षण, वन्य जीवन पर एक श्रृंखला कार्यक्रम, विंग्स ऑफ फायर ट्रिब्यूट वीडियो, ऑडियो की स्क्रीनिंग, माननीय एपीजे अब्दुल कलाम, कोविड-19 पर चित्रकला प्रतियोगिता, राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता, आत्म निर्भर भारत निर्माण भ्रमण, रचनात्मक रहें सुरक्षित रहें, कलाम को सलाम, पोस्टर प्रदर्शनी, ब्लू मून, कोविड पोस्टर प्रदर्शनी, वीडियो शो, विश्व विज्ञान दिवस श्रृंखला कार्यक्रम, गुजकोस्ट रंगोली लाइव प्रदर्शन, महिलाओं का कार्यक्रम, एनसीएससी-2020, कोविड 19 पोस्टर प्रदर्शनी, सुपर स्टेशन कार्यक्रम, समुदाय आधारित कार्यक्रम, आकाश अवलोकर पर कार्यक्रम, गणित पहेली कार्यशाला, गणित मॉडल कार्यशाला, कोरोना पर शॉर्ट वीडियो फिल्म बनाना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी दिवस, पेंसिल ड्राइंग पर कार्यशाला आदि।

भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची

पूर्वी क्षेत्र

पश्चिम बंगाल

1. जवाहर शिशु भवन
   94/1, चौरंगी रोड़, कोलकाता-700020 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 2223-1551/6878/6667, ई-मेल : ncm.va.academy@gmail.com

2. जवाहर शिशु भवन
   पोस्ट ऑफिस बालिटीकुरी, जिला हावड़ा-711113 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 033-26532317, ई-मेल : prabal.jsb@gmail.com

ओडिशा

3. राज्य जवाहर बाल भवन
   प्लॉट नं. 624P, 627P, सरकारी स्टेट, पोखारीपुट मेन रोड़, एरोड्रोम एरिया, भुवनेश्वर-751020(ओडिशा)
   फोन नं. 0674-3269166, मो. नं. 09237197667 ई-मेल : madhushreya73@rediffmail.com

4. जिला जवाहर बाल भवन (ज्योतिर्मयी महिला समिति)
   आर-8, ग्वाल सिंह, पोस्ट ऑफिस ठाकुरपटना, केंद्रपाड़ा-754250 (ओडिशा)
   फोन नं. 06727-220729 ई-मेल : balbhavan.knd15@gmail.com

5. जिंदल बाल भवन
   जेएसपीएल टाउनशिप, पो.ओ. जिंदल स्कूल कैम्पस, जिंदल नगर, अंगुल-759111 (ओडिशा)
   फोन नं. 09777444489/90, 9777445444 ई-मेल : opjs@angul.jspl.com

मणिपुर

6. मणिपुर बाल भवन
   सामाजिक अधिकारिता विभाग, निदेशालय परिसर, द्वितीय एम.आर. गेट, इम्फाल-795001 मणिपुर सरकार
   फोन नं. 7005018575 ई-मेल : balbhavan.manipur@gmail.com

झारखण्ड

7. झारखण्ड स्टेट बाल भवन
   सिटीजन फाउंडेशन, 7, बेतार केन्द्र, निवारन पुर, रांची-834002 (झारखण्ड)
   फोन नं. 651-2482777, 2481777, 3205777, ई-मेल : mail@citizensfoundation.org

8. आशा-लता बाल भवन (विकलांग विकास केन्द्र)
सैक्टर 5-डी, बोकारो स्टील सिटी-827006, जिला बोकारो (झारखंड)
फोन नं. 9835327133, 06542-27766 ई-मेल : ashalatakendra@yahoo.co.in

नागालैंड

9 बाल भवन
सामाजिक अधिकारिता विभाग, नागालैंड, कोहिमा-797001
फोन नं. : 0370-2245761 ई-मेल : socialwelfarengl@gmail.com

मिषोरम

10. बाल भवन
मिषोरम बाल भवन सोसाइटी, गृह नं. वाई/ए-46, द्वारा सामाजिक अधिकारिता विभाग,
आईज़ोल-796007 (मिज़ोरम)
फोन नं.: 0389-2390866, ई-मेल : zdthangi@gmail.com, avzawni@gmail.com

बिहार

11. बिहार बाल भवन ''किलकारी''
राष्ट्र भाषा परिषद कैम्पस, सैदपुर, राजेन्द्र नगर, पटना-800004 (बिहार)
फोन नं.: 0612-2661211, ई-मेल : kilkari2008@yahoo.co.in

12. यूनिक बाल भवन
यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा चलाया जाता है, स्टेशन रोड़, सिंघीयाघाट
जिला समस्तीपुर-848236 (बिहार) फोन नं. : 06275-244442, ई-मेल : ucesociety80@gmail.com

13. मदर टेरेसा बाल भवन
मदर टेरेसा विद्यापीठ, क्लब रोड रामना, मुज़फ्फरपुर, बिहार-842002
फोन नं.: 9973658416, 0749886640, ई-मेल : motherteresabalbhavan@gmail.com

पश्चिमी क्षेत्र

संघ शासित प्रदेश

14. बाल भवन बोर्ड
सरकिट हाऊस के सामने, दादर एवं नगर हवेली संघ क्षेत्र, सिलवासा-396230
फोन नं. : 0260-2642287, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

15. बाल भवन बोर्ड
फुटबाल पार्क, मोती दमन-396220 संघ शासित प्रदेश दमन और दीव
फोन नं.: 0260-2230941, ई-मेल : balbhavandaman@gmail.com

16. बाल भवन बोर्ड
समीप जिला पुस्तकालय, लूहारवाडा, दीव -362520 (दमन और दीव)
फोन नं.: 02875-254516, ई-मेल : balbhavandiu@gmail.com

महाराष्ट्र

17. महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन
नेताजी सुभाष मार्ग, चरनी रोड़ (पश्चिम), मुम्बई-400004 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 022-23614189, ई-मेल : jawaharbalbhavan.mumbai@gmail.com

18. सांई बाल भवन
श्री माता निर्मला देवी नृत्या झंकार, प्लॉट नं0 68, सैक्टर-ए, 4 नं0 पुलिस चौकी के पास
सिडको, औरंगाबाद-430001 (महाराष्ट्र) फोन नं.: 09422716215 ई-मेल : meera.pauskar@gmail.com

19. जय हिंद बाल भवन
जय हिंद कॉलोनी, दिओपुर, धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 09421525926 ई-मेल : jaihindbalbhawan@gmail.com

20. गरवारे बाल भवन
एन-7, बी-1, सिडको, औरंगाबाद-431003 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0240-2484794, 2472234 ई-मेल : sps@garwarepoly.com, gcccidco@gmail.com

21. ताराबाई संगरपवार बाल भवन
221/बी, परांजजे स्कूल, बजाज नगर, नागपुर-440010 (महाराष्ट्र)
बाल मंदिर संस्था बाल भवन, बजाज नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0712-2243127 ई-मेल : bmsanstha@gmail.com

22. सांई बाल भवन
58, नंदवन हाउसिंग सोसाइटी, साई बाबा मंगल के पास, नाकाने रोड, दयपुर धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 9960836186 ई-मेल : raigarh@jspl.com

गुजरात

23. बाल भवन
चिल्ड्रन ड्रीम लैंड्स, नेहरू उद्यान रेस कोर्स, राजकोट-360001 (गुजरात)
फोन नं.: 0281-2440930, ई-मेल : balbhavanrajkot@gmail.com

24. बाल भवन सोसाइटी
सायाजी बाग के पीछ, करेलिबौग, वड़ोदरा-390018 (गुजरात)
फोन नं.: 0265-2792718-2795937, ई-मेल : balbhavanbrd@gmail.com

25. कुसम बहन अदानी बाल भवन
अक्षयगढ़-362229, केशोड, जिला जूनागढ, (गुजरात)
फोन नं. 02871-236390, 0942613689, 08980000157 ई-मेल : balbhavan@gurukulmail.com

26. रूपायतन बाल भवन
गिरी टेलेटी, भवनाथ, जूनागढ़- 362004 (गुजरात)
फोन नं.: 0285-2627573, ई-मेल : rupayatanbalbhavan@gmail.com

27. श्री वी. एन. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
सैक्टर-28, बी/एच दत्त मंदिर, गाँधीनगर-382028 (गुजरात) फोन नं.: 079-23210477, 9909011297
ई-मेल : janpandya@yahoo.com, shilpimage@gmail.com

28. लालचंद भाई वोरा बाल भवन
द्वारा बाल केलावनी मंदिर, बागासरा, जिला अमरेली (गुजरात)
फोन नं.: 0796-222479, ई-मेल : vvmst@rediffmail.com

29. श्री महात्मा गाँधी बाल भवन
(श्री स्वामीनारायण गुरूकुल कैम्पस) छाया मेन रोड़, पो.ओ.-छाया, जिला पोरबंदर-360575 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2243790, ई-मेल : swamijipbr@gmail.com

30. श्री एन. के. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
समीप ओवरब्रिज, आश्रम रोड, जिला नादियाड-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0268-2568851 ई-मेल : jeetsolanki_12@yahoo.in

31. बाल भवन, अमरेली
श्री गिरधरभाई बाल संग्रहालय परिसर, रामजी मन्दिर के सामने, पुस्तकालय चौक, अमरेली-365601 (गुजरात) फोन नं.: 02792-222118, 09377914333 ई-मेल : balbhavanamereli@gmail.com

32. सरदार पटेल बाल भवन
मिल रोड आरटीओ के सामने, नादियाड, जिला खेडा-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2566196 ई-मेल : nadiad@sardarpatelbalbhavan.com

33. पार्थ एक्टविटीज बाल भवन
अनेरी महिला विकास मंडल, प्लाट नं. 2225/बी, 'पूजा पार्क', सामने अंक्षर वाड़ी मंदिर वाघावाडी रोड़, भावनगर-364002 (गुजरात) फोन नं.: 078-2470523
ई-मेल : privij64mehta@gmail.com, partactivities.balbhavan@gmail.com

34. शिशु विहार बाल भवन
शिशु विहार सर्कल, नियर क्रिसेंट, कृष्णा नगर, भावनगर-364001 (गुजरात)
फोन नं: 0278-2512850, ई-मेल : mail@shishuvihar.org

35. श्री स्वामीनारायण बाल भवन
धर्मपुर, मालनपाडा, बस स्टॉप के सामने, तलुक धर्मपुर, जिला-वलसाड-396050 (गुजरात)
फोन नं.: 02633-240107, 9913458525, ई-मेल : gandhinagargurukul@gmail.com

गोवा

36. बाल भवन बोर्ड
परेड ग्राउंड के सामने, केंपेल, पणजी-403001, (गोवा)
फोन नं. 0832-2226823 ई-मेल : panajibalbhavan@gmail.com

राजस्थान

37. बाल भवन जयपुर
ए-18, दशरथ मार्ग, हनुमान नगर एक्सटेंशन, सिरसी रोड, जयपुर-302021 (राजस्थान)
फोन नं. 0141-2359917, ई-मेल : balbhavanjaipur@gmail.com

38. वीना मेमोरियल बाल भवन
वीना मेमोरियल एसएसईईडब्ल्यूए सोसायटी, वीना मार्ग, गुलाब बाग, करौली-322241 (राजस्थान)
फोन नं. 07464-220281, 221999 ई-मेल : pvms525@gmail.com, vmsseewa@yahoo.com

उत्तरी क्षेत्र

संघशासित

39. बाल भवन चंडीगढ़
द्वारा भारतीय बाल कल्याण परिषद, यू.टी. ब्रांच, सैक्टर 23-बी, हरियाणा सरकार, चंडीगढ़-160023
फोन : 0172-2704573/2721858, 9779357180 ई-मेल : iccwchandigarh@gmail.com

हरियाणा

40. बाल भवन हिसार
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, हिसार (हरियाणा)
फोन नं. : 01662-237027 ई-मेल : dccw.hisar@gmail.com

41. बाल भवन कुरूक्षेत्र
द्वारा बाल कल्याण जिला परिषद, सैक्टर 13, अर्बन स्टेट, कुरूक्षेत्र (हरियाणा)
फोन नं. : 01744-222340, 220271, ई-मेल : dccwkurukshetra@gmail.com

42. बाल भवन रोहतक
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, रोहतक-124001 (हरियाणा)
फोन नं. : 01262-253819, ई-मेल : dcworohtak@gmail.com

43. सलवान बाल भवन
सलवान पब्लिक स्कूल, सैक्टर-15 (भाग-II), गुड़गांव-122001 (हरियाणा)
फोन नं. 9811285244 ई-मेल : balbhavan@salwangurgaon.com

44. पठानिया बाल भवन
पठानिया पब्लिक स्कूल, 8 केएम स्टोन, गोहाना रोड, रोहतक, हरियाणा
मो. 09254377414, 09254350347, ई-मेल : ppsrohtak@gmail.com

45. बाल भवन, फरीदाबाद
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला शाखा, एन.आई.टी. बस स्टैंड के पास
फरीदाबाद-121001 (हरियाणा), फोन नं. : 1290-2418215

46. बाल भवन, सिरसा
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बरनाला रोड, सिरसा-125055 (हरियाणा)
फोन नं.: 01666-222602 ई-मेल : dccwsirsa1976@gmail.com

47. बाल भवन, अम्बाला
द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, हिसार रोड़, अम्बाला सिटी-134003 (हरियाणा)
फोन नं. : 0171-2556751 ई-मेल : dcwcambala@gmail.com

48. बाल भवन, भिवानी
द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, भिवानी-127021 (हरियाणा)
फोन नं. : 01664-242426, 9416096715 ई-मेल : dewobhiwani@gmail.com

पंजाब

49. बाल भवन, पंजाब
सदाराम बंसल मैमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल, बसंल एवन्यू, जैतू रोड़, कोटकपूरा-151204 (पंजाब)
फोन नं. : 01635-221186, ई-मेल : srbm_kkp@rediffmail.com

जम्मू व कश्मीर

50. जम्मू बाल भवन
87-पंजीतिरथी, जम्मू-180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. : 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

51. शांति निकेतन बाल भवन
गार्डन एवेन्यू, लेन नं 1, गेस्ट हाऊस रोड़, डाकघर विनायक बाजार, जम्मू तवी-180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. 0191-2553726 ई-मेल : listenrenu@yahoo.com

52. कश्मीर बाल भवन
(गुलबान-ए-कश्मीर), अन्तर्गत मजलीसन-निसा जम्मू व कश्मीर सौपोर, मौलाना यासीन कॉम्पलैक्स
सामने सरकारी आईटीआई, सौपोर कश्मीर-193201, फोन नं. 09419039827, 01954-223507
ई-मेल : meerasmahalmuseum@gmail.com

उत्तराखण्ड

53. आर्च बाल भवन
एमडीडीए डुप्लेक्स विला 3, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून, उत्तराखंड 248001
फोन नं. 9412054216 ई-मेल : arch.birdcount@gmail.com

54. बाल भवन गोपेश्वर
द्वारा जन शिक्षा समिति, गोपेश्वर, चमोली-246401(उत्तराखंड)
फोन नं. : 01372-252381, 253300, 09412109401, 09758825001
ई-मेल : vinodrawatnd@gmail.com

हिमाचल प्रदेश

55. आधारशिला बाल भवन
आधारशिला पब्लिक स्कूल, उप्पर पन्नर रोड, भावर्ना, पालमपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)
पिन-176102 फोन : 09218606017, निवास : 09218606017, 09218506018,
ई-मेल : kherrk@hotmail.com

56. आवर ओन बाल भवन
शाहपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) पिन-176206
फोन नं. 01892-238112, 239002, ई-मेल : awasthi35@yahoo.com

दक्षिणी क्षेत्र-1

आंध्र प्रदेश

57. जिला बाल भवन गड़वाल
    जोगुलाम्बा गड़वाल तेलंगाना, जिला - महबूब नगर, आंध्र प्रदेश-509125 (तेलंगाना)
    फोन नं. : 9666853335 ई-मेल : bodashankarmridangist@gmail.com

58. जिला बाल भवन
    द्वारा बापुर कलैक्टोरेट बिल्डिंग, ग्रामसपेट, कलैक्टोरेट ऑफिस कम्पाउण्ड, जिला चित्तूर, आंधप्रदेश-517002
    फोन नं. : 09440315924, 9440290051, ई-मेल : distbalabhavan@gmail.com

59. जिला बाल भवन
    द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, हनमकोंडा, जिला वारंगल-506001 (तेलंगाना)
    फोन नं. : 09912500516, ई-मेल : jhansi.bbwgl@gmail.com

60. जिला बाल भवन
    तिलक रोड, फायर स्टेशन के सामने, निज़ामाबाद-503001 (तेलंगाना)
    फोन नं. : 08462-225503, 09440037622, ई-मेल : saiprabhu11@gmail.com

61. बाल भवन
    द्वारा आंध्र एकेडमी ऑफ आर्टस, मुतयालमपाडु, एसबीआई के समीप, विजयवाड़ा,
    कृष्णा जिला-500011(आंध्र प्रदेश) फोन नं. : 09989361436

62. चाचा बाल भवन
    एसबीआई के समीप, मेन रोड, राजम, जिला श्रीकाकुलम - 532127 (आंध्र प्रदेश)
    फोन नं. : 09348363738, 09440585616, ई-मेल : drsunkariramesh@gmail.com

63. जिला बाल भवन
    क्वार्टर नं. ए/285, हिल कालोनी, नालगौंडा जिला, नागार्जुन सागर, आंध्र प्रदेश, पिन-508202
    फोन नं. : 08680-276622 ई-मेल : balupalabindala@gmail.com

64. वीसीएसपी बाल भवन
    विशाखा चाइल्ड स्पोनसरशिप प्रोग्राम, रु-53-17-50/7, टीएफ-402, आटोमेटिव मेडिलापालेम,
    विशाखापटनम-530013, (आंध्र प्रदेश)
    फोन नं. : 9246640024, 9866300171 ई-मेल : vcsp.balbhavan@yahoo.com

65. बाल भवन
    द्वारा स्पेस केन्द्रीय स्कूल, स्पेस विभाग आईएसआरओ, डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस, श्रीहरिकोटा-524124
    (आंध्र प्रदेश), फोन नं 08623-225123/225001, ई-मेल : sradha@shar.gov.in

66. नेल्लोर बाल भवन-बाल भवन एवं राज्य बाल भवन
    120, द्वारका टावरस, टेकेमिट्टा, नेल्लोर-524003 (आंध्र प्रदेश)
    फोन नं. 9848627158, 0861.2325659, ई-मेल : subhadra.govindaraju@gmail.com

67. जिला बाल भवन
107, आर एण्ड बी बिल्डिंग, सरोजिनी देवी रोड, समीप रंजना पार्क, तिरूपति, जिला चित्तूर-517501 (आंध्र प्रदेश) ई-मेल : dbbtpt@gmail.com, subbu.chinnakotla@gmail.com

68. जवाहर बाल भवन
तेलंगाना सरकार, शिक्षा विभाग, पब्लिक गार्डन्स, हैदराबाद-500004
ई-मेल : director_jbbts@yahoo.com

69. जिला बाल भवन
म.नं. 10-2-105/1, आई.एम.ए. बिल्डिंग के सामने, ममिलागुडम, खम्मम-507002 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं.: 08742-247000, 9866934173

कर्नाटक

70. बाल भवन सोसाइटी
कब्बन पार्क, डिपार्टमेंट ऑफ वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट, कर्नाटका सरकार,
बैंगलूरू-560001 (कर्नाटक) फोन नं.: 080-22864189, 9448804127
ई-मेल : secybalbhavan.bng@gmail.com

71. अनुभूति बाल भवन
192, ब्लाक 4, 12-ए मेन रोड, कोरमंगला लेआउट, बेंगलौर-560034 (कर्नाटक)
फोन नं: 080-25581238/37 ई-मेल : manjularaman@gmail.com

72. नतानम बाल नाट्य केन्द्र
प्रथम क्रास, चेनल एरिया, राजेन्द्र नगर, शिमोगा-577201 (कर्नाटक)
फोन नं. 08182-223402 ई-मेल : manjuk821@gmail.com

73. माउंटेन व्यू बाल भवन
माउंटेन व्यू स्कूल कैम्पस, विद्या नगर, चिकमंगलूर-577101 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08262-223140/222228, 9611967170 ई-मेल : mvi_school@yahoo.co.in

74. बाल भवन
न. 67/2 वृद्धाहाली रोड, सागर-577401 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08183-236228 ई-मेल : rpssagara@gmail.com

75. विद्या बाल भवन
सामने रेलवे स्टेशन बनवारा, आरसिकेरे-तालुक, हसन जिला-573103 (कर्नाटक)
फोन नं.: 01874-235018, 7026418709
ई-मेल : kgnataraj1970@gmail.com, srigowori1981@gmail.com

76. जिला जवाहर बाल भवन
बन्नीमनताप, मैसूर-570015 (कर्नाटक)
फोन नं.: 0821-2495486, 09060300196, 9448914794 ई-मेल : rpssagar@gmail.com

दक्षिणी क्षेत्र - II

केरल

77. जवाहर बाल भवन, त्रिचूर-680020 (केरल)
फोन : 0487-2332909 ई-मेल : balbhavanthrissur@gmail.com

78. जवाहर बाल भवन
शास्त्री जंक्शन, कोल्लम-691001 (केरल)
फोन : 0474-2746536, 2748769, ई-मेल : balbhavanklm@gmail.com

79. जवाहर बाल भवन
बाल भवन रोड, पैलेस वार्ड, अल्पुजहा-6880011 (केरल) फोन : 0477-2260622, 2264254

80. केरल राज्य जवाहर बाल भवन
कनककुन्नु, विकास भवन पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695033 (केरल)
फोन : 0471-2316477 ई-मेल : jawaharbalbhavantvm@gmail.com

81. रंग प्रभात बाल भवन
अलुम्तरा, वेंन्जारामुडु पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695607 (केरल)
फोन : 0472-2872344, 9447554190, ई-मेल : rangaprabhath@gmail.com

82. सुहरूथ बाल भवन
सुरूथ नाटक कालारी, विथुरा-695551(केरल)
फोन : 04722-858688, ई-मेल : vithurasuhruthbalbhavan@gmail.com

83. श्री सत्य सांई बाल भवन
श्री सत्य सांई ओरफांगे ट्रस्ट, 9/1108 अजित बिल्डिंग संस्था मंगलम, तिरूवनंतपुरम-695010 (केरल)
फोन : 0471-2721422, 2115161, ई-मेल : saigramam@gmail.com

तमिलनाडु

84. जवाहर बाल भवन
कला और संस्कृति विभाग
तमिल वलारची वलगाम, दूसरा तल, हॉलस रोड, एग्मोर चेन्नई -600008 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

85. जवाहर बाल भवन
सिंगरम पिल्लै प्राइमरी स्कूल, विल्लीवक, पैरियार नगर, चेन्नई-600008 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

86. जवाहर बाल भवन
विज़डम मैट्रिकुलेशन स्कूल, कृष्णमूर्ति नगर, व्यासर पाडी, चेन्नई-6001018 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

87. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, नं. 73-ए, मीतू स्ट्रीट, कांचीपुरम - 631502, जिला-तमिलनाडु
फोन : 044-23624238 मो. 944133105, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

88. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, तिरूमति लोगकनाथन, मैट्रीकुलेशन हायर सैकेण्ड्री स्कूल,
#65 धर्माराजा कोइल स्ट्रीट, आरकोट, जिला वेलोर-632503 (तमिलनाडु)
फोन : 04172-235899 मो. 9994291129, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

89. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 16, पवाला कुन्द्रू, माडालायाम, तिरूवनमलय-606601(तमिलनाडु)
फोन : 9786298609, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

90. जवाहर बाल भवन
सरकारी संगीत स्कूल कैम्पस, श्रद्धा कॉलेज मेन रोड, कैनरा बैंक, सामने पोस्ट-सेलम-630016(तमिलनाडु)
फोन : 0427-2443594, 2330021, 9443109337 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

91. जवाहर बाल भवन
राथिनासभापति पर्यावरणीय कैंपस, 117-ए, डॉ. सान सलैई, एल.आई.सी. के पीछे,
नामक्कल-637001 (तमिलनाडु) फोन : 0427-2442197 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

92. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 67, डॉक्टर ले आउट, समीप क्लब लेन, सम्पत नगर, ईरोड-11,
(तमिलनाडु), फोन : 9443532934 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

93. जवाहर बाल भवन
सरकारी उच्चत्तर माध्यमिक स्कूल कैम्पस, उथगामंडलम, (तमिलनाडु)
ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

94. जवाहर बाल भवन पुड्डूकोट्टई
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, 22/13 स्मद स्कूल स्ट्रीट, काज़ा नगर, थिरूचिरापल्ली-620020 (तमिलनाडु)
फोन : 0431-2423122, 09443153122, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

95. जवाहर बाल भवन करूर
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, नाईट सोइल रोड मूलाथोप्पू, श्रीरेनगम, थिरूचिरापल्ली-620006 (तमिलनाडु)
फोन : 9443153122 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

96. जवाहर बाल भवन
तंजावुर, रजियोनल असिस्टेंट कल्चर, क्षेत्रीय आर्ट सकल्चर सैंटर नं. 5, मणी महलाई स्ट्रीट, मुथमैल नगर,
मैडिकल कॉलेज रोड, तंजावुर-613009 (तमिलनाडु)
फोन : 04362-30121 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

97. जवाहर बाल भवन
राज्य सरकारी संगीत स्कूल कैंपस, कार्पोरेशन प्ले ग्राउंड, विल्लूपुरम्-605602 (तमिलनाडु)
फोन : 9629036923 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

98. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय कैम्पस-2, पुडुपलायम रोड, थंजावुर, पुडु थेरू, कडलूर-607001
(तमिलनाडु) ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

99. बाल भवन
आर्ट एवं कल्चर सैंटर 16/157, अलागार कोविल सलाई, मदुरै-625009(तमिलनाडु)
फोन : 0452-22661795, 09842761765 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

100. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय, नं. 84, सत्यमूर्ति स्ट्रीट, शिवगंगा-630561
फोन : 9597726333 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

101. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रिय आर्ट एण्ड कल्चर सेंटर, सरकारी संगीत कॉलेज कैम्पस, पशुमलैई, मधुरई, अली नागाराम, थेनी-625531(तमिलनाडु), फोन : 9789000657 ई-मेल : artandculture@tngovt.in

102. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सैंटर, तमिलनाडु, देव कल्चर सैंटर बिल्डिंग, 820/8, ट्रैक्टर स्ट्रीट, एन.जी.ओ. 'ए' कॉलोनी, तिरूनलवेल्ली-627011(तमिलनाडु)
फोन : 0462-2553890 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

103. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 2/3सी, गणेश नगर पश्चिम, 4th स्ट्रीट, थिरूचन्दूर सलाई, तूतीकोरिन-628008(तमिलनाडु) फोन : 9487048658 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

104. जवाहर बाल भवन
एसएलबी राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नागरकोईल, जिला कन्याकुमारी (तमिलनाडु)
फोन नं.: 9842649466

संघशासित क्षेत्र

105. जवाहर बाल भवन
नं. 1, मरियामलाई, अदिगल सलाई, पुराने बस स्टैंड के पास, पुडूचेरी-605001
फोन : 0413-2225751, 2207206, 2207201 ई-मेल : jbbpondy@gmail.com

मध्य क्षेत्र

उत्तर प्रदेश

106. बाल भवन
16/99-ए, फूल बाग, कानपुर-208009 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0512-2313129, ई-मेल : balbhawan3129@gmail.com

107. जवाहर बाल भवन
जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फंड, आनंद भवन, इलाहाबाद-211002 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0532-2467078, ई-मेल : jbballdjnmf@gmail.com

108. बाल भवन
एनएच-2, क्वाटर नं. डी-215, एनटीपीसी कॉलोनी, रिहंद नगर, जिला-सोनभद्र-231223 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : hkjain@ntpc.co.in

109. बाल भवन
ऊर्जा विहार, एन.टी.पी.सी., डाकघर-ऊँचाहार, जिला रायबरेली-229406 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05314-62329, 62047, 09871094763 ई-मेल : balbhawanunchahar@gmail.com

110. पंडित कन्हैया लाल पुंज बाल भवन
सीतामणि, संत रविदास नगर, जिला, भदौही-221309 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05414-236762, 536539, ई-मेल : balbhavansitamarhi@rediffmail.com

111. अमित बाल भवन
गांधी पार्क, 439, इन्द्रा कॉलोनी, स्ट्रीस नं. 4, रायपुर रोड़, फिरोज़ाबाद-283203 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : dr.amit0190@gmail.com

112. बाल भवन
एनटीपीसी पोस्ट ऑफिस, दादरी विद्युत नगर, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा-201008 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0120-2805846, 9717385288 ई-मेल : balbhavandadri@gmail.com

113. बाल भवन अमरोहा
नवादा ग्रामोद्योग विकास समिति, मोहल्ला बागला, अमरोहा, जे.पी. नगर-244221 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05922-259665, 9410071882 ई-मेल : ngvs2008@gmail.com

114. बाल भवन
यूनिटी चिल्ड्रन एकेडमी सिरसी, मो. सराय सदाक, डालन सिरसी, मुरादाबाद-248001 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 09411431912 ई-मेल : kingshabih@gmail.com

115. शिव शारीरिक शिक्षा एजुकेशन पर्यावरण सोसाइटी (स्पीडस)
460, समीप गायत्री मंदिर, आंतिया तलाब, झांसी-284001 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : speedjhansi@gmail.com

मध्य प्रदेश

116. संभागीय बाल भवन
(महिला एवं बाल विकास विभाग), 129, मयूर मार्किट, ग्वालियर-474011 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 9425121695 ई-मेल : vijaybalvikas@gmail.com

117. इंदौर बाल भवन
29/3, ओल्ड पलासिया, महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्य प्रदेश सरकार,
इंदौर-452001(मध्य प्रदेश) फोन : 0731-2566331 ई-मेल : balbhavanind@gmail.com

118. संभागीय बाल भवन
केशरवानी कॉलेज, लोहियापुल, गराह फाटक, जबलपुर (मध्य प्रदेश)
फोन : 9479756905 ई-मेल : balbhavanjbp@gmail.com

119. बाल भवन सागर
मध्य प्रदेश सरकार, एचआईजी-1, पदमाकर नगर राजाकेदी, मकरोनिया, सागर-470003 (मध्य प्रदेश)
फोन : 07582-230221, 09425096898 ई-मेल : divbalbhavansagar@gmail.com

120. जवाहर बाल भवन
1250-।। स्टॉप, तुलसी नगर, भोपाल-462003 (मध्य प्रदेश)
फोन : 0755-2558059, ई-मेल : balbhavan3@gmail.com

121. अभिनव बाल भवन
केयर ऑफ कैरियर वेलफेयर सोसायटी, 239, पुतलीघर कॉलोनी, शाहजहांनाबाद,
भोपाल-462001 (मध्य प्रदेश) फोन : 9753589295 ई-मेल : abhinavbb.123@gmail.com

122. बाल भवन उज्जैन
वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट सेक्शन मध्य प्रदेश सरकार, विक्रम कीर्ति मंदिर के समीप,
काठी रोड, उज्जैन-456010 (मध्य प्रदेश) फोन : 9893008817 ई-मेल : commwcd@nic.in

123. बाल भवन
पीली कोठी, रीवा-486001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 07662-254379, 9425889970 ई-मेल : balbhavan@gmail.com

124. बाल भवन छिंदवारा
गुलमोहर कालोनी, पोस्ट-तामिया, जिला छिंदवारा-480559 मध्य प्रदेश
फोन : 9926715553, 9424679654 ई-मेल : nyus_chw@rediffmail.com

छत्तीसगढ़

125. जिंदल बाल भवन
जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं. 16, खर्सिया रोड़ रायगढ़-496001 (छत्तीसगढ़)
फोन : 07762-227001, 9303451988 ई-मेल : raigarh@jspl.com

126. ओ.पी. जिंदल बाल भवन
केअर ऑफ जिंदल पावर लिमिटेड, वीपीओ, तामनार, रायगढ़-496107 (छत्तीसगढ़)
फोन : 9329438428 ई-मेल : vineet@jindalpower.com

127. जवाहर बाल भवन एनटीपीसी
पोस्ट उज्जवल नगर, सिपत, बिलासपुर-495555 (छत्तीसगढ़)
फोन : 9425281080 ई-मेल : abinashpathak@ntpc.co.in

राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र

1. आदिवासी बाल भवन खानवेल
   बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
   फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

2. आदिवासी बाल भवन दपाद्दा
   बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
   फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

3. आदिवासी बाल केन्द्र
   पूर्व माध्यमिक विद्यालय, संयुक्ता नगर, बावरे, पोस्ट भिक्खीचारू, जिला-गाजियाबाद-401209(उत्तर प्रदेश),
   फोन नं.: फोन नं.: 0981932221, 07523945652, 09919322221,
   ई-मेल : shashankmohan.rai@gmail.com

4. उन्नायन बाल केन्द्र
   मेजा रोड, इलाहाबाद-212303(उत्तर प्रदेश), फोन नं.: 9415635383, 9621313320,
   9415266619, 9918974324, ई-मेल : balkendramejaroad@gmail.com

5. गिरिवासी वनवासी बाल केन्द्र
   गिरिवासी वनवासी सेवा प्रकल्पा, एक्सलव्या नगर, घोरावाल-231210 (उत्तर प्रदेश)
   फोन नं.: 09450321867, 81279448480, ई-मेल : hksinghkeota@gmail.com

6. परमसुख आदिवासी बाल केन्द्र
   धौलखर, कोराउन, इलाहाबाद-212306(उत्तर प्रदेश)
   फोन नं.: 0141-2359917, ई-मेल : rajam8247@gmail.com

8. बाजलता बाल केन्द्र
   तहसील - सम्भा, जिला - जम्मू (जम्मू और कश्मीर)
   फोन नं.: 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

9. रंगपुर बाल केन्द्र
   मुलानियां, तहसील-आर.एस. पुरा, जिला जम्मू-181102 (जम्मू और कश्मीर)
   फोन नं.: 0919-2553726, ई-मेल : sushilksmotra@gmail.com

10. चुराचांदपुर बाल केन्द्र
    द्वारा रेंजकोई सरकारी सीनियर स्कूल, रेंजकोई चुराचांदपुर, मणिपुर

11. सेनापति बाल केन्द्र
द्वारा ब्राईट अकादमी स्कूल, सेनापति बाजार, मणिपुर। ई-मेल : saniistevel@gmail.com

12. भारती बाल केन्द्र
गाँव और पोस्ट ऑफिस - बाटी, मथुरा-281004 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 9412626588, 9457028252, ई-मेल : bhartimitra1816@rediffmail.com

13. (भारतीय जन कल्याण शिक्षा समिति)
एफ-2, कावेरी रॉयल अपार्टमेंट, स्वर्ण जयंती नगर, ए.डी.ए. कॉलोनी, रामबाग रोड,
अलीगढ़-202001 (उत्तर प्रदेश)

14. प्रारंभ कला अकादमी
सोलिटेअर टोउन, बी-विंग, 503-504, मनपाडा, घोडबंदर रोड, थाणे (पश्चिम)-400610, महाराष्ट्र
फोन नं.: 9821108156,
ई-मेल: arundhati801@yaho0o.co.in, prarambhakalaacademy@gmail.com

31.03.2021 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची

ग्रुप क

1. श्रीमती राशि शर्मा, उपसचिव, शिक्षा मंत्रालय (अतिरिक्त प्रभार निदेशक, रा.बा.भ. 14.07.2020 तक)
   श्रीमती दीपा आनन्द, उपसचिव, शिक्षा मंत्रालय (अतिरिक्त प्रभार निदेशक, रा.बा.भ. 15.07.2020 से)
2. श्रीमती इंद्राणी चौधूरी, उप निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान)
3. श्री मुकेश गुप्ता, उप निदेशक (प्रशासन)
4. श्रीमती आशा भट्टाचार्जी, सहायक निदेशक (विज्ञान) एवं प्रभारी (कार्यक्रम) - सेवानिवृत्त 31.08.2020

ग्रुप ख

5. श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, प्रभारी अधिकारी (बा.भ.के.)

ग्रुप ग

6. श्री दिनेश कुमार, अनुभाग अधिकारी
7. श्रीमती गीता गौरी, सहायक लेखा अधिकारी (प्रतिनियुक्ति पर 10.08.2021 तक)
8. श्री अकबर अली मलिक, सुरक्षा अधिकारी-सह-केयरटेकर
9. श्रीमती गुरदीप कौर, कार्यालय सहायक
10. श्री राजू टंडन, कार्यालय सहायक - सेवानिवृत्त 31.03.2021
11. श्री जगदीश कुमार कोली, प्रबंधक (प्रकाशन)
12. श्रीमती परमिंदर बोसु चौधूरी, कार्यक्रम संयोजक - स्वैच्छिक सेवानिवृत्त 02.01.2021
13. श्री ऋषभ अरोड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (कम्प्यूटर)
14. श्री आशीष भट्टाचार्जी, वरिष्ठ प्रशिक्षक (छायांकन)
15. श्री जय भगवान राणा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
16. श्री मनोज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक)
17. श्री चन्द्रमणि, सहायक प्रबन्धक (प्रदर्शन कला)
18. श्रीमती नेहा वत्स, कलाकार (प्रदर्शन कला)
19. श्री देवेन्द्र कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जिल्दसाजी) - सेवानिवृत्त 30.09.2020
20. श्री काशी नाथ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मॉडलिंग)
21. श्री राजीव कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (बुनाई)
22. श्री अमित सिंह, कनिष्ठ प्रशिक्षक (डार्क रूम)
23. मो. अनिरूल इस्लाम, कनिष्ठ प्रशिक्षक (चित्रकला)

24. श्री नीरज कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
25. श्री मोहन कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जूडो)
26. श्री वासुदेव, कनिष्ठ कलाकार
27. श्रीमती स्मृति अरोड़ा, कनिष्ठ कलाकार (संग्रहालय)
28. श्रीमती चन्द्रकांता शर्मा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
29. श्री संजय कुमार जैन, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
30. श्री चमन लाल, उ.श्रे. लिपिक
31. श्री विनोद सिंह बिष्ट, उ.श्रे. लिपिक - (अन्य कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर)
32. श्रीमती सीमा चौहान माथुर, उ.श्रे. लिपिक
33. श्री जगदम्बा प्रसाद, उ.श्रे. लिपिक
34. श्रीमती माया रानी, उ.श्रे. लिपिक
35. श्री चिरंजी लाल, उ.श्रे. लिपिक
36. श्री गोपाल राम आर्य, नि.श्रे. लिपिक
37. श्री सुधीर कुमार, नि.श्रे. लिपिक
38. श्रीमती अनीता राय, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)
39. सुश्री अमृता साव, हिन्दी अनुवादक
40. श्री मदन लाल मेहता, इलैक्ट्रीशियन
41. श्री अरविंद कुमार चौहान, स्टेज टेक्नीशियन सह इलैक्ट्रीशियन
42. श्री मनोज कुमार वर्मा, कनिष्ठ इलैक्ट्रीशियन
43. श्री बृज कुमार, चालक
44. श्री प्रदीप भट्ट, चालक
45. श्री आर.के. रामास्वामी, तकनीकी सहायक
46. श्री अश्विनी कुमार, तकनीकी सहायक
47. श्रीमती रजनी देवी, वार्डन छात्रावास
48. सुश्री नीता, वरिष्ठ पुस्तकालयाधयक्ष सह प्रशिक्षक (अन्य कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर)
49. श्रीमती प्रतिज्ञा, कनिष्ठ पुस्तकालयाधयक्ष सह प्रशिक्षक
50. सुश्री निधी सरयाल, कनिष्ठ अनुसंधान सहायक (संग्रहालय)

एम.टी.एस.

51. श्री राम सिंह साही
52. श्री गैंदा राम
53. श्री रमेश कुमार

54. श्री सुरेन्द्र सिंह
55. श्री साहब सिंह मीना
56. श्री जय राम
57. श्री रमेश प्रसाद यादव
58. श्री प्रेम सिंह साही
59. श्रीमती गीता साही
60. श्री जगदीश चन्द्र
61. श्री मुन्ना लाल
62. श्री जसवंत सिंह सैनी
63. श्री महेश कुमार
64. श्री कैलाश चन्द
65. श्री गोविंद सिंह बिष्ट
66. श्री नेत्र सिंह बिष्ट
67. श्री राम दीन
68. श्री राम विनोद सिंह
69. श्री तारकेश्वर गोंड
70. श्री मोहन सिंह सैनी
71. श्री लायक सिंह
72. श्री राम दुलारे
73. श्री महादेव
74. श्री मोहन लाल
75. श्री डूँगर सिंह - सेवानिवृत्त 31.01.2021
76. श्री धनपाल सिंह
77. श्री जय चंद
78. श्री हरेन्दर सिंह
79. श्री दुर्गा प्रसाद
80. श्री महिन्द्र सिंह
81. श्री उमेश कुमार
82. श्री बिशन स्वरूप
83. श्री होरी लाल
84. श्री नितिन
85. श्रीमती अनुराधा
86. श्री बाबू लाल मीना

भाग ख

वार्षिक लेखा
2020-21

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

SINGH CHHABRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,
प्रबंधक मंडल
राष्ट्रीय बाल भवन

हमने 31 मार्च 2021 तक के लिए **राष्ट्रीय बाल भवन (NBB),** कोटला रोड़, नई दिल्ली–110002 के संलग्न तुलनपत्र तथा इसी तिथि को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए तैयार एवं इसके साथ संलग्न आय एवं व्यय खाते की भी लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधक मंडल का उत्तरायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर विचार व्यक्त करना है।

हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा का आयोजन किया है। इन मानकों की अपेक्षा है कि हम लेखा परीक्षा की आयोजना और निष्पादन इस बात का पर्याप्त आश्वासन प्राप्त करने के लिए करें कि इन वित्तीय विवरणों में किसी भी प्रकार की वास्तविक प्रतीति की मिथ्या सूचना शामिल नहीं है। लेखा परीक्षा में वर्णित वित्तीय विवरणों में दी गई राशियों तथा निष्कर्षों की उपयुक्तता की जांच के लिए नमूना आधार पर परीक्षण शामिल है।

अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते हैं कि :

i) हमारे विचार में तथा हमें प्राप्त सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त लेखों को जब अन्य नोट्स के साथ पढ़ा गया तो इन्हें अनुरक्षित लेखा बहियों के अनुरूप पाया गया।

ii) हमारे विचार में तथा हमें प्राप्त सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त लेखों तथा वित्तीय विवरणों से अधिनियम में अनिवार्य सब सूचनायें प्राप्त होती हैं तथा इनमें भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों का अनुपालन किया गया है।

(क) तुलनपत्र के विषय में, **31 मार्च 2021** को राष्ट्रीय बाल भवन की वित्तीय स्थिति।

(ख) इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते तथा घाटे की स्थिति।

कृते सिंह छाबड़ा एण्ड कम्पनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट

SINGH CHHABRA & CO. New Delhi Chartered Accountants

हरीश कुमार छाबड़ा
(पार्टनर)
एम नं0 500104
स्थान : दिल्ली
तिथि : 03.11.2021

31 मार्च 2021 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

निधि के स्रोत	अनुसूची	2020-21	2019-20
समग्र/पूंजी निधि	1	(9208,07,729)	(8194,95,894)
निर्धारित/निश्चित की गई/इंडोमेंट निधि	2	2,50,835	2,50,835
ऋण देयता		–	–
वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध	3	10646,86,115	9704,11,165
कुल		**1441,29,220**	**1511,66,106**
पूंजी अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	4	632,85,543	558,95,878
मूर्त परिसंपत्तियां		632,68,159	558,57,592
अमूर्त परिसंपत्तियां		17,384	38,286
पूंजीगत चल रहे कार्य			
निश्चित/इंडोमेंट निधि से निवेश	5	–	–
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि			
अन्य निवेश	6	–	–
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	292,88,160	245,79,919
ऋण/अग्रिम एवं जमा	8	515,55,517	706,90,309
कुल		**1441,29,220**	**1511,66,106**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
लेखा नोट्स	24		

तैयार किया गया	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता

राशि रुपयों में

विवरण	अनुसूची	2020-21	2019-20
आय			
शैक्षिक प्राप्तियां	9	–	–
अनुदान/सब्सिडी	10	14,97,19,703	18,00,55,034
निवेश से आय	11	–	–
अर्जित ब्याज	12	4,169	13,07,782
अन्य आय	13	6,90,372	16,81,085
गत अवधि की आय	14	4,344	1,35,467
कुल (क)		**1504,18,588**	**1831,79,368**
व्यय			
कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	880,50,567	923,01,396
सेवानिवृत्ति लाभ	15क	1181,31,429	1372,16,853
अनुदान एवं उपदान आदि पर व्यय	10	–	–
शैक्षिक व्यय	16	15,74,064	71,74,213
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	248,43,157	264,45,273
परिवहन व्यय	18	–	–
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	24,53,469	61,08,735
वित्त लागत	20	8,888	12,126
मूल्य ह्रास	4	39,03,367	35,09,103
अन्य व्यय	21	–	–
गत अवधि के व्यय	22	133,03,358	34,39,621
कुल (ख)		**2522,68,299**	**2762,07,320**
व्यय पर आय की अधिकता के कारण शेष		**(1018,49,711)**	**(930,27,952)**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
लेखा नोट्स	24		

तैयार किया गया | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2020-21	2019-20
I. आरंभिक शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	-	-
ख. बचत खाता (एच.क्यू.)	2,41,98,251	1,02,13,706
II. प्राप्त अनुदान - भारत सरकार से		
क) मानव संसाधन विकास मंत्रालय से		
- पूंजीगत व्यय के लिए	-	87,44,000
- राजस्व व्यय के लिए	15,48,23,000	19,01,03,000
III. शैक्षिक प्राप्तियां	-	-
IV. विविध देनदार	-	-
V. स्थाई परिसंपत्तियों की बिक्री	-	-
VI. अन्य निधियों में निवेश से आय	-	-
VII. निम्न लिखित पर प्राप्त ब्याज		
क. बैंक जमा पर	-	-
ख. ऋण तथा अग्रिम पर	-	-
ग. बचत बैंक खाते पर	9,31,640	11,21,895
VIII. अन्य आय	3,62,619	13,15,243
IX. विगत अवधि आय	-	19,456
X. अन्य प्राप्तियां - देय		
भारतीय जीवन बीमा निगम (जी ई आई)	-	-
आंतरिक प्राप्ति लेखा	-	-
आयकर की वापसी	2,482	-
आंतरिक रसीद से राशि	5,06,221	-
जी.पी.एफ से राशि	4,22,022	-
XI. चालू देयताएं		
प्रतिभूति जमा	8,000	200
कार्य निष्पादन प्रत्याभूति	-	-
आपूर्तिकर्ताओ/लेनदारों से भुगतान	6,300	-
XII. जमा एवं अग्रिम		
अग्रिम की वसूली	-	-
बीएसईएस से प्राप्त राशि	23,495	22,334.75
विविध देनदार	-	1,230
कुल	**18,12,84,030**	**21,15,41,065**

अदायगियां	2020-21	2019-20
I. व्यय		
क. स्थापना व्यय	1,92,74,354	2,05,24,972
ख. वेतन एवं भत्ते	6,17,39,202	6,55,65,356
ग. सेवानिवृत्ति लाभ	3,80,99,660	4,50,08,127
घ. शैक्षिक व्यय	9,25,471	71,66,633
ड. प्रशासनिक व्यय	2,28,98,410	2,60,90,554
च. परिवहन व्यय	-	-
छ. मरम्मत एवं रखरखाव	24,20,944	61,08,735
ज. पूर्व अवधि के व्यय	-	-
झ. अन्य व्यय	8,888	12,126
II. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति भुगतान - राज्यों को सहायता	-	-
III. स्थायी परिसंपत्तियों एवं प्रगतिरत पूंजीगत कार्यो पर व्यय		
क. स्थाई परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 4)	5,33,861	56,85,268
IV. संविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
सप्लायर/ लेनदारों को भुगतान	-	-
शुल्क एवं कर	6,300	1,60,900
देय सामान्य व्यय	3,67,885	6,46,824
देय वेतन व्यय	42,46,617	44,61,649
V. अन्य भुगतान		
जीवन बीमा निगम (जीईआई)	-	-
एमएचआरडी को ब्याज	-	-
आंतरिक प्राप्तियों को राशि	-	2,048
जी.पी.एफ को देय राशि	-	-
बैंक द्वारा अतिरिक्त ऋण	-	12,000
VI. जमा एवं अग्रिम		
अग्रिम	14,73,825	13,30,736
कार्य निष्पादन गारण्टी	-	-
प्रतिभूति जमा	3,81,410	25,66,886
आयकर विभाग के पास जमा राशि	-	-
एलटीसी अग्रिम	-	-
VII. पूंजीगत व्यय हेतु अग्रिम	-	20,00,000
VIII. अंतिम शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	-	-
ख. बचत खाते में (एच.क्यू.)	2,89,07,204	2,41,98,251
कुल	**18,12,84,030**	**21,15,41,065**

तैयार किया गया　　परामर्शदाता (वित्त)　　उप-निदेशक (प्रशा.)　　निदेशक

अनुसूची-1 – समग्र/पूंजीगत निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
वर्ष के आरंभ में शेष	(81,94,95,894)	(73,14,34,310)
जोडें : वित्तीय वर्ष 2018-19 में आवर्ती व्यय को रोकड़ राशि (प्रारंभिक जमा) में समायोजित किया जाना था पर उसे पूंजीगत व्यय में दर्शाये जाने की त्रुटि हुई है।	–	(8,48,000)
वर्ष का समायोजित आरंभिक खाता शेष	(81,94,95,894)	(73,22,82,310)
जोड़ें : समग्र पूंजीगत निधि में अंशदान	–	–
जोड़ें : पूंजी व्यय हेतु प्रयुक्त सीमा तक भारत सरकार की ओर से अनुदान	5,37,875	49,66,369
जोड़ें : निश्चित निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियां	–	–
जोड़ें : प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गई परिसंपत्तियां जिस पर संस्था का स्वामित्व है	–	–
जोड़ें : दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां/उपहार	–	–
घटायें : लेखा परीक्षा आपत्ति के अनुसार समायोजन	–	8,48,000
जोड़ें : आय तथा व्यय खाते से अंतरित व्यय पर आय की अधिकता	–	–
कुल	**(81,89,58,019)**	**(72,64,67,941)**
(घटायें) आय तथा व्यय खाते से अंतरित घाटा	(10,18,49,711)	(9,30,27,952)
वर्ष के अंत में शेष	**(92,08,07,729)**	**(81,94,95,894)**

अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
क		
क. आरंभिक खाता शेष	2,50,835	2,50,835
ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन	–	–
ग. निधि से किये गये निवेश से आय	–	–
घ. निवेश/अग्रिम पर प्रोदभूत ब्याज	–	–
ड़. बैंक बचत खाते पर ब्याज	–	–
च. अन्य परिवर्धन (श्रेणी निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल (क)	**2,50,835**	**2,50,835**
ख.		
निधियों का निर्धारित उद्देश्य हेतु प्रयोग/व्यय		
i. पूंजीगत व्यय	–	–
ii. राजस्व व्यय	–	–
कुल (ख)	–	–
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क - ख)	2,50,835	2,50,835
प्रस्तुत की गई		
नकद तथा बैंक शेष निवेश ब्याज अर्जित हुआ लेकिन देय नहीं	–	–
कुल	**2,50,835**	**2,50,835**

अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
क. वर्तमान देयताएं		
1. कर्मचारियों से जमा	–	–
2. विद्यार्थियों से जमा	–	–
3. विविध लेनदार	67,06,628	15,82,285
क. आर.ओ. से	–	–
ख. अन्य	54,64,014	72,466
4. जमा-अन्य (ई.एम.डी., प्रतिभूति जमा सहित)	12,42,614	15,09,819
5. सांविधिक देयताएं (जी.पी.एफ., टी.डी.एस., डब्लयू.सी. टैक्स, सी.पी.एफ, जी.आई.एस., एन.पी.एस.)	13,23,827	10,97,520
क. अतिदेय	–	–
ख. अन्य	13,23,827	10,97,520
6. अन्य वर्तमान देयताएं	3,39,52,771	2,50,60,240
क. वेतन	36,94,801	42,46,617
ख. प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां	–	–
ग. प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्तियां	–	–
घ. अप्रयुक्त अनुदान	2,40,21,442	1,94,56,020
ड. अग्रिम अनुदान	–	–
च. अन्य निधियां	–	–
छ. अन्य देयताएं	62,36,528	13,57,603
कुल (क)	**4,19,83,226**	**2,77,40,045**
ख. उपबन्ध		
1. कराधान के लिए	–	–
2. उपदान	6,40,16,813	6,53,15,197
3. अधिवर्षिता पेंशन	91,91,46,617	83,83,43,404
4. संचयित छुट्टी नकदीकरण	3,95,39,459	3,90,12,519
5. ट्रेड वारंटियां/दावे	–	–
6. व्यय हेतु प्रावधान	–	–
कुल (ख)	**1,02,27,02,889**	**94,26,71,120**
कुल (क + ख)	**1,06,46,86,115**	**97,04,11,165**

अनुसूची-4 – मूल्यह्रास की सूची

	निवल मूल्य				मूल्यह्रास				शुद्ध ब्लॉक	
राष्ट्रीय बाल भवन+ उपहार मदें	**01.04.20 की स्थिति**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**कटौती**	**31.03.21 की स्थिति**	**31.03.20 तक संचित ह्रास**	**चालू वर्ष के लिए ह्रास**	**कटौतियाँ/ समायोजन**	**31.03.21 को संचित ह्रास**	**31.03.21 की स्थिति**	**31.03.20 की स्थिति**
भूमि एवं भवन	890,72,176.11	82,20,204.00	–	9,72,92,380.11	501,85,017.10	19,45,848.00	–	5,21,30,865.10	4,51,61,515.01	3,88,87,159.01
ट्यूबवैल	9,48,027.00	22,690.00	–	9,70,717.00	5,15,881.70	19,415.00	–	5,35,296.70	4,35,420.30	4,32,145.30
विद्युतीय संस्थापन	187,32,817.13	28,51,616.00	–	2,15,84,433.13	106,47,029.54	8,87,503.00	–	1,15,34,532.54	1,00,49,900.59	80,85,787.59
संयंत्र एवं मशीनरी	4,20,056.50	–	–	4,20,056.50	4,08,133.50	745.00	–	4,08,878.50	11,178.00	11,923.00
वैज्ञानिक उपकरण	12,10,671.52	–	–	12,10,671.52	11,04,742.52	12,507.00	–	11,17,249.52	93,422.00	1,05,929.00
कार्यालय उपकरण	41,53,583.05	39,924.00	–	41,93,507.05	26,51,257.13	1,50,989.15	–	28,02,246.28	13,91,260.77	15,02,325.92
दृश्य एवं श्रव्य उपकरण	53,67,493.03	–	–	53,67,493.03	44,18,222.72	1,54,694.87	–	45,72,917.59	7,94,575.44	9,49,270.31
वाहन	2,77,643.00	–	–	2,77,643.00	2,74,841.00	350.00	–	2,75,191.00	2,452.00	2,802.00
पुस्तकें	9,98,382.00	2,730.00	–	10,01,112.00	9,98,381.00	273.00	–	9,98,654.00	2,458.00	1.00
फर्नीचर और फिक्सचर	158,95,667.81	24,800.00	–	1,59,20,467.81	150,41,278.86	1,57,245.98	–	1,51,98,524.84	7,21,942.97	8,54,388.95
कम्प्यूटर	94,08,573.00	61,822.00	–	94,70,395.00	90,64,103.00	1,14,251.00	–	91,78,354.00	2,92,041.00	3,44,470.00
विविध	85,54,871.97	13,850.00	–	85,68,721.97	78,53,335.61	1,14,143.00	–	79,67,478.61	6,01,243.36	7,01,536.36
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	3,89,988.00	47,697.00	–	4,37,685.00	3,89,988.00	47,697.00	–	4,37,685.00	–	–
कुल	**1554,29,950.12**	**1,12,85,333.00**	**–**	**16,67,15,283.12**	**1035,52,211.68**	**36,05,662.00**	**–**	**10,71,57,873.68**	**5,95,57,409.44**	**5,18,77,738.44**
जवाहर बाल भवन										
भवन, जवाहर बाल भवन	36,25,178.22	–	–	36,25,178.22	12,43,730.64	72,504.00	–	13,16,234.64	23,08,943.58	23,81,447.58
विद्युतीय उपकरण	8,44,644.57	–	–	8,44,644.57	2,99,064.05	42,099.00	–	3,41,163.05	5,03,481.52	5,45,580.52
ट्यूबबेल	2,64,833.00	–	–	2,64,833.00	97,251.08	5,297.00	–	1,02,548.08	1,62,284.92	1,67,581.92
संयंत्र एवं मशीनरी	1,48,837.00	–	–	1,48,837.00	72,966.02	7,442.00	–	80,408.02	68,428.98	75,870.98
कार्यालयी उपकरण	1,31,189.00	–	–	1,31,189.00	60,534.06	9,840.00	–	70,374.06	60,814.94	70,654.94
दृश्य एवं श्रव्य उपकरण	1,64,846.00	–	–	1,64,846.00	1,64,843.00	–	–	1,64,843.00	3.00	3.00
फर्नीचर एवं फिक्सचर	5,80,303.74	–	–	5,80,303.74	2,41,522.28	33,929.00	–	2,75,451.28	3,04,852.46	3,38,781.46
वाहन - जवाहर बाल भवन	2,309.00	–	–	2,309.00	2,306.00	–	–	2,306.00	3.00	1.53
पुस्तकें - जवाहर बाल भवन	1,128.18	–	–	1,128.18	1,127.18	–	–	1,127.18	1.00	1.00
कम्प्यूटर	4,83,575.00	–	–	4,83,575.00	96,715.00	96,715.00	–	1,93,430.00	2,90,145.00	3,86,860.00
विविध	25,552.15	–	–	25,552.15	12,482.67	1,278.00	–	13,760.67	11,791.48	13,069.48
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	18,488.00	–	–	18,488.00	18,488.00	–	–	18,488.00	–	–
कुल (जवाहर बाल भवन)	**62,90,883.86**	**–**	**–**	**62,90,883.86**	**23,11,029.98**	**2,69,104.00**	**–**	**25,80,133.98**	**37,10,749.88**	**39,79,852.41**

अनुसूची - 4 क

अमूर्त परिसंपत्तियाँ	**01.04.2019 को निवल ब्लॉक**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**वर्ष के दौरान बिक्री**	**31.03.2020 को निवल ब्लॉक**	**31.03.2019 तक ह्रास**	**वर्ष 2019-20 के लिए ह्रास**	**कटौतियाँ/ समायोजन**	**कुल ह्रास 31.03.2020 तक**	**31.03.2020 को शुद्ध ब्लॉक**	**31.03.2019 को शुद्ध ब्लॉक**
एण्टी वायरस और साफ्टवेयर	2,64,415.00	7,699.00	0	2,72,114.00	2,26,129.00	28,601.00	0	2,54,730.00	17,384.00	38,286.00
कुल	**16,19,85,248.98**	**1,12,93,032.00**	**–**	**17,32,78,280.98**	**1060,89,370.66**	**39,03,367.00**	**–**	**10,99,92,737.66**	**6,32,85,543.32**	**5,58,95,876.85**

अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. बैंकों में सावधि जमा	–	–
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-6 – अन्य निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
(i) एफ.डी.आर. सामान्य	–	–
(ii) एफ.डी.आर. प्रतिभूति जमा	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
1. स्टॉक	–	–
क. स्टोर्स तथा स्पेयर सामान	–	–
ख. खुले उपकरण	–	–
ग. प्रकाशन	–	–
घ. प्रयोगशाला के रसायन, उपभोज्य पदार्थ तथा शीशे का सामान	–	–
ड़. भवन निर्माण सामग्री	–	–
च. विद्युत संबंधी सामान	–	–
छ. लेखन सामग्री	–	–
ज. जलापूर्ति सामग्री	–	–
2. विविध देनदार	**3,76,575**	**3,76,575**
क. छः माह से अधिक अवधि के बकाया ऋण	3,76,575	3,76,575
ख. अन्य	–	–
3. टी.डी.एस.	**4,381**	**5,093**
टी.डी.एस. 19-20	4,381	5,093
3. नकद तथा बैंक शेष	–	–
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. नकद शेष (आर.ओ.)	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में	**2,89,07,204**	**2,41,98,251**
बचत खातों में	2,89,07,204	2,41,98,251
सावधि जमा खातों में	–	–
बचत खातों में	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में (गैर योजना)		
बचत खातों पर एच.क्यू. के साथ	–	–
बचत खातों पर आर.ओ. के साथ	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रक्रमण शुल्क पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक सीमैट एच.क्यू. पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रतिभूति जमा एच.क्यू. पर	–	–
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया सीमैट एच.क्यू. पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक एन.वी.ई.क्यू.एफ. लेखा पर	–	–
ख. अनुसूचित बैंकों में (योजनागत)		
बचत खातों पर एच.क्यू. के साथ	–	–
बचत खातों पर आर.ओ. के साथ	–	–
कुल	**2,92,88,160**	**2,45,79,919**

अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
1. कर्मचारियों को अग्रिम : (बिना ब्याज सहित)		–
क. विविध अग्रिम		–
ख. त्यौहार		–
ग. चिकित्सा अग्रिम		–
घ. अग्रदाय अग्रिम		–
ड. अन्य (कम्प्यूटर)		–
च. एल.टी.सी. अग्रिम		–
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम (ब्याज सहित)	**33,864**	**53,033**
क. वाहन ऋण	–	10,676
ख. आवास ऋण	–	–
ग. अन्य (कम्प्यूटर)	33,864	42,357
3. अग्रिम तथा नकद अथवा अन्य प्रकार से वसूली योग्य अन्य राशियां	**5,14,55,167**	**6,83,52,355**
क. पूंजी खाते पर		
i सी.पी.डब्लयू डी. को अग्रिम	4,15,82,819	5,28,52,097
ख. आपूर्तिकर्ताओं को		
i डी.टी.सी. को अग्रिम	1,59,875	1,59,875
ii राज्यों को सहायता	56,39,949	85,63,200
iii बीएसईएस से प्राप्य राशि	21,829	23,495
iv केंद्रीय भंडार को अग्रिम	–	–
ग. अन्य पक्ष	–	–
घ. ओ. बी. ए. अग्रिम	40,48,920	67,51,913
ड. सीजीएचएस को अग्रिम	–	–
च. अन्य	1,775	1,775
4. पूर्वदत्त व्यय	**–**	**20,84,401**
क. बीमा	–	–
ख. अन्य व्यय	–	20,84,401
5. जमा	**66,486**	**2,00,520**
क. टेलीफोन	–	–
ख. लीज़/किराया	–	–
ग. बिजली	21,975	21,975
घ. अन्य (जमा)	44,511	1,78,545
कुल	**5,15,55,517**	**7,06,90,309**

अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	कुल		2020-21	2019-20
विद्यार्थियों से शुल्क				
शैक्षिक				
1. शिक्षा शुल्क			–	–
2. प्रवेश शुल्क			–	–
3. नामांकन शुल्क			–	–
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क			–	–
5. प्रयोगशाला शुल्क			–	–
6. कला एवं शिल्प शुल्क			–	–
7. पंजीकरण शुल्क			–	–
8. पाठ्यक्रम शुल्क			–	–
कुल (क)			**–**	**–**
परीक्षाएं				
1. दाखिला परीक्षा शुल्क			–	–
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क			–	–
3. अंक पत्र, प्रमाण-पत्र शुल्क			–	–
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क			–	–
कुल (ख)			**–**	**–**
अन्य शुल्क				
1. पहचान पत्र शुल्क			–	–
2. जुर्माना/विविध शुल्क/दंड शुल्क			–	–
3. चिकित्सा शुल्क			–	–
4. परिवहन शुल्क			–	–
5. छात्रावास शुल्क			–	–
6. संस्थानों से प्रसंस्करण का शुल्क			–	–
7. विविध			–	–
कुल (ग)			**–**	**–**
प्रकाशनों की बिक्री				
1. पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्रों आदि की बिक्री			–	–
2. प्रवेश प्रपत्रों सहित विवरणिका (प्रोस्पैक्टस) की बिक्री			–	–
3. अन्य			–	–
कुल (घ)			**–**	**–**
अन्य शैक्षिक प्राप्तियां				
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क			–	–
2. सदस्यता शुल्क			–	–
कुल (ड़)			**–**	**–**
कुल जोड़ (क+ख+ग+घ+ड़)			**–**	**–**

अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)

राशि रुपयों में

विवरण	पूंजी	वेतन	सामान्य	एनईआर सामान्य	एनईआर पूंजी	2020-21	2019-20
पिछले वर्ष का शेष (31.03.2021 की स्थिति के अनुसार अव्ययित शेष)	67,49,640	66,33,316	48,15,702	7,362	12,50,000	1,94,56,020	56,30,423
वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	–	7,52,86,000	7,95,37,000	–	–	15,48,23,000	19,88,47,000
घटायें : पूंजीगत व्यय के लिए इस्तेमाल	1,71,849	–	3,66,026	–	–	5,37,875	49,66,369
जोड़ें : अप्रयुक्त अनुदान की वापसी	–	–	–	–	–	–	–
शेष	65,77,791	8,19,19,316	8,39,86,676	7,362	12,50,000	17,37,41,145	19,95,11,054
घटायें : 31.03.2021 की स्थिति के अनुसार अव्ययित शेष	65,77,791	69,96,481	91,89,808	7,362	12,50,000	2,40,21,442	1,94,56,020
राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया	–	**7,49,22,835**	**7,47,96,868**	–	–	**14,97,19,703**	**18,00,55,034**

अनुसूची-11 – निवेश से आय

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
1. ब्याज		
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर		
ख. अन्य डिबेंचर/बंध पत्र		
2. सावधि जमा पर ब्याज		
क. पटियाला स्टेट बैंक में सावधि जमा पर ब्याज		
ख. आई.सी.आई.सी.आई. – सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज		
ग. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रतिभूति जमा में सावधि जमा पर ब्याज		
घ. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रसंस्करण शुल्क में सावधि जमा पर ब्याज		
ड. भारतीय स्टेट बैंक सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज		
च. आई.सी.आई.सी.आई. – एन.वी.ई.क्यू.एफ.में सावधि जमा पर ब्याज		
(उपरोक्त राशि प्रोदभूत ब्याज सहित दर्शाई गई हैं)		
3. यू.जी.सी. अनुदानों पर ब्याज		
4. बैंक बचत खातों पर ब्याज		
5. अन्य (सी.पी.एफ.)		
कुल		
निश्चित/एंडोमेंट निधि में अंतरित राशि		
शेष		

अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर		
i. योजनागत		
क. केनरा बैंक	–	9,62,875
ख. एम.एस.जे.ई.	662	1,59,020
ii. योजनेत्तर		
क. केनरा बैंक योजनेत्तर	–	–
2. ऋणों पर		
क. कर्मचारी/ स्टाफ	3,507	5,357
ख. अन्य	–	–
3. देनदारों तथा अन्य प्राप्ति योग्य मदों पर		
क. प्रतिभूति जमा	–	26,106
ख. देनदारों से प्राप्त ब्याज	–	1,54,424
कुल	**4,169**	**13,07,782**

अनुसूची-13 – अन्य आय

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. छात्रावास कक्षों का किराया	–	–
2. लाईसेंस शुल्क	68,263	82,080
3. ऑडिटोरियम/खेल के मैदान/सुविधा केन्द्र का बुकिंग शुल्क	–	–
4. वसूले गये बिजली बिल	7,120	44,416
5. वसूला गया जल शुल्क	1,257	5,872
कुल	**76,640**	**1,32,368**
ख. संस्था के प्रकाशनों की बिक्री	–	–
ग. कार्यक्रम के आयोजनों से आय		
1. वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों से सकल प्राप्ति	–	–
घटायें : वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
2. उत्सव/मेला आयोजन से सकल प्राप्तियां	–	–
घटायें : उत्सव/मेला आयोजन पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
3. शैक्षिक भ्रमणों से सकल प्राप्तियां	–	–
घटाएं – शैक्षिक भ्रमणों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
4. अन्य (निर्दिष्ट करें तथा अलग से विवरण दें)	–	–
कुल	–	–
घ. अन्य		
1. परामर्शी सेवाओं से आय	–	–
2. जनसूचना अधिकार शुल्क	–	–
3. रॉयल्टी से आय	–	–
4. आवेदन प्रपत्रों (भर्ती) की बिक्री	–	–
5. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, रद्दी कागज़ आदि की बिक्री)	–	–
6. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ	–	3,85,860
क. स्वामित्व वाली परिसंपत्तियां	–	178
ख. नि:शुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	–	–
7. संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा कल्याणकारी संस्थाओं से प्राप्त दान/अनुदान	–	–
8. अन्य	68,674	1,84,510
9. गत अवधि की आय	–	–
10. ट्राई (TRAI) से वसूली	–	–
11. CGHS कर्मचारी	2,39,400	2,64,800
12. CGHS पेंशनर्स	16,900	3,67,650
13. कर्मचारियों के वेतन से वसूली	2,88,758	3,45,719
14. सामान्य वसूली		–
कुल	**6,13,732**	**15,48,717**
सर्वयोग (क+ख+ग+घ)	**6,90,372**	**16,81,085**

अनुसूची-14 – गत अवधि की आय

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
1. शैक्षिक प्राप्तियां	–	–
2. निवेश से आय	–	–
3. अर्जित ब्याज	–	–
4. अन्य आय	4,344	1,35,467
कुल	**4,344**	**1,35,467**

अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
क. वेतन एवं मजदूरी	6,15,18,619	6,53,10,751
ख. भत्ते एवं बोनस	1,98,79,167	2,07,92,997
ग. एल.टी.सी. सुविधा	8,830	2,93,426
उप-जोड़	**8,14,06,616**	**8,63,97,174**
घ. भविष्य निधि में योगदान	–	74,200
ड़. एनपीएस में योगदान	14,71,515	14,18,590
च. स्टाफ कल्याण पर व्यय	–	–
छ. सेवानिवृत्ति लाभ	11,81,31,429	13,72,16,853
ज. चिकित्सा सुविधा	42,73,936	34,14,744
झ. संतान शिक्षा भत्ता	8,10,000	8,58,424
ञ. जीवन निर्वाह भत्ता	–	–
ट. मानदेय	–	–
ठ. छुटी वेतन, पेंशन एवं ग्रेच्युटी अंशदान	–	–
ड. सहायक लेखा अधिकारी की सेवानिवृत्ति पेंशन योगदान	88,500	1,38,264
उप-जोड़	**12,47,75,380**	**14,31,21,075**
जोड़	**20,61,81,996**	**22,95,18,249**

अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ (31.03.2021)

राशि रुपयों में

विवरण	पेंशन	ग्रेच्यूटी	छुट्टी नकदीकरण	जोड़
क. 01.04.2020 को प्रारम्भिक शेष	**83,83,43,404**	**6,53,15,197**	**3,90,12,519**	94,26,71,120
ख. घटायें : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान				
(i) वर्ष के दौरान अदा किये गए सेवानिवृत्ति लाभ मासिक पेंशन सहित	2,89,19,213	57,28,818	34,51,629	3,80,99,660
(ii) वर्ष के दौरान छुट्टी नकदीकरण	–	–	–	–
ग. शेष उपलब्ध	**80,94,24,191**	**5,95,86,379**	**3,55,60,890**	90,45,71,460
घ. वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2021 को तुलन पत्र में अपेक्षित प्रावधान	91,91,46,617	6,40,16,813	3,95,39,459	**1,02,27,02,889**
ड़. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग) आय और व्यय खाते में	**10,97,22,426**	**44,30,434**	**39,78,569**	**11,81,31,429**

अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
क. प्रयोगशाला व्यय	–	–
ख. क्षेत्रकार्य/सम्मेलनों में भाग लेना	–	–
ग. सेमिनार/कार्यशाला व्यय	14,36,437	70,23,346
घ. अतिथि अध्यापकों को भुगतान	–	–
ङ. सीमैट एवं जी.पी.ए.टी. परीक्षा	–	–
च. विद्यार्थी कल्याण व्यय	–	–
छ. दाखिला व्यय	–	–
ज. दीक्षांत व्यय	–	–
झ. प्रकाशन	–	–
ञ. वृत्तिका सह मैरिट वजीफा	–	–
ट. अभिदान व्यय	–	–
ठ. अन्य (निर्दिष्ट करें)	1,37,627	1,50,867
ड. पुरस्कार वितरण व्यय	–	–
कुल	**15,74,064**	**71,74,213**

अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
क. आधारभूत संरचना		
क. बिजली	39,24,680	58,20,095
ख. जल शुल्क	5,16,822	6,14,303
ग. बीमा	–	–
घ. किराया, दर तथा टैक्स (प्रोपर्टी टैक्स सहित)	20,84,401	20,84,401
ख. संचार	–	–
ड. पोस्टेज तथा लेखन सामग्री	6,674	20,767
च. टेलीफोन, फैक्स तथा इंटरनेट प्रभार	2,95,414	3,55,974
ग. अन्य	–	–
छ. मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोज्य)	4,73,942	7,80,759
ज. यात्रा तथा परिवहन व्यय	98,293	1,08,587
झ. सत्कार	–	–
ञ. लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	1,46,920	51,310
ट. व्यवसायिक प्रभार	3,55,026	5,29,548
ठ. विज्ञापन एवं प्रचार	2,11,132	1,34,524
ड़. पत्रिकाएं एवं जरनल	10,156	40,994
ढ. वार्षिक अनुरक्षण प्रभार	–	–
ण. गैर-अधिकारिक टी.ए./डी.ए. व्यय	–	–
त. अधिकारिक टी.ए./डी.ए. व्यय	–	–
थ. स्थानांतरण टी.ए./डी.ए. व्यय	–	–
द. कार्यशाला अभिलेखागार और उपकरणों पर व्यय	–	–
ध. विविध कार्यालयी व्यय	5,95,397	3,58,560
न. बागवानी व्यय	–	–
प. कार्यक्रम संबंधी कार्यकलाप	15,368	39,099
फ. गृह प्रबंध एवं सुरक्षा	1,61,08,932	155,06,352
ब. कार्यालयी व्यय	–	–
भ. अतिथि गृह/आवास व्यय	–	–
म. आंतरिक प्राप्तियां व्यय	–	–
य. विद्यार्थी कल्याण व्यय	–	–
र. बा.भ.के. व्यय	–	–
ल. बा.भ.के. परियोजना व्यय	–	–
कुल	**2,48,43,157**	**264,45,273**

अनुसूची-18 – परिवहन व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व वाले वाहन)	–	–
क. वाहन चलाने संबंधी व्यय	–	–
ख. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
ग. बीमा व्यय	–	–
घ. कार पार्किंग व्यय	–	–
2. किराये/लीज़ पर लिये गये वाहन	–	–
क. किराया/लीज़ संबंधी व्यय	–	–
3. वाहन (टैक्सी) किराये पर लेने का व्यय	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
क. भवन	13,05,425	39,11,048
ख. फर्नीचर एवं साज-सज्जा	21,375	1,17,704
ग. पौधे एवं मशीनरी	–	–
घ. कार्यालय उपकरण	31,350	41,547
ड. संगीत/वाद्य यंत्र	–	–
च. दृश्य श्रव्य उपकरण	–	60,268
छ. साफ-सफाई संबंधी सामग्री एवं सेवाएं	26,797	16,443
ज. उपकरण	32,527	12,358
झ. बागवानी	14,612	1,37,707
ञ. बिजली का सामान	9,68,715	16,32,889
ट. अन्य (मरम्मत)	52,668	1,78,771
कुल	**24,53,469**	**61,08,735**

अनुसूची-20 – वित्त लागत

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
क. बैंक शुल्क	8,887.50	12,126.00
ख. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	**8,887.50**	**12,126.00**

अनुसूची-21 – अन्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
क. अशोध्य/संदिग्ध ऋण/अग्रिमों हेतु की गई व्यवस्था	–	–
ख. काट दिये गये अप्राप्य शेष	–	–
ग. अन्य संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी/अनुदान	–	–
घ. अन्य (बैंक प्रभार)	–	–
ड़. स्थायी परिसंपत्तियों से हानि	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2020-21	2019-20
1. स्थापना व्यय	–	–
2. शैक्षिक व्यय	–	–
3. प्रशासनिक व्यय	–	–
4. परिवहन व्यय	–	–
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
6. अन्य व्यय	1,33,03,358	34,39,621
कुल	**1,33,03,358**	**34,39,621**

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता – 31 मार्च 2021 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2020-21	2019-20	परिसम्पत्तियाँ	2020-21	2019-20
पूंजीगत खाता			**स्थायी परिसम्पत्तियाँ**		
प्रारक्षित एवं सरप्लस			श्रृव्य एवं दृश्य उपकरण	9,28,051	10,55,237
आरम्भिक शेष	4,61,34,765	3,86,66,800	विद्युत अवस्थापन उपकरण	5,09,913	5,41,147
जोड़ : व्यय से ऊपर अतिरिक्त आय	(10,22,699)	74,67,965	फर्नीचर व फिक्चर	4,90,957	5,42,096
31.03.2020 को शेष	**4,51,12,066**	**4,61,34,765**	कार्यालय उपकरण	9,93,722	11,10,862
ऋण देयतायें			कम्प्यूटर व सहायक मदें	–	–
गैर-प्लान राशि अन्तरण (एनबीबी)	–	–	ट्यूबवैल व पानी आपूर्ति	23,126	26,706
			पौधे एवं मशीनरी	2,71,784	2,88,478
			कम लागत की परिसम्पत्तियाँ	–	–
			विविध परिसम्पत्तियाँ	87,090	92,896
				33,07,643	**36,57,422**
			निवेश		
			सावधि जमा	1,60,46,704	1,50,16,035
वर्तमान देयताएं			**वर्तमान परिसम्पत्तियाँ**		
			ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्तियाँ)	4,18,096	4,24,096
देय व्यय	–	–	बैंक खाते	2,39,24,501	2,31,93,325
ईएमडी/प्रतिभूति जमा	11,769	19,238	एनबीबी मेन से प्राप्त राशि	75,109	–
रा.बा.भ. मुख्य को देय राशि (देयताएं)	–	1,21,982	उपार्जित ब्याज	4,04,539	6,00,973
देनदान (प्रतिभूति जमा) की अवरूद्ध राशि	–	–	बैण्ड प्रतियोगिता	31,064	1,83,594
वापसी योग्य प्रतिभूति जमा	–	–	परीक्षा पे चर्चा	2,26,196	11,89,563
			स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार	–	–
	11,769	**1,41,220**	ध्रुव	5,21,296	18,27,422
			स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस)	1,68,686	1,83,554
			शुल्क और कर	1	1
				4,18,16,192	**4,26,18,563**
कुल अग्रेनीत	**4,51,23,835**	**4,62,75,985**		**4,51,23,835**	**4,62,75,985**

तैयार किया गया

परामर्शदाता (वित्त)

उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता
31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2020-21	2019-20	आय	2020-21	2019-20
प्रशासनिक व्यय	–	–	मान्यता प्रदत्त शुल्क	81,500.00	1,17,777.00
मरम्मत और रख-रखाव	1,27,914.00	10,58,023.00	बाल भवन केन्द्र-प्राप्तियाँ	2,498.00	79,290.00
बैंक प्रभार	328.00	3,820.00	किराया प्राप्त	–	–
वाहन व्यय	–	–	एफ डी के लिए ब्याज	9,01,945.48	9,86,682.02
ह्रास	3,49,779.00	6,16,879.00	छात्रावास प्रभार – प्राप्तियाँ	24,900.00	33,44,916.00
मनोरंजन व्यय	–	–	सदस्यता शुल्क	1,800.00	6,33,960.00
उपहार वितरण व्यय	–	–	सदस्यता शुल्क – जेबीबी मांडी	–	2,100.00
हाउस कीपिंग प्रभार	6,55,596.00	8,35,776.00	विविध प्राप्तियाँ	1,663.00	24,77,478.00
छात्रावास मैस प्रभार	1,960.00	6,98,279.00	टूर्नामैंट के लिए भागीदारी	–	–
छात्रावास व्यय – अन्य	–	–	प्रवेश पत्र फार्म की बिक्री	316.00	51,020.00
आई आर/आयकर विवरणी (रिटर्न)	15,26,810.00	–	प्रवेश टिकट बिक्री	–	5,74,531.24
छोटी रेलगाड़ी चलाने पर व्यय	5,881.00	97,169.00	सूचना फोल्डर की बिक्री	–	–
पूर्व अवधि व्यय	30,000.00	–	ट्रेन टिकट की बिक्री	–	21,11,650.00
विविध व्यय	–	65,702.00	विगत अवधि आय	9,202.00	–
बैठक व सभागार व्यय	–	–	प्राप्त बैंक ब्याज	6,51,745.00	4,64,208.77
व्यय से ऊपर अतिरिक्त आय	(10,22,698.52)	74,67,965.03	प्रभारित विद्युत व्यय	–	–
			कर्मचारियों को मानदेय	–	–
			जल प्रभार वसूली	–	–
जोड़	**16,75,569.48**	**1,08,43,613.03**	**जोड़**	**16,75,569.48**	**1,08,43,613.03**

तैयार किया गया | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता
31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2020-21	2019-20	अदायगियां	2020-21	2019-20
प्रारम्भिक शेष			**वर्तमान देयतायें**		
बैंक	2,31,93,325	1,83,47,576	मुख्य खाते में देय राशि	1,23,643	–
			शुल्क एवं कर	–	–
ऋण (देयतायें)			विविध लेनदार	–	–
योजनतर राशि अंतरण (एनबीबी)	–	–	ईएमडी का पुनर्भुगतान	–	24,860
			निष्पादन गारंटी का पुनर्भुगतान	–	11,212
			देय व्यय	–	17,080
ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्ति)			**ऋण (देयतायें)**		
मुख्य खाते से प्राप्य राशि	–	2,048	योजनतर राशि अंतरण (एनबीबी)	–	–
ओबीए चालू खाता	119	–			
			निवेश		
प्रत्यक्ष आय			केनरा बैंक के साथ एफ.डी.आर.	–	–
मान्यता शुल्क	81,500	1,17,777			
बीबीके – प्राप्तियाँ	2,498	79,290	**स्थायी परिसम्पत्तियाँ**		
छात्रवास प्रभार प्राप्तियाँ	24,900	9,64,216	कार्यालय उपकरण	–	33,780
सदस्यता शुल्क	1,800	6,33,960	पौधे एवं मशीनरी	–	–
सदस्यता शुल्क – जेबीबी मांडी	–	2,100	लघु कीमत की परिसम्पत्तियाँ	–	–
विविध प्राप्तियाँ	3,324	20,50,071	फर्नीचर और फिक्चर	–	9,458
प्राप्त किराया	–	–	डेजर्ट कूलर	–	–
प्रवेश फार्म की बिक्री	316	51,020	विद्युत अवस्थापन व उपकरण	–	73,855
प्रवेश टिकट की बिक्री	–	5,74,531	साईन बोर्ड	–	–
जानकारी फोल्डर की बिक्री	–	–	ट्यूबबैल व जल आपूर्ति	–	–
ट्रेन टिकट की बिक्री	–	21,11,650	श्रव्य एवं दृश्य उपकरण	–	–

प्राप्तियां	2020-21	2019-20	अदायगियां	2020-21	2019-20
परिपक्व एफडीआर			**ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्तियाँ)**		
सावधि जमा	–	–	ओबीए चालू खाता	–	1,97,550
			मा.स.वि.मंत्रालय	–	–
चालू संपत्तिया					
बैंड प्रतियोगिता	1,52,530	7,73,788	**वर्तमान परिसम्पत्तियाँ**		
परीक्षा पे चर्चा	9,63,367	12,74,307	परीक्षा पे चर्चा	–	–
स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार	–	82,750	ध्रुव	–	13,32,624
ध्रुव	13,06,126				
अप्रत्यक्ष आय			**अप्रत्यक्ष व्यय**		
विगत अवधि आय	9,202	–	बैंक प्रभार	328	3,820
बिजली का खर्च	–	–	छात्रावास मैस प्रभार	1,960	6,72,140
कर्मचारियों को मानदेय	–	–	विविध व्यय	–	65,702
जल शुल्क वसूली	–	–	मरम्मत और रख-रखाव	1,27,914	9,65,781
प्राप्त बैंक ब्याज	6,51,745	4,64,209			
एफडी पर ब्याज	–	–	छात्रावास व्यय - अन्य	–	–
			साफ-सफाई पर व्यय	6,55,596	9,28,106
वर्तमान देयताएं			छोटी रेलगाड़ी को चलाने पर व्यय	–	–
ई.एम.डी./प्रतिभूति जमा	–	–	आई आर/आयकर विरणी (रिटर्न)	15,26,810	–
वयस्क शिक्षा निदेशालय	–	–	पूर्व अवधि व्यय	30,000	–
कला उत्सव	–	–	**अन्तिम शेष**		
बैण्ड प्रतियोगिता	–	–	बैंक	2,39,24,501	231,93,325
जोड़	**2,63,90,752**	**275,29,293**	**जोड़**	**2,63,90,752**	**2,75,29,293**

तैयार किया गया

परामर्शदाता (वित्त)

मुनेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

दीपा
निदेशक

आन्तरिक प्राप्ति खाता

स्थायी परिसंपत्ति – 31 मार्च 2021 को परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास की सूची

आंतरिक प्राप्ति	01.04.2020 को निवल ब्लॉक	वर्ष के दौरान खरीद/समायोजन	वर्ष के दौरान बिक्री	31.03.2021 को निवल ब्लॉक	31.03.2020 तक ह्रास	वर्ष 2020-21 के लिए ह्रास	कटौतियाँ/ समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2021 को शुद्ध ब्लॉक	31.03.2020 को शुद्ध ब्लॉक
ट्यूबवैल व जल आपूर्ति	28,985	–	–	28,985	2,279	580	–	2,859	26,126	26,706
विद्युत अवस्थापन व उपकरण	6,24,684	–	–	6,24,684	83,537	31,234	–	1,14,771	5,09,913	5,41,147
कार्यालयी उपकरण	15,61,864	–	–	15,61,864	4,51,002	1,17,140	–	5,68,142	9,93,722	11,10,862
श्रृव्य एवं दृश्य उपकरण	16,95,816	–	–	16,95,816	6,40,579	1,27,186	–	7,67,765	9,28,051	10,55,237
कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण	23,625	–	–	23,625	23,625	–	–	23,625	–	–
फर्नीचर एवं साज-सज्जा	6,81,852	–	–	6,81,852	1,39,756	51,139	–	1,90,895	4,90,957	5,42,096
पौधे एवं मशीनरी	3,33,886	–	–	3,33,886	45,408	16,694	–	62,102	2,71,784	2,88,478
विविध परिसम्पत्तियाँ (सी.एन.जी. कनेक्शन)	1,16,120	–	–	1,16,120	23,224	5,806	–	29,030	87,090	92,896
कम मूल्य की परिसम्पत्तियाँ	7,20,667	–	–	7,20,667	7,20,667	–	–	7,20,667	–	–
कुल एन.बी.बी. (क)	**57,87,499**	–	–	**57,87,499**	**21,30,077**	**3,49,779**	–	**24,79,856**	**33,07,643**	**36,57,422**

जी.पी.एफ खाता – 31 मार्च 2021 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2020-21	2019-20	परिसंपत्तियां	2020-21	2019-20
पूंजी खाता			**निवेश**		
रिजर्व एवं अधिशेष			केनरा बैंक में सावधि जमा	5,90,25,040	6,71,80,044
प्रारंभिक शेष	(13,78,532)	(3,98,203)	सरकारी प्रतिभूति	2,13,030	2,13,030
व्यय पर आय की अधिकता	(11,17,849)	(9,80,329)	जी.पी.ओ. नई दिल्ली	16,759	16,759
अंतिम शेष	**(24,96,381)**	**(13,78,532)**			
ऋण (देयताएं)					
सामान्य भविष्य निधि					
01.04.2020 को आरंभिक शेष	6,71,53,244	6,44,89,845	प्रोदभूत ब्याज परंतु देय नहीं	–	28,974
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	1,05,78,100	1,01,83,100			
जोड़ें : ब्याज	42,02,756	46,70,131	**वर्तमान परिसंपत्तियां**		
घटाएं : आहरण/अंतिम भुगतान	1,55,21,031	1,21,89,832	हाथ रोकड़	–	–
अंत शेष	**6,64,13,069**	**6,71,53,244**	बैंक खाते	31,12,061	18,66,980
			टी.डी.एस.	11,39,828	12,97,070
अंशदायी भविष्य निधि			मुख्य से वसूली योग्य राशि	4,09,970	–
01.04.2020 को आरंभिक शेष	48,16,093	36,48,811			
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	–	8,45,800			
जोड़ें : ब्याज	–	3,21,482			
घटाएं : आहरण	48,16,093	–			
अंत शेष	–	**48,16,093**			
मुख्य को देय राशि	–	**12,052**			
कुल अग्रेनीत	**6,39,16,688**	**7,06,02,857**	**कुल**	**6,39,16,688**	**7,06,02,857**

तैयार किया गया | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

जी.पी.एफ. खाता
31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2020-21	2019-20	आय	2020-21	2019-20
प्रत्यक्ष व्यय			**अप्रत्यक्ष आय**		
जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	45,47,419	48,94,924	सावधि जमा पर ब्याज (सकल)	32,69,702	41,61,734
सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	–	3,21,482	बचत खातों पर प्राप्त ब्याज	1,54,292	55,571
बैंक प्रभार	1,740	149	टीडीएस वापसी पर ब्याज	7,316	18,921
			विविध वसूली	–	–
व्यय पर आय की अधिकता	–	–	आय पर व्यय की अधिकता	11,17,849	9,80,329
कुल	**45,49,159**	**52,16,555**	**कुल**	**45,49,159**	**52,16,555**

तैयार किया गया

परामर्शदाता (वित्त)

उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

जी.पी.एफ. खाता

31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2020-21	2019-20	अदायगियां	2020-21	2019-20
आरंभिक शेष			**ऋण (देयताएं)**		
बैंक	18,66,980	6,41,643	जी.पी.एफ. से आहरण	1,55,21,031	1,21,89,832
			सी.पी.एफ से आहरण	48,16,093	–
प्राप्त अंशदान			**प्रत्यक्ष व्यय**		
जी.पी.एफ. अभिदान (कर्मचारियों का)	1,05,78,100	1,01,83,100	जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	3,44,663	2,24,793
			सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	–	–
सी.पी.एफ. अंशदान					
कर्मचारियों का अभिदान	–	7,65,000	बैंक प्रभार	668	149
बोर्ड का अंशदान	–	80,800			
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	1,54,292	55,571	**निवेश**		
मियादी जमा पर ब्याज (निवल)	30,52,192	37,16,612	विजया बैंक में एफ.डी.आर.	–	–
टीडीएस वापसी पर ब्याज	–	18,921			
विविध वसूली	–	–			
परिपक्व एफ.डी.आर.			केनरा बैंक में एफ.डी.आर.	5,90,25,040	6,71,80,044
केनरा बैंक	6,71,80,044	6,55,85,312			
विजया बैंक	–	–	मुख्य के लिए देय राशि	12,052	–
आई.डी.बी.आई. बैंक	–	–			
अन्य प्राप्तियां			**अंत शेष**		
अन्य प्राप्तियां/टीडीएस वापसी	–	4,14,839	बैंक	31,12,061	18,66,980
कुल	**8,28,31,608**	**8,14,61,798**	**कुल**	**8,28,31,608**	**8,14,61,798**

तैयार किया गया | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2021 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2020-21	2019-20	परिसंपत्तियां	2020-21	2019-20
वर्तमान देयताएं					
आरंभिक शेष	1,58,155.00	1,52,852.00	बैंक में शेष	1,62,964.00	1,58,155.00
		-			
व्यय पर आय की अधिकता	4,809.00	5,305.00			
अंत: शेष	**1,62,964.00**	1,58,155.00			
कुल	**1,62,964.00**	**1,58,155.00**		**1,62,964.00**	**1,58,155.00**

तैयार किया गया

परामर्शदाता (वित्त)

उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2020-21	2019-20	आय	2020-21	2019-20
			प्राप्त ब्याज		
बैंक प्रभार	–	–	केनरा बैंक से	4,809.00	5,303.00
एन.एस.डी.एल.	–	–			
			प्राप्त अंशदान		
			कर्मचारियों से	–	–
			नियोक्ता से	–	–
व्यय पर आय की अधिकता	4,809.00	5,303.00			
कुल	**4,809.00**	**5,303.00**	**कुल**	**4,809.00**	**5,303.00**

तैयार किया गया | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

एन.पी.एस. खाता

31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2020-21	2019-20	अदायगियां	2020-21	2019-20
आरंभिक शेष			एन.एस.डी.एल.		
बैंक	1,58,155.00	1,52,852.00			
प्राप्त अंशदान			**अंशदान का भुगतान**		
कर्मचारियों का अंशदान	14,69,812.00	15,29,845.00	कर्मचारियों का अंशदान	14,69,812.00	15,29,845.00
नियोक्ता का अंशदान	14,69,812.00	15,29,845.00	नियोक्ता का अंशदान	14,69,812.00	15,29,845.00
			बैंक प्रभार	–	–
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	4,809.00	5,303.00			
			अंतिम शेष		
			बैंक	1,62,964.00	1,58,155.00
कुल	**31,02,588.00**	**32,17,845.00**	**कुल**	**31,02,588.00**	**32,17,845.00**

तैयार किया गया

परामर्शदाता (वित्त)

उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखे

क. वित्तीय विवरण परम्परागत रूप से लागत के आधार पर तैयार किये जाते हैं। यदि और कोई विशेष निर्देश न दिया गया हो तो सामान्यत: इन्हें प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

ख. राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा जी.पी.एफ. एन.पी.एस. तथा मुख्य खाता आदि के लिए अलग-अलग लेखे तथा उत्पन्न निधि तैयार किये जाते हैं।

ग. शुल्क/अभिदान के रूप में प्राप्त सभी राशियों तथा अप्रयुक्त अनुदान की वापसी का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है।

2. सहायता एवं अनुदान

अनुदान का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है तथा पूंजीगत प्रकार के व्ययों को छोड़कर इन्हें आय तथा व्यय खाते में क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है। (इस राशि को सीधे पूंजीगत निधि में क्रेडिट किया जाता है।)

3. अचल परिसंपत्तियां तथा मूल्यह्रास

क. अचल परिसंपत्तियों का विवरण अधिग्रहण की कीमत में से मूल्यह्रास को घटाकर दिया जाता है। राष्ट्रीय बाल भवन को उपहार के तौर पर प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को संस्थान की परिसंपत्तियों के साथ ही मिला कर लिखा गया है। उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का लेखा उनकी विक्रय कीमत के आधार पर किया जाता है।

ख. अप्रचलित/सेवा के अयोग्य परिसंपत्तियों, यदि कोई हो, तो उनकी बिक्री से प्राप्त आय को 'विविध प्राप्तियां' शीर्ष के अंतर्गत दिखाया जाता है।

4. मूल्यह्रास

4.1 इस वर्ष के दौरान मूल्यह्रास मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी लेखों के मानकीकरण हेतु निश्चित किये गये नये फार्मेट में दी गई निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति के आधार पर प्रभारित किया गया है। इससे पहले अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता था।

4.2 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों में परिवर्धन की स्थिति में मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है तथा अचल परिसंपत्तियों से राशि घटाने के मामले में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता।

5. विशिष्ट व्यय/अदायगी

क. मुद्रण एवं लेखन सामग्री

मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर खर्च की गई राशि को प्रोदभूत होने पर व्यय के रूप में लिखा जाता है। अंतिम स्टॉक के लेखों में इसके लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता क्योंकि इसकी लागत निश्चित नहीं है।

ख. टेलीफोन जमा राशि

टेलीफोन तथा अनुषंगी सुविधाओं के लिए जमा को स्थापना/इनके लगने के वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाल दिया गया है और निवल मूल्य के लिए प्रभारों/व्यय की गणना की गई है।

6. सभी जमा/निवेश पर ब्याज का लेखा भी प्रोदभवन आधार पर किया जाता है।

7. कर्मचारियों का वेतन/हितलाभ

क. राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों पर कुल मिलाकर केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी सेवा नियम लागू होते हैं।

ख. सेवानिवृत्ति हित लाभों का लेखाकरण मानक संख्या 15 के अनुसार अनुमोदित मूल्यांकक द्वारा बीमांकक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

ग. राष्ट्रीय बाल भवन अपने कर्मचारियों के लिए अलग से भविष्यनिधि खाता अनुरक्षित रखता है।

तैयार किया गया	परामर्शदाता (वित)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

लेखा नोट्स

1. संसद द्वारा अनुमोदित बजट के आधार पर सरकार की ओर से प्राप्त अनुदान राष्ट्रीय बाल भवन की प्राप्तियों का प्रमुख स्रोत है। प्राप्त अनुदान (पूंजीगत प्रकृति के व्ययों के समायोजन के पश्चात) का लेखा आय तथा व्यय खाते में किया जाता है, यद्यपि राष्ट्रीय बाल भवन की वास्तविक आय इन प्रतिबंधों के चलते शून्य है कि सरकार के आदेश के बिना अनुदानों का अप्रयुक्त शेष एक वित्त वर्ष से अगले वित्त वर्ष में अंतरित नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन की कोई टैक्स देयता नहीं बनती।
2. स्थापना पर व्यय, मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर व्यय आदि का लेखा लेखाकरण नीति के अनुसार किया गया है।
3. अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम एवं जमा) में 56.40 लाख रुपये की राशि को राज्यों की सहायता राशि के रूप में दिखाया गया है जोकि 31 मार्च 2021 तक बकाया थी क्योंकि राज्य बाल भवनों से उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं हुए थे।
4. डीटीसी से पुन: प्राप्त करने योग्य के रूप में 1.60 लाख रुपये की राशि को अग्रिम राशि के रूप में दिखाया गया है (जो कि पिछले वर्ष का 1.60 लाख है)। कुल अग्रिमों से 40.80 लाख रुपये डीडीसी को दिये गये थे। उनके संबंध में पिछले वर्ष 39.20 लाख रुपये की राशि को पहले से ही निपटाया जा चुका है। जैसा कि हमें सूचित किया गया है शेष 1.60 लाख रुपये की राशि की वसूली अभी तक नहीं की गई है, इसलिये यह सलाह दी जाती है कि उक्त राशि को बट्टे खाते में डाला जाये और उक्त बही-खाता को बंद कर दिया जाये।
5. 31.03.2021 तक के संबंध में अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमा) के अनुसार 415.82 लाख रुपये की अग्रिम राशि सीपीडब्लूडी को चुकायी गई है। (जो कि पिछले वर्ष 528.52 लाख रुपये थी)।
6. चालू वर्ष में 4,344 रुपये की पूर्व अवधि आय और 133,03,358/- रुपये की पूर्व अवधि व्यय को निर्धारित किया गया है।
7. पिछले वर्षों में विशेष परियोजना हेतु रा.बा.भ. को एम.एस.जे.ई. द्वारा राशि प्राप्त हुई है। 31.03.2021 तक ब्याज सहित 48,85,761/- रुपये (पिछले वर्ष 47,42,231/- रुपये) इस परियोजना के लिए रा.बा.भ. के केनरा बैंक खाते में जमा है। एमएसजेई को देय राशि (ब्याज सहित) के संबंध में खाते में प्रावधान है।
8. 8,759 रुपये की राशि को शेष राशि के रूप में दिखाई गई है जो कि काफी समय से जम्मू और कश्मीर बैंक में है। जैसा कि हमें सूचित किया गया है बैंक शाखा कश्मीर में थी एवं अभी इसका पता नहीं लग पा रहा है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि इसे बट्टे-खाते में डाला जाये।
9. 3,76,575/- रुपये के विविध देनदारों (अनुसची-7) का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जैसा कि 5 वर्षों से भी अधिक समय से राशि बकाया है, अत: इस संबंध में यह सलाह दी जाती है कि यदि उक्त की वसूली नहीं हो सकती है तब शेष राशि को बट्टे खाते में डाला जाये।

10. प्रदत्त और वसूली योग्य दर्शाए गए अग्रिमों को संबंधित पक्ष/ विभाग से अन्तिम बिल की प्राप्ति/ रसीद मिलने पर अन्तिम शीर्ष में समायोजित कर दिया गया है।

11. राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन के विचार में, वर्तमान परिसंपत्तियों पर ऋण तथा अग्रिमों का मूल्य सामान्यत: वसूली पर होगा, यह कम से कम तुलन-पत्र में दर्शायी गयी राशि के बराबर होगा। सभी देयताओं (जिनकी जानकारी है) के लिए उपबंध कर दिया गया है।

12. प्रारंभिक शेषों का सत्यापन प्रबंधक द्वारा किया गया है और हम इस पर निर्भर हैं।

13. जहां कहीं आवश्यकता अनुभव हुई, पिछले वर्ष के आंकड़ों का पुन: समूहन किया गया है।

14. अंतिम लेखों में आंकड़ों को नजदीकी रुपये तक परिवर्तित कर दिया गया है।

तैयार किया गया	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

भाग ग

लेखा रिपोर्ट

2020-21

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

सत्यमेव जयते

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (गृह, शिक्षा एवं कौशल विकास)
Office of the Director General of Audit (Home, Education and Skill Development)
डी जी ए सी आर भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली 110 002
DGACR Building, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002

ए.एम.जी-I/एस.ए.आर./एन.बी.बी./9-52/2021-22/ दिनाँक 09.02.2022

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
शास्त्री भवन ,नई दिल्ली-110001

विषय : वर्ष 2020-21 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदया

मैं राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के वर्ष 2020-21 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करती हूँ।

Your attention is drawn to the fact that despite issue of adverse opinion on the accounts of NBB for the year 2019-20 remedial action, on persistent and material deficiencies as mentioned in the SAR, has not been taken by NBB due to which this office has been constrained to issue an adverse opinion on the accounts of NBB for the year 2020-21 also.

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए ,जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय (Governing Body) द्वारा अनुमोदित अवश्य करा लिया जाये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि 2020-21 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

भवदीय,

संलग्नक:यथोपरी

-हस्ता-
निदेशक (ए.एम.जी.–I)

Ph. : 91-1123702422
Fax : 91-1123702271
E-mail : dgahesd@cag.gov.in
Website: https://cag.gov.in/cen/new-delhi-iii/en

ए.एम.जी-I/एस.ए.आर./एन.बी.बी./9-52/2021-22/1512 दिनाँक 09.02.2022

प्रति , प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन , कोटला रोड ,नई दिल्ली -110002,को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है| वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की 1 प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय को भेजी जाए |

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए |

संलग्नक:यथोपरी

सौम्या
निदेशक (ए.एम.जी.–I)

ए.एम.जी-I/एस.ए.आर./एन.बी.बी./9-52/2021-22/ दिनाँक 09.02.2022

प्रति , प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति , उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित प्रधान निदेशक (ए.बी.), भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय , 9 दीन दयाल उपाध्याय मार्ग , नई दिल्ली-110124 को अग्रेषित की जाती है|

यह महानिदेशक लेखापरीक्षा, केंद्रीय व्यय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है |

संलग्नक:यथोपरी

हस्ता.
निदेशक (ए.एम.जी.–I)

राष्ट्रीय बाल भवन के 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लेखों की भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य एवं सेवा शर्त्ते) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अन्तर्गत राष्ट्रीय बाल भवन (एनबीबी) की 31 मार्च 2021 की स्थितिनुसार इसकी आय, व्यय खातों/प्राप्तियाँ एवं भुगतान की संलग्न तुलन पत्र की लेखा परीक्षा की है। लेखा परीक्षा 2022-23 तक की अवधि के लिए प्रस्तुत है। ये वित्तीय विवरणियाँ राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर राय व्यक्त करना है।

2. यह पृथक लेखा परीक्षा सर्वोत्तम लेखांकन प्रणालियों के अनुपालन, लेखांकन मानदण्डों तथा प्रकटीकरण मानदण्डों के अनुरूप वर्गीकरण के सम्बंध में लेखांकन व्यवहार्यता आदि पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ अन्तर्विष्ट है। विधि, नियम एवं विनियम (प्रापराईटी एवं नियमितता) के अनुपालन एवं दक्षता-सह-कार्यनिष्पाय के सम्बंध में वित्तीय लेन-देनों पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों, यदि कोई हों, को निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक से संसूचित किया गया है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा को भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखांकन मानदण्डों के अनुरूप संचालित किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम इस अतिज्ञान का वित्तीय विवरणियाँ सारवान दुष्कथन से मुक्त है, इस आशय का उचित आश्वासन हासिल करने के लिए हम अंकेक्षक की आयोजना और इस निष्पादन करते है। किसी भी लेखा परीक्षा में राशियों का अनुसमर्थन करने वाले साक्ष्यों एवं वित्तीय विवरणियों के तथ्यों का परिक्षण आधार पर पड़ताल करना शामिल है। लेखा परीक्षा में लेखांकन के सिद्धान्तों के साथ-साथ प्रबन्धन द्वारा किया गया पर्याप्त मूल्यांकन और वित्तीय विवरणियों की सम्यक प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल रहता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा में हमारी राय के लिए पर्याप्त आधार विद्यमान रहता है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते है कि :-

(i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण हासिल कर लिए, किंतु रिपोर्ट में उल्लिखित बातों को छोड़कर जो कि हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोगनार्थ आवश्यक थे और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार है।

(ii) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते/प्राप्तियाँ और भुगतान खाता भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, पैरा ख.1 पर लेखापरीक्षा द्वारा टिप्पणियों के अधीन निर्धारित फार्मेट में तैयार किए गए है।

(iii) हमारी राय में, रिपोर्ट में यथाउल्लिखित संदर्भो को छोड़कर, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा समुचित लेखा बहियां व अन्य संगत रिकार्डो का रख-रखाव किया गया है, जहाँ तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से ज्ञात हुआ है।

(iv) हम यह भी रिपोर्ट करते है कि :-

क. तुलन पत्र

क.1 परिसम्पत्तियाँ

क.1.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ (अनुसूची 4) - 6.33 करोड़ रुपये

भूमि और भवन को तुलन पत्र/अनुसूची में दो पृथक खाता शीर्षो के रूप में दर्शाया जाना चाहिए। यह विसंगति 2012-13 से इंगित की जाती रही है, किंतु इसमें कोई सुधार नहीं किया गया है। इसके फलस्वरूप 2014-15 से भूमि पर गलत ह्रास प्रभावित किया जा रहा है और इसके चलते स्थायी परिसम्पत्ति व पूंजीगत निधि खाते की संगणना नहीं की जा सकी है।

परिसम्पत्ति रजिस्टर में प्रत्येक भूमि के क्षेत्रफल को भी अलग से फ्री होल्ड और फ्री लीज के रूप में विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए।

क.1.2 ऋण, अग्रिमों एवं जमा राशियाँ (अनुसूची-8) – 5.15 करोड़ रुपए

उपरोक्त में मार्च 2008 से जनवरी 2020 की अवधि के दौरान विभिन्न कार्यों के लिए सीपीडब्ल्यूडी को दिए गए 4.16 करोड़ रुपये की अग्रिम शामिल है। इनमें से जिन प्रयोजनों के लिए वर्ष 2013-14 एवं 2014-15 के दौरान 1.52 करोड़ रुपये अग्रिम दिए गए थे, उन्हें पूरा कर लिया गया है और पूर्णता प्रमाण पत्र भी प्राप्त हो गया है लेकिन समायोजन नहीं किया गया है।

शेष अग्रिमों के लिए 2.64 करोड़ रुपये का कार्य भी पूर्ण हो चुका है परन्तु पूर्णता प्रमाण-पत्र/लेखा विवरण के अभाव में समायोजन नहीं किया गया है।

इसके परिणामस्वरूप ऋणों, अग्रिमों और जमाराशियों को अधिक बताया गया है और अचल संपत्तियों/व्यय को रुपये से कम बताया गया है। 4.16 करोड़। यह 2017-18 से इंगित किया जा रहा है लेकिन कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

ख. आन्तरिक रसीद खाता

ख.1 केनरा बैंक के बचत खाता सं. 0158101118475 में पूंजीगत निधि (451.12 लाख रुपये), चालू देयता (0.12 लाख रुपये, स्थायी परिसम्पत्तियां रुपये 33.08 लाख तथा चालू परिसम्पत्तियां रुपये 418.16 लाख सहित बैंक राशि 239.24 लाख रुपये 160.47 लाख रुपये का निवेश को राष्ट्रीय बाल भवन के मुख्य खाते से बाहर रखे गये हैं)। इसे आन्तरिक सृजित निधियों के खाते के रूप में पृथक से दर्शाया जाना चाहिए था।

आन्तरिक सृजित निधियों के खाते राष्ट्रीय बाल भवन के खातों का ही अभिन्न अंग है और एनबीबी की वित्तीय स्थिति की सम्पूर्ण, सत्य और सुस्पष्ट तस्वीर पेश करने के दृष्टिगत पूर्ण संगठन का एक समेकित खाता तैयार किया जाना चाहिए। इस संबंध में 2015-16 में भी प्रश्न उठाया गया पर कोई उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

वर्ष 2015-16 से इस ओर ध्यान दिलाया जा रहा है परन्तु कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

ग. सामान्य

ग.1 वर्ष 1980-83 की अवधि से सम्बंधित जीपीएफ में से 2.13 लाख रुपये का निवेश सरकारी प्रतिभूतियों में दर्शाया गया था। इससे संबंधित रिकार्ड लेखा परीक्षा को उपलब्ध नहीं कराये गए। इसी भांति 16,759/- रुपये की राशि जीपीओ नई दिल्ली में पड़ी थी, इसे भी लेखा परीक्षा को प्रस्तुत नहीं किया गया था। यह 2011-12 से बार-बार इंगित किया जा रहा है।

रा.बा.भ. ने बताया है कि निवेश को बैंक की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। इस मामले को बैंक के साथ उठाया गया और बैंक ने सूचित किया है कि इस निवेश के रिकार्ड नहीं मिल रहे हैं और भा.रि.बैं के निर्देशों के अनुसार बैंक अपनी शाखा में रिकार्ड को 10 वर्ष से ज्यादा नहीं रख सके। रा.बा.भ. को इस मामले में निर्णय लेने और ऑडिट को सूचित करने की आवश्यकता है।

ग.2 राष्ट्रीय बाल भवन खाते में नोट्स (अनुसूची-24) इंगित करता है कि निम्नलिखित राशि को बट्टे खाते में डाल दिया जाना आवश्यक है।

- डीटीसी से 1.60 लाख रुपये वसूली योग्य नहीं है।
- जे एण्ड के बैंक के पास शेष राशि के रूप में 8,759 रुपये हैं जो ट्रेस करने योग्य नहीं है, और
- विविध देनदार से 3.76 लाख रुपये (अनुसूची-7) की वसूली नहीं हो पाई है। इस संबंध में अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाना चाहिए।

हालांकि, रा.बा.भ. ने उपरोक्त राशि को लेखा से बट्टे-खाते में डाल दिया है। यह पिछले वर्ष की रिपोर्ट से बताया गया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

घ. सहायता अनुदान

वर्ष 2020-21 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय से राष्ट्रीय बाल भवन ने 1548.23 लाख रुपये की आवर्ती अनुदान के तहत सहायता अनुदान की प्राप्ति की है। इसने पिछले वर्ष की 194.56 लाख रुपये की राशि (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान : 67.50 लाख रुपये तथा आवर्ती अनुदान : 127.06 लाख रुपये) 31 मार्च 2021 तक 1742.79 लाख रुपये की कुल निधियों में से राष्ट्रीय बाल भवन ने 1502.58 लाख रुपये की राशियों का प्रयोग किया है (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान राशि : 1.72 लाख रुपये तथा आवर्ती अनुदान राशि : 1500.86 लाख रुपये) एवं 240.21 लाख रुपये की शेष राशि (पूंजीगत परिसंपत्तियां : 65.78 लाख रुपये एवं आवर्ती अनुदान : 174.43 लाख रुपये के निर्माण के लिए) प्रयोग में नहीं लाई गई है।

ड. प्रबन्धन पत्र

लेखा परीक्षा में शामिल की गई कमियों की जानकारी उपचारात्मक/ सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक से जारी प्रबन्धन पत्र के माध्यम से निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन के संज्ञान में लाई गई है।

(v) विगत पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अध्याधीन हम यह रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियां व भुगतान लेखा बहियों के अनुसार है।

(vi) हमारी राय तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार पिछले पैराग्राफों में ऊपर चर्चा की गई टिप्पणियों के प्रभाव के कारण वित्तीय विवरण, लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों और अन्य के साथ मिलकर पढ़े जाते हैं। इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित मामले भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही निष्पक्ष दृष्टिकोण नहीं देते है:

क. जहाँ तक 31 मार्च 2021 की स्थितिनुसार राष्ट्रीय बाल भवन की स्थिति पर तुलन पत्र का सम्बंध है; और

ख. जहाँ तक उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में कमी का सम्बंध है।

कृते और भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार की ओर से

9.2.2022

स्थान : नई दिल्ली
दिनाँक : 09.02.2022

महानिदेशक लेखा परीक्षा
गृह, शिक्षा एवं कौशल विकास

लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

1. **आन्तरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता**

   - राष्ट्रीय बाल भवन में अपना कोई आन्तरिक लेखा परीक्षा अनुभाग/विभाग नहीं है। इनका कोई लेखा परीक्षा मैनुयल भी नहीं है। हालांकि भुगतान से संबंधित सभी फाइलों का प्री-ऑडिट किया जाता है।

2. **आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**

   - राष्ट्रीय बाल भवन का आन्तरिक नियंत्रण निम्नलिखित कारणवश अपर्याप्त है :-
   - राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों को राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा दिए गए अग्रिमों के संबंध में अप्राप्य उपयोगिता प्रमाण पत्र।
   - 2007-08 से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को दिए गए अग्रिमों का समायोजन न करना।
   - 31.03.2021 तक 52 वाह्य लेखा परीक्षा पैरा बकाया थें।
   - लेखा नियम पुस्तक का रख-रखाव नहीं किया गया है।
   - देनदारों/ऋणों एवं अग्रिमों की पुष्टि नहीं की गई है।

3. **स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**

   - स्थायी परिसम्पत्तियों के साथ पुस्तकों एवं प्रकाशनों की प्रत्यक्ष सत्यापन मार्च 2021 तक की गई थी।

4. **माल सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**

   - स्टेशनरी और अन्य उपभोज्य मदों जैसी वस्तुओं का भौतिक सत्यापन मार्च 2021 तक किया गया था।

5. **देयताओं के भुगतान में नियमितता**

   - लेखों के अनुसार, 31.03.2021 की स्थितिनुसार सांविधिक देयताओं के सम्बंध में कोई भी भुगतान छः माह से ऊपर लम्बित नहीं था।

Disclaimer

''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।''

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN